MOU Holder and Distributors
RN METALS Pvt. Ltd
Distributors of SAIL & VSP products in Telangana
Stockist of MS Beams MS Channel, MS Angle, MS Plates, TMT Bars
A-23/5 & 6, APIE, BALANAGAR, HYD.-500 037
040-23774718, 040-23774719, 9160111471

खबरें जो सोच बदल दे
शुभ लाभ
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

MINISO
Please visit store nearest to you at these locations :
IRRUMMANZIL (L&T MALL)
MOOSARAMBAGH (L&T MALL)
KOMPALLY (TNR PLAZA)

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2026-28 । शनिवार, 25 अप्रैल, 2026 । हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित । website : https://www.shubhlabhdaily.com । संपादक : गोपाल अग्रवाल । पृष्ठ : 12 । मूल्य-8 रु.। वर्ष-8 । अंक-112

अब AAP का क्या होगा?

राघव चड्ढा 7 सांसदों के साथ भाजपा में

नयी दिल्ली, 24 अप्रैल (एजेंसियां)।

यूं तो दिल्ली की सत्ता की सुनहरी कालीन बहुत पहले ही आप सुप्रीमो अरविंद केजरीवाल के पैरों तले से खिसक गई थी।

अब राघव चड्ढा समेत कई सांसदों के एक साथ आम आदमी पार्टी को टाटा कहने के बाद संसद में पार्टी की ताकत सिमट गई है।

वीकेंड पर आम आदमी पार्टी को लगे भारी झटके के बाद कांग्रेस के नेताओं और बीजेपी सूत्रों के हवाले से यह कहा जा रहा है कि बड़े पैमाने पर सांसदों के पार्टी छोड़ने के बाद दिल्ली और पंजाब में आम आदमी पार्टी के करीब 66 विधायक सेफ गेम खेलते हुए आम आदमी पार्टी, अरविंद केजरीवाल और भगवंत मान को झटका दे सकते हैं।

पंजाब कांग्रेस के अध्यक्ष कैप्टन अमरिंदर सिंह राजा वडिंग ने कहा, सांसद गए तो गए। मैं आप को आगाह करता हूं कि कहीं पंजाब में उनके 50 एमएलए भी पाला न बदल लें। जब पार्टी बिना किसी स्पष्ट मापदंड के इस तरह से निर्णय लेती है, तो ऐसी संभावना हमेशा बनी रहती है।

दिल्ली का गणित

दिल्ली की विधानसभा में आप के 22 विधायक हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, इनमें से कई अपना पिंड पार्टी से छुड़ाना चाहते हैं। यानी सांप भी मर जाए और लाठी भी न टूटे। यानी विधायकी भी बनी रहे और पार्टी से छुट्टा-छुट्टी हो जाए। इस गणित से उन्हें बीजेपी में शामिल होने के लिए कम से कम 16 का आंकड़ा चाहिए। मतलब, अगर राघव चड्ढा की देखा-देखी उनके करीबी लोग विधायकों को अपने पाले में खींचने में कामयाब

हो गए, तो केजरीवाल के हाथ से दिल्ली में भी पार्टी का झाड़ू छिटक कर गिर सकता है। सूत्रों के हवाले से कहा जा रहा है कि दिल्ली की टीम में भी राघव चड्ढा के कई करीबी हैं। ऐसे में दिल्ली से लेकर पंजाब तक बड़ा सियासी खेल हो सकता है।

पंजाब का गणित

पंजाब विधानसभा में कुल 117 सीटें हैं। इसमें अअझ के 92 विधायक हैं। यहां बहुमत का आंकड़ा 59 का है। यानी अअझ के पास बहुमत से 33 सीटें ज्यादा हैं, यानी सुपर मेजोरिटी है। इसलिए पंजाब में इतनी बड़ी टूट तकनीकी रूप से असंभव दिखती है। इस वजह से राजा वडिंग का बयान आप पर तंज लगता है।लेकिन राजनीति संभावनाओं का दूसरा नाम है। किसी जमाने में शिव-सेना में क्या हुआ, वो दुनिया ने देखा था। कैसे 35 से अधिक विधायकों के पाला बदलने से महाराष्ट्र की तत्कालीन उद्धव ठाकरे सरकार अल्पमत में आ गई थी। ऐसे में कब क्या हो जाए, कोई कुछ नहीं कह सकता।

इस हिसाब से पंजाब से लेकर दिल्ली तक के चुनावी प्रबंधन की बात करें, तो राघव चड्ढा और संदीप कुमार पाठक दोनों के पास जरूरी सूचनाओं से भरा जादुई पिटारा है। दिल्ली में आप के कुछ नेता ही लगातार एक्टिव मोड में हैं, बाकी सुस्त और नेपथ्य में दिख रहे हैं। सांसदों के पार्टी छोड़ने वाले एपिसोड से आम आदमी पार्टी के अंदर का सियासी तापमान बढ़ा हुआ है।

ऐसे में सियासी गलियारों में अटकलें लगाई जा रही हैं कि आम आदमी पार्टी को दिल्ली से लेकर पंजाब तक एक और झटका लग सकता है।

बसें शुरू-हड़ताल खत्म

32 में से 31 माँगें मनवाईं

हैदराबाद, 24 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)।

तेलंगाना रोड ट्रांसपोर्ट कॉर्पोरेशन (टीजीएसआरटीसी) की संयुक्त क्रिया समिति (जेएसी) ने शुक्रवार रात सचिवालय में सरकार के साथ मैराथन वार्ता के बाद अनिश्चितकालीन हड़ताल वापस ले ली, जिससे पूरे राज्य में यात्रियों को राहत मिली है। शनिवार सुबह से बस सेवाएं फिर से शुरू हो जाएंगी। 32 मांगों के समर्थन में 22 अप्रैल को शुरू हुई यह हड़ताल शुक्रवार को तीसरे दिन में प्रवेश कर चुकी थी, जब आधी रात के करीब एक समझौता हो गया।

सचिवालय में सात घंटे से अधिक चली मैराथन वार्ता

उप मुख्यमंत्री मल्लू भट्टी विक्रमार्का के नेतृत्व में मंत्रियों के समूह (जीओएम) और जेएसी के बीच यह महत्वपूर्ण बैठक लगभग शाम 4 बजे शुरू हुई और सात घंटे से अधिक समय तक चली। चर्चा के दौरान, आरटीसी कर्मचारी यूनियनों ने अपनी सभी मांगों को पूरा करने पर जोरदार दबाव डाला। सरकार ने 32 में से 31 मांगों को मानने के लिए सहमति जताई, जबकि वेतन संशोधन आयोग (पीआरसी) के पैमानों को लागू करने के एकमात्र बचे मुद्दे को संबोधित करने के लिए और अधिक समय मांगा, जिसका कारण निगम और राज्य खजाने दोनों पर इसके महत्व-पूर्ण वित्तीय बोझ को बताया गया।

कर्मचारियों ने टीजीएसआरटीसी का सरकार में विलय करने की भी मांग की थी, साथ ही 2021 और 2025 पीआरसी सिफारिशों को लागू करने की मांग की थी। तीन प्रमुख मुद्दों ‐ आरटीसी का विलय, पीआरसी लागू करना, और पूर्ववर्ती बीआरएस शासन में 2019 में समाप्त की गई कर्मचारी यूनियनों को बहाल करने के साथ ही मान्यता प्राप्त यूनियनों के लिए चुनाव कराने ‐ पर विस्तार से चर्चा हुई।

दिन में पहले, वरिष्ठ आईएएस अधिकारियों की एक टीम ने कर्मचारी प्रतिनिधियों के साथ प्रारंभिक चर्चा की, जिसके बाद मंत्रियों की भागीदारी के साथ विस्तारित वार्ता हुई। भट्टी के अलावा, मंत्री पोन्नम प्रभाकर, डी. श्रीधर बाबू, जी. विवेक वेंकटस्वामी और अदलुरी लक्ष्मण वार्ता में शामिल हुए।

31 मांगें मानी, पीआरसी पर समय मांगा

भट्टी ने कहा कि मंत्री चल रहे बजट सत्र, निर्वाचन क्षेत्रों के परिसीमन, महिला आरक्षण विधेयक और अन्य राज्यों में चुनावों में व्यस्त थे। उन्होंने आंदोलन के दौरान एक आरटीसी कर्मचारी की मृत्यु पर भी चिंता व्यक्त की, जिसे शोक संतप्त परिवार के लिए एक दुर्भाग्यपूर्ण और अपूरणीय क्षति बताया। अधिकांश मांगों के समाधान और शेष मुद्दे पर आश्वासन के साथ, जेएसी ने हड़ताल वापस लेने का फैसला किया, जिससे पूरे तेलंगाना में सार्वजनिक परिवहन सेवाओं में सामान्य स्थिति बहाल हो सकेगी।

इससे पहले, राज्य सरकार ने आत्महत्या का प्रयास करने वाले टीजीए-सआरटीसी ड्राइवर कोला शंकर गौड़ के परिवार के लिए एक व्यापक पुनर्वास पैकेज की घोषणा की, जिनकी मृत्यु हो गई। मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने आरटीसी ड्राइवर की मृत्यु पर गहरा सदमा और शोक व्यक्त किया। एक बयान में, मुख्यमंत्री ने आश्वासन दिया कि सरकार शोक संतप्त परिवार के साथ खड़ी रहेगी।

मृतक ड्राइवर के परिवार को 15 लाख रुपये की सहायता

नरसमपेट राजस्व विभागीय अधिकारी (आरडीओ) उमारानी ने घोषणा की कि राज्य 10 लाख रुपये की वित्तीय सहायता, आरटीसी में पात्र परिवार के एक सदस्य को नौकरी, और एक इंदिरम्मा घर का आवंटन प्रदान करेगा। नरसमपेट विधायक डोंठी माधव रेड्डी ने अपनी निजी धनराशि से अतिरिक्त 5 लाख रुपये देने की घोषणा की। इससे परिवार के लिए कुल अनुग्रह राशि 15 लाख रुपये हो गई। ▶8पर

आत्मदाह करने वाले आरटीसी चालक शंकर की हुई मौत

हैदराबाद, 24 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)।

तेलंगाना राज्य सड़क परिवहन निगम (टीजीएसआरटीसी) के चालक कोला शंकर गौड़ (55) की शुक्रवार तड़के मौत हो गयी। श्री गौड़ गुरुवार को आरटीसी हड़ताल के दौरान आत्महत्या का प्रयास किया था। आज तड़के अपोलो डीआरडीओ अस्पताल में इलाज के दौरान उनकी मृत्यु हो गयी। गौरतलब है कि आरटीसी कर्मचारियों ने गुरुवार को तेलंगाना में कई जगहों पर विरोध प्रदर्शन किया। इसी दौरान नरसंपेट आरटीसी डिपो के चालक शंकर गौड़ ने कथित तौर पर नरसंपेट बस स्टैंड के सामने खुद पर पेट्रोल डालकर आग लगा ली। बताया जा रहा है कि उन्होंने आरटीसी के सरकार में विलय में हो रही देरी के विरोध में यह कदम उठाया। उन्हें शुरू में वारंगल के एसजीएम अस्पताल में भर्ती कराया गया था और बाद में बेहतर इलाज के लिए हैदराबाद ले जाया गया। गंभीर रूप से जलने के कारण शुक्रवार को लगभग 03:00 बजे इलाज के दौरान उनकी मृत्यु हो गई। डॉक्टरों ने शंकर गौड़ के शव का पोस्टमार्टम किया, जिसके बाद परिवार के सदस्य उनके पार्थिव ▶8पर

यूएस-ईरान वार्ताकार पहुँच रहे पाक

बातचीत की मेज फिर सजी

नयी दिल्ली, 24 अप्रैल (एजेंसियां)।

अमेरिका-ईरान के बीच पाकिस्तान में होने वाली शांतिवार्ता को लेकर एक बड़ा अपडेट सामने आया है। सीएनएन के अनुसार, ट्रंप अगले दौर की वार्ता के लिए अपने दो अधिकारियों को पाकिस्तान भेज रहे हैं। जिन दो अधिकारियों को भेजा जा रहा है, उनमें स्टीव विटकॉफ और जेरेड कुशनर शामिल हैं। हालांकि, अभी तक ईरान ने यह साफ नहीं किया है कि अगले दौर की बातचीत के लिए किसे पाकिस्तान भेज रहा है।

हालांकि, शुक्रवार को खबर आई थी कि ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची पाकिस्तान जा रहे हैं। लेकिन बाद में बताया गया कि ईरान के विदेश मंत्री का दौरा अमेरिका से वार्ता के लिए नहीं है। वहीं, दूसरी तरफ सूत्रों ने बताया कि पाकिस्तानी मध्यस्थता दल के साथ महत्वपूर्ण बातचीत और विचार-विमर्श के बाद अमेरिका और ईरान के बीच इस्लामाबाद शांति वार्ता के दूसरे दौर की उम्मीद है। वार्ता प्रक्रिया के लिए अमेरिका की लॉजिस्टिक और सुरक्षा टीम पहले से ही इस्लामाबाद में मौजूद है।

पाकिस्तान के विदेश मंत्रालय ने एक्स पर ट्वीट कर बताया कि उप प्रधानमंत्री/विदेश मंत्री सीनेटर मोहम्मद इशाक डार को आज ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची से बात करने का अवसर मिला। दोनों पक्षों ने क्षेत्रीय घटनाक्रम, युद्धविराम और अमेरिका-ईरान संबंधों के संदर्भ में इस्लामाबाद द्वारा किए जा रहे राजनयिक प्रयासों पर विचार-विमर्श किया।

ईरानी सांसद ने पाकिस्तान वार्ता को बताया रणनीतिक गलती

उधर, ईरान की संसद की नेशनल सिक्योरिटी और विदेश नीति समिति के सदस्य महमूद नबावियन ने कहा है कि पाकिस्तान में अमेरिका के साथ हुई बातचीत एक गलती थी। नबावियन ने अपने इंटरव्यू का एक हिस्सा पोस्ट किया है, जिसमें उन्होंने कहा कि पाकिस्तान में अमेरिका के साथ परमाणु मुद्दे पर बात करना एक रणनीतिक गलती थी। उन्होंने एक्स पर लिखा, पाकिस्तान में बातचीत के दौरान परमाणु मुद्दे को टेबल पर रखना एक रणनीतिक गलती थी।

ईरान इंटरनेशनल के अनुसार, नबावियन ने कहा, पाकिस्तान में हुई बातचीत में हमने रणनीतिक गलती की। हमें परमाणु मुद्दे को बातचीत के लिए नहीं रखना चाहिए था। उन्होंने आगे कहा, ऐसा करने से दुश्मन और ज्यादा हिम्मती हो गया। ▶8पर

कार्टून कॉर्नर

मौसम हैदराबाद

अधिकतम : 38^0
न्यूनतम : 26^0

WMO ने दुनिया को चेताया

मई में अल नीनो?

नयी दिल्ली, 24 अप्रैल (एजेंसियां)।

राजधानी दिल्ली समेत देश के कई राज्यों में इन दिनों भीषण गर्मी से बुरा हाल है। अप्रैल महीने में ही तापमान 45 डिग्री के पार पहुंच गया है और लू जैसी स्थिति बन रही है। मौसम विभाग लू और गर्मी को लेकर अलर्ट जारी कर रहा है। सरकारें स्कूलों की छुट्टियां कर रही हैं। जहां स्कूल खुल रहे हैं, वहां टाइमिंग में बदलाव किया जा रहा है। हर रोज तापमान नए रिकॉर्ड को छू रहा है। सबसे डरावनी बात यह है कि इस साल मॉनसून भी कम ही बरसेगा। कई राज्यों में सूखे जैसी स्थिति हो सकती है। ऐसा सिर्फ भारत में नहीं, बल्कि दुनियाभर के कई देशों में हो रहा है। दुनियाभर के मौसम वैज्ञानिक मौसम के इस बदलाव को लेकर चिंतित हैं। विश्व मौसम विज्ञान संगठन ने चेतावनी जारी की है कि इस साल मई से जुलाई के बीच अल नीनो की स्थिति दोबारा विकसित हो सकती है। भारत जैसे कृषि प्रधान देश के लिए यह खबर किसी बड़े खतरे की घंटी से कम नहीं है। ▶8पर

सब तेरो सांवलिया सेठ

एक माह में 41.67 करोड़ चढ़ावा

चित्तौड़गढ़, 24 अप्रैल (एजेंसियां)।

चित्तौड़गढ़ (मेवाड़) के श्री सांवलिया सेठ मंदिर को एक महीने में दान में मिली राशि ने नया रिकॉर्ड बनाया है। एक महीने (18 मार्च से 16 अप्रैल तक) में कुल 41 करोड़ 67 लाख 38 हजार 569 रुपए चढ़ावे की राशि प्राप्त हुई। एडीएम और मंदिर मंडल की सीईओ प्रभा गौतम ने बताया कि 16 अप्रैल को चतुर्दशी के दिन भंडार खोला गया था। इसके बाद सात राउंड में गिनती की गई। इस दौरान मंदिर के भंडार से कुल 33 करोड़ 21 लाख 63 हजार 539 रुपए प्राप्त हुए। भेंटकक्ष और ऑनलाइन माध्यम से 8 करोड़ 45 लाख 75 हजार 30 रुपए मिले। इनके अलावा करीब 1 करोड़ रुपए कीमत का सोना और करीब 2 करोड़ रुपए की चांदी की भेंट भी चढ़ावे में आई है।प्रभा गौतम ने बताया कि इस महीने भंडार, भेंटकक्ष और ऑनलाइन माध्यम से कुल 41 करोड़ 67 लाख 38 हजार 569 रुपए की दान राशि प्राप्ति हुई है। ▶8पर

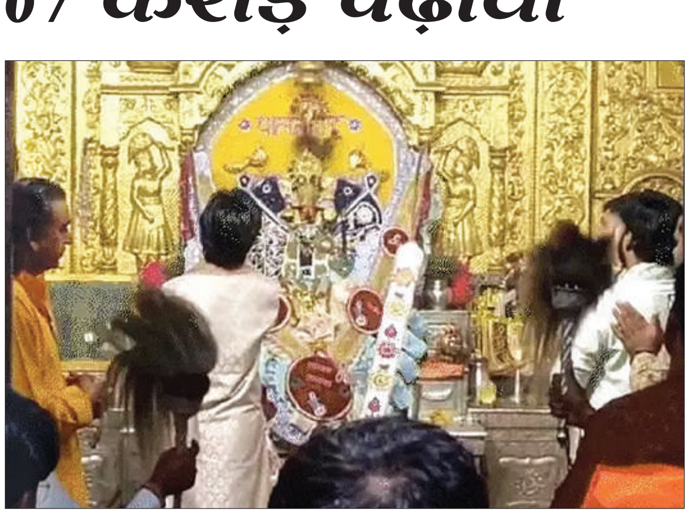

डोनाल्ड ट्रंप ने की इजराइल-लेबनान के बीच 3 सप्ताह के संघर्ष विराम की घोषणा

वाशिंगटन

अमेरिकी की मेजबानी में इजराइल और लेबनान वाशिंगटन में गुरुवार को हुई राजदूत स्तर की वार्ता में तीन हफ्ते के सैन्य विराम (युद्ध विराम/ सीज फायर) पर सहमत हो गए। बैठक के आखिर में दोनों पक्षों से बातचीत करने के बाद यह घोषणा राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने की। अमेरिकी विदेश मंत्रालय की मध्यस्थता में हुई इस शांति वार्ता की सफलता पर ट्रंप ने खुशी जताई।

रिपोर्ट के अनुसार, गुरुवार को व्हाइट हाउस में इजराइल और लेबनान के अधिकारियों के बीच शांति वार्ता के दूसरे दौर के बाद राष्ट्रपति ट्रंप ने घोषणा की कि दोनों देशों के बीच युद्ध विराम को तीन हफ्ते के लिए बढ़ा दिया गया है। उन्होंने सोशल ट्रुथ पर लिखा, इजराइल और लेबनान के बीच युद्ध विराम को तीन हफ्ते के लिए बढ़ाया जाएगा। इजराइल और लेबनान के बीच शुरुआती 10 दिन का युद्ध विराम 16 अप्रैल को लागू हुआ था।

राष्ट्रपति ने कहा कि यह समझौता ओवल आफिस में हुई एक बैठक के बाद हुआ। इसमें उपराष्ट्रपति जेडी वेंस, विदेश मंत्री मार्को रूबियो, इजराइल में अमेरिकी राजदूत माइक हकाबी, लेबनान में अमेरिकी राजदूत मिशेल इस्सा और इजराइल व लेबनान के उच्चस्तरीय प्रतिनिधि शामिल हुए। ट्रंप ने लिखा, बैठक बहुत अच्छी रही। मैं निकट भविष्य में इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू और लेबनान के राष्ट्रपति जोसेफ आउन की मेजबानी करने के लिए उत्सुक हूं।

ट्रंप ने पत्रकारों से कहा कि ईरान को लेबनान के आतंकी संगठन हिजबुल्लाह को फंडिंग बंद करनी होगी। उन्होंने कहा कि शांति के लिए यह बहुत जरूरी है। इस बीच ईरान समर्थित हिजबुल्लाह ने एक बयान में कहा, लेबनान और उसके लोगों की रक्षा और इजराइली दुश्मन के सीज फ़ायर के उल्लंघन और दक्षिणी लेबनान के याटर शहर को निशाना बनाने के जवाब में राकेटों की बौछार से श्टुला बस्ती को निशाना बनाया गया है। इस पर इजराइली सेना ने सोशल मीडिया पोस्ट में कहा कि लेबनान से इजराइली क्षेत्र में प्रवेश करने वाले कई राकेटों को रोक दिया गया।

लेबनान के स्वास्थ्य मंत्रालय ने बताया कि यह राकेट हमला गुरुवार को पहले दक्षिणी लेबनान पर हुए एक इजराइली हमले के बाद हुआ। इसमें तीन लोगों की मौत हो गई थी। इजराइल के रक्षा मंत्री इजराइल काट्ज ने कहा कि वह ईरान के खिलाफ युद्ध फिर से शुरू करने के लिए तैयार हैं। उनका देश अमेरिका से हरी झंडी मिलने का इंतजार कर रहा है। इस पर ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने कहा कि ईरान हर स्थिति का मुकाबला करने के लिए तैयार है। उधर, लेबनानी पत्रकार अमल खलील की हत्या को लेकर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर विरोध जारी है।

अमेरिका में लेबनान की राजदूत नाडा हमादेह मोअवाद ने व्हाइट हाउस में पत्रकारों से संक्षेप में बात की। मोअवाद ने लेबनान के एलबीसीआई ब्राडकास्टर से कहा, हमने इजराइली उल्लंघनों को रोकने और दक्षिण में हो रही तबाही को रोकने के संबंध में लेबनान का पक्ष रखा।

न्यूज ब्रीफ

होर्मुज में बिछाई सी-माइंस, जंग के खत्म होने के बाद हटाने में लगेंगे 6 माह

तेहरान। होर्मुज स्ट्रेट में हालात बेहद नाजुक बने हुए हैं। फारस की खाड़ी को ओमान की खाड़ी से जोड़ने वाले होर्मुज से जहाजों की आवाजाही बाधित होने से एशिया से लेकर यूरोप तक के देशों में तेल और गैस की आपूर्ति बाधित हो गई है। ईरान इस संकरे से समुद्री कारिडोर को बार्गेनिंग चिप की तरह इस्तेमाल कर रहा है, जिससे दुनियाभर में एनर्जी क्राइसिस की स्थिति है। भारत भी इससे अछूता नहीं है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक अब अमेरिकी रक्षा विभाग पेंटागन ने होर्मुज को लेकर ऐसा खुलासा किया है, जिससे दुनियाभर के देशों की धड़कनें बढ़नी तय हैं। दरअसल, होर्मुज स्ट्रेट में ईरान ने सी-माइंस बिछा दिया है। अमेरिका का कहना है कि ईरान जंग के खत्म होने के बाद इन माइंस को पूरी तरह से क्लियर कर होर्मुज को सुरक्षित बनाने में कम से कम 6 महीने का वक्त लगेगा। साथ में यह भी कहा कि 6 महीनों के लिए इस जलडमरूमध्य को बंद करना असंभव है। बता दें होर्मुज भारत के एनर्जी सप्लाई चेन के लिए काफी अहम है। खाड़ी के देशों से इसी रूट से बड़ी मात्रा में तेल और गैस की सप्लाई होती है। ऐसे में अब यह एक नया खतरा पैदा हो गया है।

रूसी इन्फ्लुएंसर्स और ब्लागर्स में बढ रहा पुतिन के खिलाफ अंसतोष

मास्को। हाल के दिनों में कई प्रभावशाली इन्फ्लुएंसर्स और ब्लागर्स ने रूस में राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के खिलाफ सोशल मीडिया पर खुलकर सरकार की नीतियों की आलोचना की है। इस बढ़ते विरोध की अगुवाई कुछ प्रमुख रूसी ब्यूटी इन्फ्लुएंसर्स और ब्लागर्स कर रही हैं। मशहूर रूसी ब्यूटी इन्फ्लुएंसर विक्टोरिया बोन्या ने इंस्टाग्राम पर एक साहसिक पोस्ट में सीधे पुतिन को संबोधित करते हुए लिखा, व्लादिमीर व्लादिमीरोविच, लोग आपसे डरते हैं। ब्लागर आपसे डरते हैं, कलाकार आपसे डरते हैं, गवर्नर आपसे डरते हैं...और आप हमारे देश के राष्ट्रपति हैं। बोन्या ने सरकार पर कई गंभीर आरोप लगाए हैं, जिनमें दागेस्तान में बाढ़ के दौरान धीमी प्रतिक्रिया, साइबेरिया में पशु वध के कथित कुप्रबंधन और सोशल मीडिया पर लगातार बढ़ती पाबंदियां शामिल हैं। बोन्या ने चिंता व्यक्त की कि इन प्रतिबंधों के कारण लोग अपने परिजनों से भी ठीक से संपर्क नहीं कर पा रहे हैं, जिससे ऐसा लगने लगा है कि देश अब आजाद नहीं रहा। उल्लेखनीय है कि बोन्या अब मोनाको में रहती हैं और अपनी कास्मेटिक्स लाइन चलाती हैं। उनके इस इंस्टाग्राम वीडियो को 2.83 करोड़ से अधिक व्यूज़ मिले और लगभग 15 लाख लाइक्स तथा 80 लाख कमेंट्स आए, जिनमें से बड़ी संख्या में लोगों ने उनकी बहादुरी की प्रशंसा की। इस कड़ी में एक अन्य चर्चित इन्फ्लुएंसर आइजा ने भी सरकार की आलोचना करते हुए कहा कि टेलीग्राम जैसे प्लेटफार्म पर प्रतिबंध रूस की अर्थव्यवस्था को बड़ा झटका दे सकते हैं।

टैरिफ और रणनीति से अब अमेरिकी मजदूरों और उद्योग को हो रहा फायदा

वाशिंगटन। अमेरिका के व्यापार प्रतिनिधि जेमीसन ग्रीर ने ट्रंप प्रशासन की व्यापार नीति का जोरदार बचाव

किया है। उन्होंने प्रतिनिधियों से कहा कि टैरिफ और सख्त बातचीत की रणनीति से अब अमेरिकी मजदूरों और उद्योग को वास्तविक फायदे मिलने शुरू हो गए हैं। हाउस वेज एंड मीन्स कमेटी के सामने पेश होते हुए ग्रीर ने कहा कि प्रशासन का यह तरीका पिछली नीतियों से बिल्कुल अलग है। उनके हिसाब से पिछली नीतियों ने आफशोरिंग को बढ़ावा दिया था और घरेलू मैन्युफैक्चरिंग को कमजोर किया था। उन्होंने कहा कि हम पहले से ज्यादा सामान निर्यात कर रहे हैं और हमारे मजदूर ज्यादा काम कर रहे हैं और उन्हें पहले से ज्यादा वेतन भी मिल रहा है। उन्होंने रिकार्ड स्तर के निर्यात और बढ़ती मजदूरी का हवाला दिया। ग्रीर ने इस रणनीति को संतुलित और बराबरी वाला व्यापार बताया। उन्होंने कहा कि अमेरिका लंबे समय से दूसरे देशों के सामान को अपने बाजार में आने देता रहा, लेकिन बदले में उसे वैसी ही पहुंच नहीं मिलती थी। यह सिर्फ बराबरी की बात है। उनका जोर था कि अगर दूसरे देश अमेरिका के बाजार का फायदा लेना चाहते हैं, तो उन्हें भी अमेरिकी उत्पादों को अपने यहां सही तरीके से प्रवेश देना होगा। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक इस नीति का एक अहम हिस्सा टैरिफ है। ग्रीर ने कहा कि टैरिफ कोई अंतिम लक्ष्य नहीं है, बल्कि यह एक दबाव बनाने का तरीका है। उन्होंने बताया कि कई देशों में हाल ही में जो बाजार खुले हैं, वहां सिर्फ बातचीत से नहीं, बल्कि आर्थिक दबाव डालने से संभव हुआ है।

कब्रिस्तान में छिपा है 55 लाख मधुमक्खियों का विशालकाय संसार

न्यूयार्क

अमेरिका के न्यूयार्क प्रांत के इथाका स्थित ईस्ट लान कब्रिस्तान की मिट्टी के नीचे लगभग 55 लाख रेगुलर माइनर बीज (एंड्रेना रेगुलैरिस) का विशालकाय संसार छिपा है। ये मधुमक्खियां कोई साधारण मधुमक्खियां नहीं हैं, बल्कि ये जमीन के अंदर अपना घर बनाती हैं। हर साल वसंत ऋतु में यहां जमीन से लाखों की संख्या में मधुमक्खियां बाहर निकलती हैं। कार्नेल यूनिवर्सिटी के वैज्ञानिकों ने अपने शोध में खुलासा किया है कि यह दुनिया में मधुमक्खियों के सबसे बड़े ज्ञात जमावड़ों में से एक है। आमतौर पर हम मधुमक्खियों को पेड़ों या ऊंची इमारतों पर छत्ता बनाकर रहते देखते हैं, लेकिन यह प्रजाति एक अनूठा उदाहरण पेश करती है। इस विशाल बसेरे की खोज इत्तेफाक से हुई थी, जब कार्नेल यूनिवर्सिटी की लैब में काम करने वाली रेचल फोर्डाइस ने पार्किंग की तलाश में इस कब्रिस्तान के पास बड़ी संख्या में मधुमक्खियों को जमीन से निकलते देखा। उन्होंने कुछ मधुमक्खियों को इकट्ठा कर अपने सहयोगियों को दिखाया, जिसके बाद 2023 में वैज्ञानिकों की एक टीम ने यहां फील्ड वर्क शुरू किया। जांच में पता चला कि कब्रिस्तान की रेतीली मिट्टी के हर एक स्क्वायर मीटर में औसतन 853 मधुमक्खियां अपने घोंसले बनाकर रह रही हैं। जब पूरे एरिया का हिसाब लगाया गया, तो यह संख्या 55.6 लाख के करीब पहुंची।

माइनर बीज काफी शांत स्वभाव की होती हैं और सालिटरी बीज कहलाती हैं, जिसका मतलब है कि हर मादा मधुमक्खी जमीन के नीचे अपनी अलग सुरंग या बिल खोदती है। ये अप्रैल के महीने में जमीन से बाहर निकलती हैं ताकि फूलों का रस ले सकें और प्रजनन कर सकें। मादा मधुमक्खियां जमीन के अंदर अंडे देती हैं और वहां पराग जमा करती हैं ताकि उनके लार्वा सर्दियों में जिंदा रह सकें। ये मधुमक्खियां सर्दियों का पूरा वक्त जमीन के नीचे ही बिताती हैं और वसंत आते ही दोबारा बाहर निकल आती हैं। वैज्ञानिकों के लिए यह खोज इसलिए भी खास है क्योंकि यह प्रजाति वयस्क के रूप में जमीन के नीचे सर्दियां बिताती है, जो बहुत ही दुर्लभ बात है। इनका मुख्य मकसद सेब और ब्लूबेरी के फूलों का परागण करना होता है, जो खेती के लिए बहुत फायदेमंद है और न्यूयार्क की अर्थव्यवस्था में बड़ा योगदान देता है। रिसर्च बताती है कि न्यूयार्क के मशहूर सेबों के बागों में परागण का एक बड़ा हिस्सा इन्हीं माइनर बीज की वजह से पूरा होता है। विशेषज्ञों के अनुसार, कब्रिस्तान इन जीवों के लिए एक सुरक्षित स्वर्ग की तरह होते हैं। यहां शांति होती है, इंसानों की दखलअंदाजी बहुत कम होती है, और सबसे बड़ी बात यह है कि कब्रिस्तानों में कीटनाशकों का इस्तेमाल नहीं होता और जमीन को बार-बार खोदा नहीं जाता, जिससे मधुमक्खियों को अपने घर बनाने के लिए स्थिर मिट्टी मिलती है। दुनिया की करीब 75 प्रतिशत मधुमक्खी प्रजातियां जमीन के नीचे ही रहती हैं, लेकिन उनके बारे में हमें बहुत कम जानकारी है। वैज्ञानिकों का कहना है कि हमें ऐसे प्राकृतिक बसेरों को बचाने की जरूरत है, क्योंकि इन करोड़ों जरूरी पोलिनेटर्स का संरक्षण पर्यावरण के संतुलन के लिए अत्यंत आवश्यक है।

पाक के बड़े औद्योगिक क्षेत्रों में महिलाओं की भागीदारी सिर्फ 3.6 फीसदी

इस्लामाबाद। पाकिस्तान की आबादी का करीब आधा हिस्सा महिलाएं हैं, लेकिन काम करने की उम्र वाली महिलाओं में से सिर्फ हर चार में से एक ही काम करती है, जबकि पुरुषों में यह आंकड़ा पांच में से चार का है। यह जानकारी करांची स्थित अखबार में प्रकाशित एक लेख में दी गई है। रिपोर्ट में कहा गया है कि जो महिलाएं काम करती हैं, उनमें से ज्यादातर कृषि क्षेत्र में हैं, जबकि 15 फीसदी से भी कम महिलाएं औपचारिक नौकरी में हैं। बड़े औद्योगिक क्षेत्रों में महिलाओं की हिस्सेदारी सिर्फ 3.6 फीसदी है, जो दिखाता है कि वे देश के औद्योगिक विकास से काफी हद तक बाहर हैं। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक पाकिस्तान में महिलाओं की औद्योगिक क्षेत्र में भागीदारी कई पुरानी समस्याओं के कारण सीमित है। इनमें शिक्षा और तकनीकी प्रशिक्षण की कमी, महिलाओं द्वारा चलाए जाने वाले व्यवसायों के लिए वित्त तक सीमित पहुंच और कार्यस्थलों पर सुरक्षा, लचीलापन, चाइल्डकेयर और उत्पीड़न से सुरक्षा की कमी शामिल है। इन समस्याओं को सामाजिक मान्यताएं और भी बढ़ा देती हैं, जो महिलाओं की आवाजाही को सीमित करती हैं और उन्हें घर के बाहर काम करने से हतोत्साहित करती हैं। महिलाओं की आर्थिक भागीदारी सिर्फ समानता का सवाल नहीं है, बल्कि पाकिस्तान के औद्योगिक भविष्य के लिए बेहद जरूरी है। अगर महिलाओं की भागीदारी नहीं बढ़ती, तो आर्थिक लक्ष्य हासिल करना मुश्किल होगा। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) के मुताबिक अगर कामकाजी भागीदारी में लैंगिक अंतर कम हो जाए, तो पाकिस्तान की जीडीपी 30 फीसदी तक बढ़ सकती है, जबकि विश्व बैंक के मुताबिक इससे 75 से 85 अरब डालर तक का फायदा हो सकता है। रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि अगर महिलाओं की भागीदारी में सिर्फ 10 फीसदी की बढ़ोतरी हो जाए, तो देश की सालाना आर्थिक वृद्धि दर में 1.5 फीसदी तक का इजाफा हो सकता है, जो समावेशिता की ताकत को दर्शाता है।

ईरान के निशाने पर अब दुनिया का इंटरनेट, अब करेगा केबल पर हमला

नई दिल्ली

ईरान के निशाने पर अब दुनिया का इंटरनेट कनेक्शन हो सकता है। खबर है कि इस्लामिक रिवाल्युशनरी गार्ड्स कोर (आईआरजीसी) से जुड़ी तस्नीम एजेंसी ने फारस की खाड़ी में समुद्र के अंदर मौजूद इंटरनेट केबल का नक्शा जारी कर ऐसे संकेत दिए हैं। इसे लेकर आधिकारिक तौर पर कुछ नहीं कहा है। आशंका जताई जा रही है कि इसका असर भारत पर भी पड़ सकता है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक इंटरनेट केबल्स और क्लाउड इंफ्रास्ट्रक्चर का एक नक्शा तस्नीम की तरफ से जारी किया गया है। अब इस कदम को चेतावनी के तौर पर देखा जा रहा है कि फारस की खाड़ी पर अब डिजिटल अटैक किया जा सकता है। इस रिपोर्ट में खासतौर पर स्ट्रेट आफ होर्मुज का जिक्र किया गया है। रिपोर्ट में स्ट्रेट को न सिर्फ एनर्जी के लिहाज से अहम रास्ता बताया बल्कि, समुद्र के नीचे बिछी केबल्स के लिए भी एक अहम गलियारा है। ये केबल्स फारस की खाड़ी के देशों को इंटरनेट और संचार सेवाओं से जोड़ती हैं। इनमें यूएई, कतर, बहरीन, कुवैत और सऊदी अरब शामिल हैं। रिपोर्ट के मुताबिक

ये समुद्री नेटवर्क ओमान, यूएई और पाकिस्तान के लैंडिंग स्टेशन से गुजरता है

इस जलमार्ग से कई बड़े केबल सिस्टम गुजरते हैं। साथ ही कहा गया है कि ईरान के मुकाबले फारस की खाड़ी इन समुद्री मार्गों पर ज्यादा निर्भर है। खास बात है कि जारी युद्ध के समय डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर पहले ही निशाने पर आ चुका था। ऐसे में ताजा रिपोर्ट ने डिजिटल अटैक की आशंका को और तेज कर दिया है। ये समुद्री नेटवर्क ओमान, संयुक्त अरब अमीरात और पाकिस्तान जैसे देशों के लैंडिंग स्टेशन से गुजरता है। खास बात है कि इनमें से कई देश युद्ध की आंच का सामना कर रहे हैं। अब कहा जा रहा है कि दुनिया के बड़े डेटा उपभोक्ता होने के चलते भारत की डिजिटल इकोनामी इन कनेक्शन पर काफी निर्भर है। ऐसी आशंकाएं हैं कि अगर किसी तरह की परेशानी आती है, तो लाखों यूजर्स की इंटरनेट स्पीड धीमी हो सकती है। साथ ही क्लाउड सर्विसेज और डिजिटल पेमेंट सिस्टम खासे प्रभावित हो सकते हैं।

ट्रम्प ने भारत को नरक का द्वार बताया

वाशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने भारत और चीन को हेल होल (नरक का द्वार) बताया है। उन्होंने सोशल मीडिया पर एक चिट्ठी पोस्ट की है, जिसमें जन्म के आधार पर नागरिकता देने की आलोचना करके भारत-चीन समेत कई देशों पर विवादित टिप्पणी की गई है। इसमें उन्होंने कैलिफोर्निया के टेक सेक्टर में भारत और चीन के लोगों के दबदबे का दावा किया। उन्होंने कहा कि जन्म के आधार पर नागरिकता से प्रवासी अपने बच्चों को नागरिकता दिलाते हैं। फिर पूरा परिवार अमेरिका आ जाता है। इस मुद्दे का फैसला अदालतों या वकीलों से नहीं, बल्कि देशव्यापी वोटिंग से होना चाहिए। एक सोशल मीडिया सर्वे (पोल) में ज्यादातर लोगों ने यह राय दी कि जन्म के आधार पर मिलने वाली नागरिकता को सीमित करना चाहिए। उन्होंने यह भी इशारा किया कि उन्हें अदालतों और कानूनी संस्थाओं पर भरोसा नहीं है कि वे इस मुद्दे पर सही फैसला लें। उन्होंने चिट्ठी में लोगों के अधिकारों की रक्षा के लिए काम करने वाली अमेरिकन सिविल लिबर्टी यूनियन पर भी निशाना साधा गया। कहा कि यह संगठन अवैध प्रवासियों को फायदा पहुंचाने वाली नीतियों का समर्थन करता है। ट्रम्प ने कहा कि इस संगठन पर संगठित अपराध जैसे कड़े कानून के तहत कार्रवाई होनी चाहिए।

अमेरिका समझौते के लिए होर्मुज में ईरान को घेरने को तैयार, तेहरान का जवाब - देखेंगे

वाशिंगटन/तेहरान

अमेरिकी सेना इस समय स्ट्रेट आफ होर्मुज में ईरान के मौजूदा रक्षा ठिकानों को निशाना बनाने की योजना बना रही है। अगर संघर्ष विराम (युद्ध विराम / सीज फायर) विफल हो जाता है तो अमेरिका सेना इशारा मिलते ही ईरान के सैन्य अड्डों पर समन्वित हमले शुरू कर सकती है। इस घटनाक्रम से परिचित कई सूत्रों ने इसकी पुष्टि की है। वहीं, ईरान ऐसी तैयारियों से बेफिक्र नजर आ रहा है। सर्वोच्च नेता ने कहा कि हालात के अनुसार फैसला लिया जाएगा। युद्ध से पीछे नहीं हटेंगे। रिपोर्ट के अनुसार, अमेरिकी सैन्य अधिकारी ईरान के साथ मौजूदा संघर्ष विराम टूटने पर होर्मुज जलडमरूमध्य में ईरान की सामरिक क्षमता को तहस-नहस करने के लिए तैयारी कर रहे हैं। यह हमले होर्मुज जलडमरूमध्य, दक्षिणी अरब खाड़ी और ओमान की खाड़ी के आसपास केंद्रित हो सकते हैं। इस बीच, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि अमेरिका के साथ स्थायी युद्ध विराम समझौता करने के लिए ईरान को हिजबुल्लाह की फंडिंग रोकनी होगी। इजराइल और लेबनान के बीच राजदूतस्तर की बातचीत के दूसरे दौर की अध्यक्षता करने के बाद ओवल आफिस में उन्होंने पत्रकारों से यह बात कही। सनद रहे कि

ईरान के साथ हालिया बातचीत मुख्य रूप से परमाणु मुद्दे पर केंद्रित रही है। इस समय होर्मुज में नाकेबंदी के कारण वैश्विक अर्थव्यवस्था में भारी उथल-पुथल है। ट्रंप ने गुरुवार को ट्रुथ सोशल पर कहा कि ईरान में इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कार्प्स और सरकार के बीच दरार है। यही दरार राजनयिक समझौते की राह में बड़ी बाधा है। ट्रंप ने लिखा, ईरान को यह समझने में बहुत मुश्किल हो रही है कि उनका असल नेता कौन है। इस पर ईरान के सर्वोच्च नेता मोजतबा खामेनेई ने तत्काल टिप्पणी दी। उन्होंने कहा कि ट्रंप को गलतफहमी है। सच यह है कि देशवासियों के बीच अद्भुत एकता की भावना का संचार हुआ है।

खामेनेई ने कहा कि लोगों की एकजुटता और भी अधिक मजबूत और फौलादी हो गई है। दुश्मन को यह बात भली भांति समझ में आ जानी चाहिए। ईरान दुश्मन के इरादों को सफल नहीं होने देगा। हर हालात मुकाबला किया जाएगा। उन्होंने कहा कि ट्रंप युद्ध में हारे हुए नेता हैं। इसलिए कलह का नया शिगूफा छोड़ रहे हैं।

ट्रंप प्रशासन ने तैयार की शरारती और अच्छे सहयोगियों की सूची.........क्या हैं इसका नाटो कनेक्शन

वाशिंगटन

ट्रंप प्रशासन ने गठबंधन की राजनीति को नया और कड़ा मोड़ देकर नाटो सहयोगियों के लिए एक विशेष सूची तैयार की है। खबरों के मुताबिक, इस सूची को शरारती और अच्छे सहयोगियों की लिस्ट का नाम दिया है। इसका मुख्य उद्देश्य उन देशों को पुरस्कृत करना है जिन्होंने ईरान के खिलाफ अमेरिकी सैन्य अभियानों का समर्थन किया है, और उन्हें दंडित करना है जिन्होंने इस पूरे अभियान से दूरी बनाए रखी।

रिपोर्ट के अनुसार, यह सूची इस महीने की शुरुआत में नाटो महासचिव मार्क रुटे के वाशिंगटन दौरे से पहले तैयार हुई थी। एक यूरोपीय राजनयिक ने बताया कि यह सूची पिछले साल दिसंबर में अमेरिकी रक्षा सचिव पीट हेगसेथ द्वारा पेश किए गए विचार का ही विस्तार प्रतीत होती है। उन्होंने कहा था कि आदर्श सहयोगियों को अमेरिका से विशेष रियायतें मिलेंगी, जबकि सामूहिक रक्षा में विफल रहने वाले सहयोगियों को

इसके परिणाम भुगतने पड़ सकते हैं। इस सूची के आधार पर अमेरिका गठबंधन के सदस्यों के खिलाफ प्रतिकूल कदम उठा सकता है, जैसे कि अमेरिकी सैनिकों को वहां से हटाना या अमेरिकी रक्षा तकनीक की बिक्री पर रोक लगाना। हालांकि, पर्यवेक्षकों ने बताया कि इसतरह के कदमों से उन देशों को दंडित करने के बजाय, खुद अमेरिका को ही अधिक नुकसान पहुंच सकता है। एक यूरोपीय अधिकारी ने कहा, जब बुरे सहयोगियों को दंडित करने की बात आती है, तब उनके पास कोई बहुत ठोस विचार नहीं दिखाई देता। हालांकि व्हाइट हाउस ने इस सूची के अस्तित्व की पुष्टि नहीं की है, फिर भी पोलैंड और रोमानिया जैसे देशों को इसमें सकारात्मक मूल्यांकन मिल सकता है। नाटो सदस्यों के बीच पोलैंड अपने महत्वपूर्ण रक्षा योगदानों के लिए जाना जाता है, जबकि रोमानिया ने अमेरिकी सेनाओं को ईरान युद्ध से संबंधित अभियानों के लिए अपने हवाई अड्डों का उपयोग करने की अनुमति दी है।

नाटो के अधिकांश अन्य देशों ने खाड़ी संघर्ष में शामिल होने से इंकार किया है, जिस रुख से ट्रंप काफी नाराज हैं। हाल ही में दिए गए भाषण में, ट्रंप ने कहा कि नाटो ने होर्मुज जलडमरूमध्य को फिर से खोलने में मदद करने का प्रस्ताव बहुत देर से दिया। ट्रंप ने कहा, मैंने उनसे कहा कि मुझे आपकी मदद दो महीने पहले चाहिए थी, लेकिन अब मुझे वास्तव में आपकी मदद की कोई ज़रूरत नहीं है, क्योंकि जब हमें आपकी ज़रूरत थी, तब आप बिल्कुल ही बेकार साबित हुए। उन्होंने कहा, लेकिन असल में, हमें कभी उनकी ज़रूरत पड़ी ही नहीं। उन्हें हमारी ज़रूरत थी। ट्रंप ने कहा कि इस स्थिति ने इस बात को रेखांकित किया है कि अमेरिका को बाहरी देशों और स्रोतों पर निर्भर रहने के बजाय, खुद पर ही निर्भर रहना चाहिए। नाटो को लेकर उनकी हताशा इस पूरे संघर्ष के दौरान स्पष्ट रूप से दिखाई दी है। रुटे के साथ मुलाक़ात के बाद, ट्रंप ने कहा, जब हमें नाटो की ज़रूरत थी, तब वे वहाँ नहीं थे, और अगर हमें फिर से उनकी ज़रूरत पड़ी, तब भी वे वहाँ नहीं आने वाले है।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

आज का दिन मिला झुला रहेगा। कुछ कामों में रुकावटें आएंगी कुछ काम भी बनेंगे. मेहनत ज्यादा हो सकती है. जॉब बदलाव के योग बनेंगें, लेकिन सोच–समझकर फैसला लें. किसी काम या बात में जल्दबाजी करने से नुकसान हो सकता है. सेहत को लेकर सावधान रहें. आज कुछ नयी वस्तु खरीदारी के लिए बाजार जा सकते हैं पैसे सेविंग के लिए किसी ऐक्सपर्ट से सलाहमशवरा हो सकती हैं. निवेश या खर्चे को लेकर भी बातचीत हो सकती है. बच्चों का व्यवहार अच्छा रहेगा. दाम्पत्य जीवन मे मधुरता रहेगी.

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

काफी समय से चल रही महनत आज रंग लाएगी नये कारखाने की नींव आप के हाथों से रखी जाएगी समझौते के रास्ते पर भविष्य में अत्यधिक लाभ अर्जित कर सकते है. सामाजिक दायरे में सम्मान और प्रतिष्ठा हासिल करने के लिए दिन अनुकूल है. आपको योग्य लोगों के साथ संबंध स्थापित कर सकते हैं. पारिवारिक जीवन आरामदायक और शांतिपूर्ण रहेगा.आपको अपनी जीवन–शैली में सुधार करना चाहिए भविष्य मे संतुष्टि होगी .आप और आपके परिवार के सदस्यों का स्वास्थ्य शुभ रहेगा. चिन्ता को छोड दें मुसकुराते रहें।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ड़,छ,के,को,ह

आप की अव्यवस्थित दिनचर्या और सुस्त और आलसी रवैया आप को सेहत संबंधी समस्या बना सकता हैं. आज दिनभर आप किसी न किसी मीटिंग में व्यस्त रहेंगे .आपके सुझावों को महत्व मिलेगा. और लाभकारी भी रहेंगे। आपके परिवार के प्रति आपकी जिम्मेदारियां बढ़ेंगी. कोई कोर्ट न्यायालय सम्बन्धित वाद–विवाद में आपकी विजय होगी. जीवनसाथी की भावनाओं का सम्मान करेंगे.भगवान शिवजी का अभिषेक करें स्वास्थ्य रहेंगे।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

आज यात्रा का योग बन सकता हैं गुड धनिया का सेवन करके ही यात्रा पर प्रस्थान करें इससे आपको धन संबंधित फायदा हो सकता है. किसी काम की गति धीमी हो सकती है. इससे आपकी परेशानी थोड़ी बढ़ भी सकती है. परन्तु कार्य पूरे जरूर होंगे जीवनसाथी के साथ आपके रिश्ते बेहतर हो सकते हैं. दोस्तों के साथ कहीं घूमने जाने का प्रोग्राम आपको कैंसिल करना पड़ सकता है. किसी के प्रति अपनी राय को अपने तक ही सीमित रखना चाहिए.. छोटे बच्चे को पार्क मे घूमने लेकर जाए खुशी का संचार होगा। कुछ हल्का भोजन ही करें स्वास्थ्य अनुकूल रहेगा।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

आज सरकारी कामकाज मे दिक्कतें आ सकती हैं कोई पुरानी फाईल के काम मे अधिकारि आप का सहयोग नही करेंगे और आपको बिजनेस में सावधान रहना होगा. ऑफिस और बिजनेस में जो काम हाथ में लेंगे, उसमें सफलता की संभावना कम है. बिजनेस के मामलों में किसी अनुभवी की सलाह जरूर लें. जल्दबाजी न करें. अकेलेपन से बचें. अधूरे काम पहले निपटाले में आज मिलने वाले पैसों को आने वाले समय के लिए बचा कर रखें.दाम्पत्य जीवन को अगर सुखी बनाना हो तो संयम बहुत जरूरी हैं

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

काफी समय से चालू व्यापरिक गतिविधियों को मूर्त रुप देने का सही समय हैं पुश्तैनी जमीन जायदाद का झगड़ा सुलझ सकता हैं छात्रों को सफलता मिलेगी आर्थिक रूप से दिन समृद्ध है. आज आपकी मेहनत का फल आपको लाभ मिलेगा. आपका पारिवारिक–जीवन शांतिपूर्ण और खुशहाल रहेगा. रिश्तेदारों के साथ संबंध में काफी सुधार होगा. आपकी सामाजिक लोकप्रियता बढ़ेगी राजनीति सफर भी सुखद रहेगा। अपने ईष्टदेव को भोग अर्पित करें।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

आज हनुमानजी को चमेली के तेल का चोला चढाए मनोकामना सिद्ध होंगी आपकी चिंता कम होगी और उसके कारण आपका मन खुश रहेगा. व्यावसायिक बाधाएं आएंगी. व्यापार मे प्रतिस्पर्धा बढेगी विवादो से दूर रहें आपका ध्यान परिवार और पैसे पर होगा. हर मौके का फायदा उठाने की कोशिश करें. आपके सारे काम आसानी से और समय पर निपट सकते हैं.पारिवारिक बातों को सोचकर ज्यादा संवेदनशील होने की आवश्यकता नही हैं यात्रा पर जाना चाहते हैं तो यात्रा फायदेमंद रहेगी.

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

आपको धर्म के क्रियाकलापों मे समय व्यतीत करना चाहिए समय अनुकूल रहेगा. आप व्यापार में योजनाबद्ध तरीके से काम कर सकते हैं. आपका कुछ अच्छा खाने का मन कर सकता है. घर–परिवार का वातावरण शांतिदायक बना रहेगा. उच्चाधिकारी आपसे प्रसन्न हो सकते हैं. घर पर मेहमानों का आगमन हो सकता है. करियर में आपको कोई बड़ी सफलता हासिल हो सकती है. साथ ही आपका सकारात्मक रवैय्या करियर में आपको बेहतरी दिलायेगा.दैनिक गाय को गुड और रोटी खिलाए।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

आप का स्वतंत्र व्यापार हैं, तो सोच विचार कर के ही निर्णय करें क्योंकि मुसीबतें आप का ही इन्तजार कर रही हैं नौकरीपेशा लोगों के काम में रुकावटें आ सकती है. कानूनी मामले उलझ सकते हैं. फालतू कामों में समय खराब होने के योग हैं. स्थान में बदलाव संबंधी कोई बात हो सकती है. कामकाज के सिलसिले में कहीं बाहर जाना पड़ सकता है अगर आप अविवाहित है तो विवाह सम्बन्ध के योग बनेंगे. सेहत के मामले में रिस्क नही लेना चाहिए.

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

आज पारिवारिक दृष्टि से और दाम्पत्य जीवन मे भी चीजें आप के प्रतिकूल होंगी परन्तु मित्रों और व्यापारिक प्रेम संबंध यथावत रहेंगे. समर्पित परिश्रम से आप वरिष्ठों को संतुष्ट कर सकते हैं. यदि आप अपना दृष्टिकोण बदल सकते हैं और ईमानदारी से काम कर सकते हैं तो. आपको आर्थिक लाभ भी प्राप्त हो सकता है.योग और व्यायाम करें स्वास्थ्य ठीक रहेगा मौसमी बिमारियों से बचें रहेंगे अपने कार्यों मे गौ सेवा को प्राथमिकता देनी चाहिए।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

आज आप को वर्कलोड ज्यादा रहेगा जिससे दिमाग मे तनाव रहेगा स्वभाव मे झुंझलाहट रहेगी काम के बीच मे थोडा रैस्ट लेते रहें। नए काम को फिलहाल टाल दें लोगों के साथ आपका दुविधापूर्ण व्यवहार आपको मुश्किल में डाल सकता है. अपने जिद्दी स्वभाव को त्याग दें, नहीं तो किसी के साथ विवाद होने की संभावना है. आज आपको बेहतर मौके मिलेंगे खुद को स्वस्थ रखने के और फिजूल बातों से बचें. यात्रा पर जाने का आपका प्रयास सकारात्मक परिणाम ज़रूर देगा. समय के अन्तराल मे हैल्थ चैकप करालें

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

आज काफी समय के बाद खुशी होने का मौका हैं आपका दिन बढ़िया रहेगा. आपके अंदर आत्मविश्वास की अधिकता हो सकती है. नौकरी पेशा लोगों को तरक्की के अवसर मिल सकते हैं. आज परिवार के साथ धार्मिक यात्रा की योजना बना सकते हैं. आपको व्यापार में मुनाफा हो सकता है. आपका स्वास्थ्य पहले की अपेक्षा बेहतर रहेगा. दाम्पत्य जीवन में सलाह–मशविरा से आगे बढ़ना होगा. स्टूडेंट्स को अपने सब्जेक्ट में आ रही प्रॉब्लम्स का हल मिल सकता है. आप को अपने दैनिक पूजा पाठ मे हनुमान चालीसा का अनुष्ठान करना चाहिए पदोन्नति और सफलता मिलती रहेगी।

आज का पंचांग

दिनांक : 25 अप्रैल 2026, शनिवार
विक्रम संवत : 2083
मास : वैशाख, शुक्ल पक्ष
तिथि : नवमी सायं 06:30 तक
नक्षत्र : आश्लेषा रात्रि 08:05 तक
योग : गण्ड रात्रि 11:42 तक
करण : बालव प्रातः 06:53 तक
चन्द्रराशि : कर्क रात्रि 08:05 तक
सूर्योदय : 05:53, सूर्यास्त 06:34 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 06:01, सूर्यास्त 06:33 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 05:53, सूर्यास्त 06:26 (तिरुपति)
सूर्योदय : 05:46, सूर्यास्त 06:25 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया
शुभ : 07:30 से 09:00
चल : 12:00 से 01:30
लाभ : 01:30 से 03:00
अमृत : 03:00 से 04:30
राहुकाल : प्रातः 09:00 से 10:30
दिशाशूल : पूर्व दिशा
उपाय : उडद खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष : श्री सीता नवमी, दुर्गा नवमी, गण्डमूल चालू है

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *

पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

नेतन्याहू को कैंसर

चुपचाप ले रहे रेडिएशन थेरेपी

तेल अवीव, 24 अप्रैल (एजेंसियां)। इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने शुक्रवार को बताया कि उन्हें प्रोस्टेट कैंसर हुआ था। उन्होंने रेडिएशन थेरेपी से इसका चुपचाप इलाज कराया। करीब दो महीने तक इस बीमारी को सार्वजनिक नहीं किया गया और अब इलाज पूरा होने के बाद जानकारी दी गई है।76 साल के नेतन्याहू ने कहा कि यह पहली बार है जब उन्हें कैंसर का पता चला। उन्होंने यह भी बताया कि अपनी मेडिकल रिपोर्ट जारी करने में इस साल जानबूझकर देरी की, ताकि ईरान इसे युद्ध के दौरान इजराइल के खिलाफ प्रचार के तौर पर इस्तेमाल न कर सके। यह जानकारी उन्होंने सोशल मीडिया पोस्ट में दी।

नेतन्याहू के मुताबिक, दिसंबर 2024 में उनका प्रोस्टेट बढ़ने की वजह से ऑपरेशन हुआ था। इसके बाद वह नियमित जांच कराते रहे। हाल की जांच में प्रोस्टेट में एक सेंटीमीटर से छोटा एक ट्यूमर मिला, जो शुरुआती स्टेज का मैलिग्नेंट कैंसर था और शरीर के अन्य हिस्सों में नहीं फैला था।

नेतन्याहू ने बताया कि डॉक्टरों ने दो विकल्प दिए थे ˉ या तो निगरानी में रखा जाए या इलाज कराकर ट्यूमर हटाया जाए। नेतन्याहू ने तुरंत इलाज का रास्ता चुना।

उन्होंने कहा, जब मुझे किसी खतरे की जानकारी समय पर मिलती है, तो मैं तुरंत कार्रवाई करता हूं।

उन्होंने कहा कि इलाज के दौरान भी उन्होंने अपना काम जारी रखा। उन्होंने कहा, मैंने कुछ छोटे–छोटे सेशन लिए, किताब पढ़ी और काम करता रहा। यह अब पीछे छूट चुका है।उन्होंने अपनी मेडिकल टीम का धन्यवाद किया और लोगों से अपील की कि समय पर जांच कराएं और डॉक्टरों की सलाह मानें। उन्होंने खास तौर पर ईरान के लोगों से भी अपनी सेहत का ध्यान रखने को कहा।

नेतन्याहू की दिसंबर 2024 में प्रोस्टेट सर्जरी हो चुकी है। यरूशलम के हदासाह मेडिकल सेंटर में हुए इस ऑपरेशन को डॉक्टरों ने सफल बताया था और कहा था कि उन्हें उस समय कैंसर या किसी घातक बीमारी का खतरा नहीं है।

यूरोलॉजी विभाग के प्रमुख डॉक्टर ओफर गोफ्रिट के मुताबिक, सर्जरी के दौरान प्रोस्टेट को शरीर से अलग किया गया और पूरी प्रक्रिया सफल रही।नेतन्याहू उस समय से पहले भी स्वास्थ्य समस्याओं से जूझ रहे थे। उन्होंने एक केस की सुनवाई के दौरान बताया था कि वह रोजाना करीब 18 घंटे तक काम करते हैं। दुनिया भर में हर साल करीब 14 लाख लोग प्रोस्टेट कैंसर का शिकार होते हैं। इंडियन काउंसिल ऑफ मेडिकल रिसर्च के मुताबिक, पुरुषों में फेफड़ों और मुंह के कैंसर के बाद सबसे ज्यादा खतरा प्रोस्टेट कैंसर का होता है।आमतौर पर यह बीमारी 50 साल की उम्र के बाद ज्यादा देखी जाती है, लेकिन कुछ मामलों में कम उम्र के लोग भी इससे प्रभावित होते हैं। कई बार इस बीमारी का पता देर से चलता है। तब तक कैंसर शरीर के अंदर फैल चुका होता है और ब्लैडर, लिवर, फेफड़ों और पेट जैसे अंगों तक पहुंच सकता है। खून के जरिए यह हड्डियों तक भी फैल जाता है, जिससे तेज दर्द होता है और हड्डियां कमजोर होकर टूटने लगती हैं।

उसे मजबूर नहीं कर सकते

15 साल की बच्ची को सुप्रीम कोर्ट से मिली गर्भपात की इजाजत

नयी दिल्ली, 24 अप्रैल (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने एक 15 साल की नाबालिग बच्ची को गर्भपात की अनुमति देते हुए टिप्पणी की है कि अगर कोई महिला अनचाही प्रेग्नेंसी को जारी नहीं रखना चाहती है तो उसे मजबूर नहीं किया जा सकता है। कोर्ट ने कहा कि जन्म के बाद बच्चे को गोद देने के विकल्प के आधार पर महिला से यह अधिकार नहीं छीना जा सकता है।

दरअसल, सुनवाई के दौरान केंद्र की ओर से पेश हुए सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने मांग का विरोध करते हुए कहा कि मेडिकल रिपोर्ट के मुताबिक 7 महीने की एडवांस्ड स्टेज पर गर्भपात से मां की जान को खतरा हो सकता है। सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा कि बच्चे को सेंट्रल अडॉप्शन रिसोर्स अथॉरिटी के जरिए किसी को गोद दिया जा सकता है। परिवार की आर्थिक स्थिति को देखते हुए सॉलिसिटर जनरल ने आर्थिक मदद का भी प्रस्ताव रखा, लेकिन न्यायमूर्ति बी. वी. नागरत्ना ने कहा कि अगर गर्भवती महिला को मजबूर किया जाए तो भविष्य में लोग कोर्ट आने से बचेंगे और दूसरे तरीके अपना सकते हैं।

सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली हाईकोर्ट के आदेश को पलटते हुए याचिकाकर्ता को गर्भपात की अनुमति दे दी। कोर्ट ने अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान नई दिल्ली को निर्देश दिया है कि वह जरूरी चिकित्सीय सुरक्षा उपाय अपना कर जल्द से जल्द गर्भपात कराए।

मीडिया की जिम्मेदारी : जनता तक पहुंचे सिर्फ सच्ची और प्रमाणिक खबरें : जिला कलेक्टर

मंचेरियल, 24 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)। जिला कलेक्टर एवं जिला मीडिया अक्रीडिटेशन कमेटी के चेयरमैन कुमार दीपक ने कहा कि मीडिया संस्थानों को हमेशा जनता तक सही और तथ्यात्मक जानकारी पहुंचानी चाहिए। उन्होंने कहा कि अखबार और न्यूज़ चैनल समाज में जागरूकता बढ़ाने का महत्वपूर्ण माध्यम हैं, इसलिए खबरों में सच्चाई और पारदर्शिता बनाए रखना जरूरी है। नस्पूर स्थित एकीकृत जिला कार्यालय परिसर में आयोजित जिला मीडिया अक्रीडिटेशन कमेटी की बैठक में कलेक्टर ने भाग लिया। बैठक का आयोजन जिला जनसंपर्क अधिकारी एवं कमेटी कन्वीनर मादमशेट्टी कृष्णमूर्ति के नेतृत्व में किया गया। कलेक्टर ने निर्देश दिए कि वर्ष 2026–28 के लिए सरकारी नियमों के अनुसार ही योग्य कार्यरत पत्रकारों को अक्रीडिटेशन प्रदान किया जाए। उन्होंने कहा कि बिना मान्यता के कुछ लोग खुद को पत्रकार बताकर काम कर रहे हैं, जिससे वास्तविक पत्रकारों को समस्याएं हो रही हैं। ऐसे मामलों पर उचित कार्रवाई की जाएगी। कलेक्टर ने यह भी कहा कि ऑनलाइन प्राप्त आवेदनों की गहन जांच कर केवल पात्र व्यक्तियों का चयन सुनिश्चित किया जाए। इस मौके पर कमेटी सदस्य अलगुवेल्ली रमेश रेड्डी, गल्लापल्ली सिद्धार्थ, पार्वती सुरेश कुमार, डेगा सत्यनारायण, मोहम्मद इमाद उद्दीन, रूपी रेड्डी प्रकाश रेड्डी, ऐनमपुडी नवीन कुमार, गल्लन नरेश, बेक्कम सदानंदम, मोदंपुरम संतोष सहित बैठक में अन्य संबंधित अधिकारी भी उपस्थित रहे।

मनरेगा मजदूरों के हित में सख्त कदम, कलेक्टर ने किया निरीक्षण

मंचेरियल, 24 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)। जिला कलेक्टर कुमार दीपक ने भिमिनी मंडल में मनरेगा कार्यों का निरीक्षण किया। उन्होंने कहा कि मजदूरों के स्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए सुबह 6 बजे से 11 बजे तक ही काम कराया जाए तथा कार्यस्थलों पर छाया, पेयजल, ओआरएस और मेडिकल सुविधा उपलब्ध कराई जाए।

कलेक्टर ने बताया कि मनरेगा के तहत ग्रामीण विकास कार्यों के साथ पात्र लाभार्थियों को व्यक्तिगत कार्य भी दिए जाएंगे और मजदूरों को 100 दिन का रोजगार पूरा करने पर जोर दिया गया। साथ ही जरूरतमंदों को पशु शेड, फार्म पोंड और अन्य सुविधाएं देने की बात कही।

निरीक्षण के दौरान उन्होंने प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र और तहसील कार्यालय का भी दौरा किया।

अस्पतालों में बेहतर चिकित्सा सेवाएं, दवाइयों की उपलब्धता और समय पालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

ग्राम सभा में भाग लेते हुए उन्होंने कहा कि ग्रामीण विकास में जनभागीदारी जरूरी है और सरकारी योजनाओं का लाभ पात्र लोगों तक पहुंचाना सभी की जिम्मेदारी है।

गौमाता चोरी मामले में आरोपी गिरफ्तार, न्यायालय ने सुनाई 6 माह की सजा

मदनूर, 24 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)। स्थानीय पोलिस उप निरीक्षक मोहन रेड्डी ने एक प्रेस विज्ञापन में बताया कि शिकायतकर्ता गोविंद प्रसाद, जो मदनूर गांव के निवासी व 31 वर्षीय जवाहर कपिल के पिता हैं, ने 23.04.2017 को रात लगभग 8 बजे गांव के अंतिम छोर पर स्थित एक गौशाला में 10 गायों को बांधा था। उन्होंने गायों को चारा खिलाया, घर आए, खाना खाया और सो गए।

अगले दिन 24.04.2017 को सुबह लगभग 6 बजे जब वे गौशाला में वापस गए, तो उन्होंने पाया कि एक गाय गायब थी। गाय से बंधी रस्सी टूटी हुई थी। गाय 12 वर्ष की, लाल रंग की थी और उसकी कीमत लगभग 24,000 रुपये थी।

उन्होंने मदनूर पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई कि कुछ अज्ञात व्यक्तियों ने गाय चुरा ली है। तुरंत मामला दर्ज कर जांच शुरू की गई।

जांच के तहत सीसीटीवी कैमरों और अन्य तकनीकी साक्ष्यों का उपयोग करके मदनूर मंडल के सलाबतपुर गांव के एक व्यक्ति की पहचान की गई। जांच के दौरान सीसीटीवी कैमरों और अन्य तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर मदनूर मंडल के सलाबतपुर गांव के निवासी रापनवाद सैयलू के पिता, 35 वर्षीय ऊलप्पा को अपराधी के रूप में पहचाना गया और गिरफ्तार किया गया। इसके बाद सबूतों के साथ आरोप पत्र अदालत में दायर किया गया।

मामले के गवाहों से पूछताछ करने तथा प्रस्तुत साक्ष्यों की जांच करने के बाद, माननीय न्यायिक प्रथम श्रेणी मजिस्ट्रेट, बिचकुंडा श्री जादा विनील ने पाया कि आरोपी ने अपराध किया है और उसे 6 महीने के कारावास की सजा सुनाई।

युवाओं को कौशल पर ध्यान देने की सलाह, कलेक्टर बोले एकाग्रता से ही मिलेगी सफलता

मंचेरियाल, 24 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)। जिला कलेक्टर कुमार दीपक ने नस्पूर में आयोजित कौशल विकास एवं करियर जागरूकता कार्यक्रम में युवाओं को संबोधित करते हुए कहा कि बेरोजगार युवाओं को अपने चुने हुए क्षेत्र में एकाग्रता के साथ कौशल हासिल करना चाहिए, तभी वे जीवन में सफल हो सकते हैं। उन्होंने बताया कि सरकार एडवांस्ड टेक्नोलॉजी सेंटर के माध्यम से आधुनिक तकनीकी प्रशिक्षण उपलब्ध करा रही है, जिसका युवाओं को लाभ उठाना चाहिए। कलेक्टर ने कहा कि निजी क्षेत्र में रोजगार पाने के लिए कौशल और व्यावहारिक ज्ञान बेहद जरूरी है।

विदेशों में भी रोजगार के अवसरों का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि जर्मनी जैसे देशों में इलेक्ट्रिशियन, ड्राइवर और नर्सिंग क्षेत्रों में मांग है। इसके लिए योग्य युवाओं को प्रशिक्षण और भाषा सिखाकर रोजगार के अवसर दिए जा रहे हैं।

उन्होंने युवाओं से अपील की कि वे नियमित रूप से प्रशिक्षण में भाग लें, कोर्स को गंभीरता से सीखें और अधिक अनुभव के लिए अप्रेंटिसशिप का लाभ उठाएं। साथ ही, रोजगार के अवसर बढ़ाने के लिए जॉब मेलों का भी आयोजन किया जा रहा है।

कार्यक्रम में विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

जिला कलेक्टर ने रोज़गार गारंटी स्कीम में शानदार काम के लिए कोलानूर फील्ड असिस्टेंट को कैश अवॉर्ड दिया

पेद्दापल्ली, 24 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)। केंद्र सरकार की रोज़गार गारंटी के कामों में ट्रांसपेरेंसी के लिए शुरू की गई स्वप्ना विशेष प्रतिभा स्कीम को लागू करने के तहत, पेद्दापल्ली जिले के ओडेला मंडल का कोलानूर गांव जिले में बहुत अच्छा काम कर रहा है। जिला प्रशासन ने गांव की फील्ड असिस्टेंट मिडी डोड्डी स्वप्ना को पिछले हफ्ते से लगातार हर दिन ज़्यादा से ज़्यादा 194 मज़दूरों के साथ काम करने और जिले में रिकॉर्ड लेवल पर मज़दूरों को रजिस्टर करने के लिए बधाई दी है।

इसी मकसद से, ऑनरेरी डिस्ट्रिक्ट कलेक्टर श्री कोया श्री हर्ष ने शुक्रवार को डिस्ट्रिक्ट कलेक्ट्रेट में हुए एक प्रोग्राम में स्वप्ना को 5,000 रुपये (चेक के रूप में) के कैश अवॉर्ड से सम्मानित किया।

इस मौके पर, जिला कलेक्टर कोया श्री हर्ष ने ग्रामीण इलाकों में मज़दूरों को रोज़गार देने में मिसाल बनने के लिए कोलानूर गांव की तारीफ़ की। उन्होंने सुझाव दिया कि जिले की दूसरी पंचायतों को भी इसी भावना के साथ मजदूरों को ज़्यादा से ज़्यादा काम देना चाहिए।

इस प्रोग्राम में डिस्ट्रिक्ट रूरल डेवलपमेंट ऑफिसर कालिंदी, एडिशनल डिस्ट्रिक्ट प्रोग्राम कोऑर्डिनेटर सत्यनारायण और दूसरे डिपार्टमेंट के अधिकारियों ने हिस्सा लिया।

देश में अमीरों की बाढ़!

5 साल में 63% बढ़ी अल्ट्रा रिच आबादी, दुनिया में छठे नंबर पर भारत

नयी दिल्ली, 24 अप्रैल (एजेंसियां)। देश में अमीरों की संख्या तेजी से बढ़ रही है, लेकिन सबसे ज्यादा ध्यान अल्ट्रा–रिच लोगों की बढ़ती आबादी ने खींचा है। रियल एस्टेट कंसल्टेंसी नाइट फ्रैंक की वेल्थ रिपोर्ट 2026 के मुताबिक, भारत में अल्ट्रा–हाई–नेट–वर्थ इंडिविडुअल्स यानी 30 मिलियन डॉलर (करीब 283 करोड़ रुपये) या उससे अधिक संपत्ति रखने वाले लोगों की संख्या 2026 तक बढ़कर 19,877 हो गई है। रिपोर्ट के अनुसार, 2031 तक यह संख्या 27% बढ़कर 25,217 तक पहुंच सकती है।

रिपोर्ट के मुताबिक, 2021 से 2026 के बीच भारत के अल्ट्रा–रिच लोगों की संख्या में 63.4% की बढ़ोतरी हुई है।

इसी के साथ भारत दुनिया में इस सूची में छठे स्थान पर पहुंच गया है। वैश्विक अल्ट्रा रिच आबादी में भारत की हिस्सेदारी अब 2.8% हो गई है।

नाइट फ्रैंक इंडिया के चेयरमैन और चू शिशिर बैजल ने कहा कि भारत की अर्थव्यवस्था तेजी से उद्यमिता आधारित मॉडल की ओर बढ़ रही है। मजबूत पूंजी बाजार, डिजिटलाइजेशन, निजी निवेश, शेयर बाजार में तेजी और पारिवारिक कारोबारों का विस्तार इस वेल्थ बूम की बड़ी वजह हैं।

रिपोर्ट के अनुसार, भारत का स्टार्टअप इकोसिस्टम अब बड़ा वेल्थ इंजन बन चुका है। यूनिकॉर्न कंपनियां, खझज और ग्लोबल स्तर की कंपनियां पहली पीढ़ी के नए अमीर तैयार कर रही हैं। भारत के इक्विटी बाजार में रिटेल निवेशकों की भागीदारी बढ़ी है। साथ ही प्राइवेट कैपिटल और वेंचर फंडिंग के बढ़ने से संपत्ति तेजी से बढ़ाने के मौके मिले हैं। फिनटेक, ई–कॉमर्स और डिजिटल प्लेटफॉर्म्स ने बिजनेस मॉडल्स को तेजी से बढ़ाया है। इससे ज्यादा लोगों और कंपनियों को वेल्थ क्रिएशन का मौका मिला है।भारत के पारंपरिक बिजनेस हाउस अब प्रोफेशनल मैनेजमेंट, ग्लोबल प्रतिस्पर्धा और रणनीतिक विविधीकरण की ओर बढ़ रहे हैं। इससे पुरानी पूंजी और आधुनिक प्रबंधन का मजबूत मेल बन रहा है।

रिपोर्ट के अनुमान के अनुसार, 2031 तक भारत में 313 अरबपति हो सकते हैं, जो मौजूदा स्तर से 51% ज्यादा होंगे। इससे दुनिया के कुल अरबपतियों में भारत की हिस्सेदारी 6.7% से बढ़कर 8% हो सकती है।

इंडिविडुअल्स की संख्या में अमेरिका 2,51,352 लोगों के साथ पहले स्थान पर है, जबकि चीन 1,21,677 के साथ दूसरे नंबर पर है।

भारत अभी 19,877 के साथ पीछे है, लेकिन ग्रोथ रेट के मामले में तेजी से आगे बढ़ रहा है।

रियल एस्टेट कंसल्टेंसी नाइट फ्रैंक की वेल्थ रिपोर्ट 2026 की खास बातें:

* भारत में 2026 तक 19,877 अल्ट्रा–हाई–नेट–वर्थ इंडिविडुअल्स हैं।
* इंडिविडुअल्स वे लोग हैं जिनकी संपत्ति 30 मिलियन (करीब 283 करोड़) से ज्यादा है
* 2031 तक ये संख्या 27% बढ़कर 25,217 होने का अनुमान है
* पिछले 5 साल में भारत के अल्ट्रा रिच लोगों की संख्या 63.4% बढ़ी है
* भारत अब दुनिया में छठे स्थान पर पहुंच गया है
* ग्लोबल अल्ट्रा रिच आबादी में भारत की हिस्सेदारी 2.8% हो गई है।

फेंगशुई के टोटके

- कभी भी खाने का आखिरी कौर किसी पार्टी या समारोह में मत खाइये क्योंकि ये आपके लिये गरीबी लाता है और आपके भाग्य को दबाता है।
- कभी भी टूटी-फूटी क्राकरी में समान न लगाएं। ये नकारात्मक ऊर्जा छोड़ती हैं और आप जो भी उस समय बोलेंगे, आपका बोला हुआ आपको परेशानी में डाल देगा।
- मेहमानों को चाय देते वक्त केतली के मुंह की नली को मेहमानों की तरफ न रखें। ये आपस में गलतफहमी पैदा करसकता है।
- अगर प्लॉट या बिल्डिंग का आकार गोल,त्रिभुजाकार या तिरछा हो तो यह एक के बाद एक परेशानियों को खड़ा करता है।
- शराब पीते समय अगर कोई आखिरी जाम पीने को दे तो मना मत करें क्योंकि ये जाम आपकी घर वापसी के लिए अच्छा है।

तनाव कम करें ध्यान से

आज के युग को विज्ञान का युग माना जाता है। जीवन के हर पहलू पर विज्ञान का प्रभाव स्पष्ट देखा जा सकता है। परन्तु मेरा ऐसा मानना है कि आज का युग तनाव का युग है। तनाव का व्यक्ति पर चार प्रकार का प्रभाव पड़ता है- मानसिक, भावनात्मक, मनोशारीरिक एवं शारीरिक।

मानसिक प्रभाव: अवसाद, दुश्चिंता, कुंठाएं आदि व्याधियां उत्पन्न होती है।

भावनात्मक प्रभाव: क्रोध, चिड़चिड़ापन आदि।

मनोशारीरिक प्रभाव: सिरदर्द, पेट में घाव, उच्च रक्तचाप, अस्थमा, त्वचीय घाव, अपच, शारीरिक दर्द, थकान आदि।

शारीरिक प्रभाव: शरीर का भार बढ़ जाने या घट जाना, मोटापा, मधुमेह, यकृत में विकृति, हृदयघात आदि।

हृदय-रोग से मरने वाले कृषि-मजदूरों की संख्या से बीस गुनी अधिक संख्या हृदय रोग से मरने वाले डॉक्टरों की है। डॉक्टर लोग तनावपूर्ण जीवन बिताते है और उसका खामियाजा वे इस तरह चुकाते है।

इसी संबंध में विलियम जेम्स ने ठीक ही लिखा है, 'भगवान भले ही पापों को क्षमा कर दें किन्तु स्नायु संस्थान हमें किसी भी भूल के लिए क्षमा नहीं करता।'

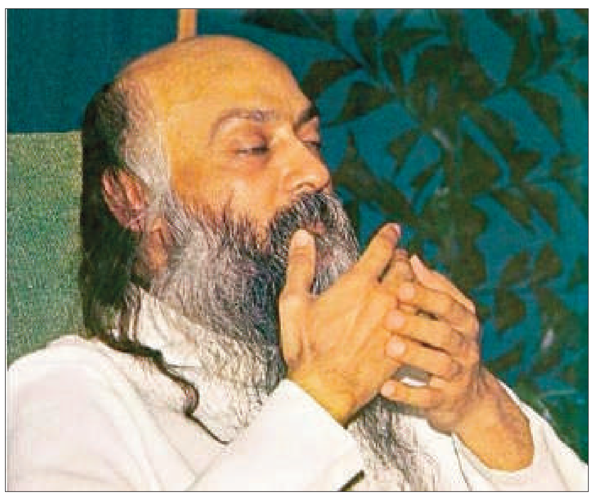

प्रेक्षाध्यान, ध्यान की उत्कृष्ट पद्धति है। तनावों अथवा दबावों को दूर करने अथवा उनका प्रबंधन करने में प्रेक्षाध्यान एवं उसके विभिन्न अवयव किस प्रकार उपयोगी सिद्ध हो सकते है, इसका वर्णन प्रस्तुत है-

कायोत्सर्ग: कायोत्सर्ग वह प्रक्रिया है, जिसके द्वारा व्यक्ति स्वत: सूचन पद्धति से अपने शारीरिक, मानसिक और भावनात्मक तनावों को विसर्जित करता है। इस प्रक्रिया से शरीर को गहन विश्राम मिलता है, जो शरीर को पुन: ऊर्जामय बनाने में सहायक होता है। स्नानु मंडल सहित शरीर के सभी संस्थानों को भी गहन विश्राम मिलता है। उनकी क्रियाओं में सुधार आता है और असामान्य क्रियाएं भी सामान्य होने लगती है।

श्वास प्रेक्षा: तनाव की स्थिति में हमारा श्वास असंतुलित हो जाता है। कार्बन-डाई-ऑक्साइड एवं ऑक्सीजन का विनिमय भलीभांति नहीं हो पाता है। श्वासप्रेक्षा के अभ्यास से श्वास दीर्घ,लयबद्ध एवं समतल बनता है।

शरीर प्रेक्षा: जब हम शरीर के विभिन्न अवयवों पर चित्त को केंद्रित करते है तो मस्तिष्क की शक्तियां उस स्थान पर केन्द्रिभूत हो जाती है। इससे वहां पर जो असंतुलन होता है, वह दूर हो जाता है।

अन्तर्यात्रा: अन्तर्यात्रा हमारी चेतना की शक्ति का ऊर्ध्वारोहण करने की प्रक्रिया है। शक्ति का ऊर्ध्वारोहरण हमें दबावों और तनावों से मुक्त रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

चैतन्य केन्द्र प्रेक्षा: चैतन्य केन्द्र वे है, जहां हमारी तंत्रिकाओं के समूह पाए जाते है। हमारी अंत: स्त्रावी ग्रंथियों के स्त्राव नियमित एवं संतुलित होते है और हम दबाव व उससे उत्पन्न परिस्थितियों से कुशलता से निपटने में सक्षम होते हैं।

तनावमुक्ति हेतु अन्य चिकित्सा

आसन: ताड़ासन, नौकासन, परिवर्तन मुद्रा (३० मिनट)।

प्राणायाम: दीर्घ श्वास, केवल रेचन, सूक्ष्म भस्त्रिका (५ मिनट)।

प्रेक्षा: सम्पूर्ण शरीर पर श्वेत रंग का ध्यान (१० मिनट)।

अनुप्रेक्षा

मैत्री एवं सहिष्णुता की अनुप्रेक्षा (१५ मिनट)।

जाप

ऊँ ह्रीं श्रीं भगवते पार्श्वदेवाय हर हर स्वाहा (१० मिनट)।

मुद्रा

ज्ञान, सूर्य और सुरभि मुद्रा।

अरबी ज्योतिष एक ऐसी प्रश्न विद्या है जिसमें प्रश्न पूछने और उसके समाधान के वास्ते व्यक्ति के नाम, जन्म-तिथि या मां-बाप के नाम आदि की जरुरत नहीं पड़ती है।

प्रश्न विद्या-रमल

भारतीय ज्योतिष शास्त्र में जन्म-तिथि, जन्म समय और जन्म स्थान की आवश्यकता होती है। इन सब बातों द्वारा जातक का स्थानीय समय पंचांग की सूक्ष्म गणना कर लग्न आदि निकाल कर कुंडली बनाई जाती है। जन्म कुंडली के आधार पर जातक के भविष्य संबंधी प्रश्नों का जवाब विद्वान द्वारा दिया जाता है। इस शास्त्र में ग्रहों का भी विस्तृत प्रकार से गणित कर फलादेश प्राप्त होता है।

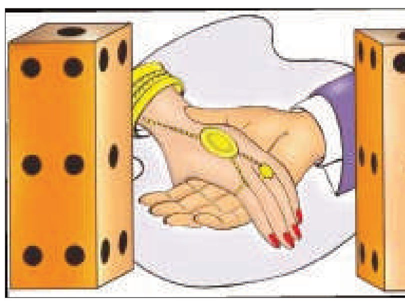

ज्योतिष में गणित और फलित दोनों अलग-अलग है। जो ज्योतिष का विद्वान अपने बुद्धि और विवेक से निर्धारित करता है। जन्म कुंडली में 12 घर होते हैं, जो कि सभी प्रकार की कार्य प्रणाली से संबंधित होते हैं। इसमें सभी प्रकार के प्रश्नों के लिए घरों का समावेश निहित हैं, जबकि रमल (अरबी ज्योतिष) शास्त्र में गणित व फलित एक ही बिन्दु यानी कि शून्य पर आधारित होता है। हालांकि बुद्धि और विवेक से यह कार्य बड़े ही तर्क संगत रूप से सावधानी से किया जाता है। जो समय आने पर करीब-करीब सटीक होता है। रमल (अरबी ज्योतिष) शास्त्र के प्रस्तार यानी कि जायचे के 16 घर होते हैं। चार घर इन्हीं के गवाहन यानी कि साक्षी घर होते हैं, जो कि पूर्व से विद्वानों द्वारा निर्धारित किए गए हैं।

रमल शास्त्र द्वारा जीवन की प्रत्येक समस्या का समाधान मात्र पासे द्वारा किया जाता है। उक्त पासे को प्रश्नकर्ता के द्वारा पातन किया जाता है। यदि प्रश्नकर्ता रमल ज्योतिष के विद्वान के सम्मुख ना हो तो प्रश्न-फार्म द्वारा भी कार्य संपादित किया जाता है।

रमल (अरबी ज्योतिष) शास्त्र मूलतह. तत्त्वों पर आधारित है। तत्त्व चार होते हैं। प्रथम अग्नि, द्वितीय वायु, तृतीय जल और चतुर्थ पृथ्वी तत्त्व हैं। जिसमें जातक के जीवन के स्थावर और जंगम पदार्थो का समावेश किए हुए हैं। रमल ज्योतिष में नौ ग्रह, बारह राशियां, सत्ताईस नक्षत्र भी विद्यमान हैं। जो एक निश्चिय स्थिति में कायम रहते हैं और गणित के समय बराबर कारगर बने रहते हैं।

अन्तर्यात्रा

इंसान ने दूर-दिगन्त तक हजारों यात्राएं की, अनेक तीर्थयात्राएं भी की किन्तु अंतर्यात्रा करने का उसे ख्याल नहीं आया। बाहर की यात्रा करनी हो तो मानचित्र मार्ग दर्शन देता है या जिसने पूरी दुनिया की यात्रा कर ली है वह व्यक्ति भी सहायक बन सकता है। परन्तु अंतर्यात्रा के सारे रास्ते अनचिन्हे हैं इसलिए आदमी भीतर जितना भटकता है उतना बाहर नहीं भटकता। कोई ऐसा सोचे कि पहले सारी अंतर्यात्रा की जानकारी कर लेंगे और फिर यात्रा करेंगे वह अंतर्यात्रा नहीं कर सकता। वह तो ऐसा आदमी है जो यह कहे कि जब तक मैं तैरना न सीख लूं तब तक पानी में नहीं उतरूंगा।

जो इस तर्क बुद्धि से चलेगा वह पानी में बिना उतरे तैरना कैसे सीखेगा? इस अज्ञात यात्रा में अंतस की तीव्र रुचि ही मार्ग दर्शाएगी। भीतर चलना आसान नहीं है। वहां न रास्ते हैं न कोई पगडंडी सिर्फ अभीप्सा और प्यास के आधार पर ही चलना है।

जहां प्यास है वहां रास्ते खुल जाते हैं। जब कोई पहली बार भीतर प्रवेश करता है तो उसे अंधकार ही मिलेगा। जब कोई पहली बार भीतर प्रवेश करता है तो उसे अंधकार ही मिलेगा। जब शांतिपूर्वक धीरे-धीरे उस अंधेरे को देखोगे तो अंधेरा कम होता चला जाएगा और आत्मा का प्रकाश प्रगट होगा।

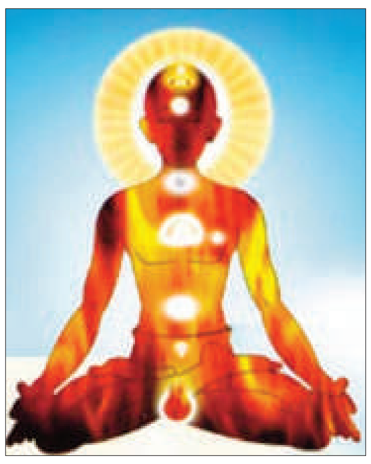

ऊँचाई पर बने मंदिर देते हैं शांति

पहाड़ों का क्षेत्र बहुत ही रम्य-सुरम्य होता है। वहां का वातावरण बहुत सुंदर होता है। पहाड़ी क्षेत्रों में ऊंचे-ऊंचे पेड़-पौधे और सुंदर पुष्पों से क्षेत्र की सुंदरता और अधिक बढ़ जाती है। पहाड़ों के ऊंचे टीले आदि देखकर मन प्रसन्न हो जाता है। ऐसे सुंदर मनोरम स्थान पर देवी-देवताओं का वास हो तो दर्शनार्थी (दर्शन करने वाले का) मन वह सुंदर दृश्य देखकर पहले ही प्रसन्न हो जाता है उसके बाद मंदिर में प्रवेश करने पर पूर्ण शांति मिलती है। चहल-पहल और पापमय जिन्दगी से दूर पहाड़ी क्षेत्र में लोग शांति के लिए जाते हैं और वहां देवी-देवताओं का दरबार हो तो बात ही निराली है। देवी-देवता मनुष्यों से दूर नहीं रहना चाहते बल्कि उन्हें एकांत में बुलाकर शांति प्रदान करने का मार्ग प्रदान करते हैं। जहां चारों तरफ चिल्ल-पों होती रहेगी तो वहां देवी-देवताओं का ध्यान या पूजा करने हेतु आप चाहकर भी अपने मन को एकाग्र नहीं कर सकते। मन की एकाग्रता के लिए एकांत स्थान ही उत्तम होता है। पूर्वकाल में ऋषि-महर्षि भी पहाड़ों की कन्दराओं और वनों में रहकर तप करते थे।

वास्तु दोष निवारण पिरामिड

प्रत्येक राशि का स्वामी कोई न कोई ग्रह होता है। जब कोई ग्रह खराब स्थान पर बैठकर विपरीत प्रभाव उत्पन्न करता है तब मानव को कष्ट, पीड़ा और दु:ख भोगना पड़ता है। जीवन के सुख-दु:ख, लाभ-हानि इन्ही ग्रहों पर आधारित होते है। इसीलिये हमारे शास्त्रों में नवग्रहों की पूजा करने का विधान दिया गया है। इसके अतिरिक्त हमें जिस मकान, जिस भवन या घर में रहते हैं, वहां का वास्तुदोष भी हमारे लिये अनेकों प्रकार की समस्याएं उत्पन्न कर देता है, हम इन समस्याओं से निरन्तर जूझते रहते हैं परन्तु यह नहीं समझ पाते कि इसका कारण क्या है। वास्तुदोष से हमारे घर, व्यापार, व्यवसाय, सम्बन्ध आदि सभी कुछ प्रभावित होते हैं। अत: हमें वास्तुदोषों का भी निवारण करना चाहिये। सभी व्यक्ति चाहते हैं कि उनका जीवन सुखमय हो, वे अपना जीवन अपने परिवार के साथ हंसते खेलते हुए बितायें।

परन्तु समय बड़ा बलवान होता है और समय के साथ ही ग्रहों का परिवर्तन हमारे जीवन में विभिन्न बाधायें उत्पन्न कर देता है, रही-सही कसर वास्तुदोष पूरी कर देते हैं और व्यक्ति का जीवन नरक के समान हो जाता है। इसके उपाय के लिए ग्रह-वास्तुदोष निवारण पिरामिड। इस पिरामिड की चारों दिशओं में श्रीयंत्र, अष्टलक्ष्मी यंत्र, वास्तुदोष निवारक यंत्र तथा नवग्रह दोष निवारण यंत्र स्थापित किया गया है। श्री यंत्र से आय में वृद्धि होती है, अष्टलक्ष्मी यंत्र आठों लक्ष्मीयों की प्राप्ति करवाता है, वास्तुदोष निवारण यंत्र वास्तुदोषों का शमन करता है तो नवग्रह दोष निवारण यंत्र ग्रहों के कुप्रभाव एवं ग्रहों के दोषों को शान्त करता है।

बीमारियों को दूर करते हैं ग्रह

लग्नेश एवं सूर्य ग्रह के अधिकाधिक बलशाली होने पर व्यक्ति विशेष के स्वास्थ्य को संकेत मिलता है। किसी भी प्रकार की बीमारी होने पर उसमें संघर्ष करने की क्षमता एवं स्वस्थ्य मानसिकता का प्रतीक माना गया है। यही वजह है कि सूर्यग्रह जो कि आत्मा से संबंध रखते हैं, बलशाली होने पर मनुष्य में विपरीत परिस्थितियों में भी आत्मविश्वास का संचार करने के फलस्वरूप रोगों के निदान के लिए सर्वोत्तम मानसिकता जातक को प्रदान करते हैं। नौ ग्रह कारक के रूप में भी शरीर के विभिन्न अंगों को नियंत्रित करते हैं। जैसे सूर्यग्रह हृदय, चंद्रग्रह फेफड़े, मंगल ग्रह रक्त, बुधग्रह त्वचा, बृहस्पति ग्रह लीवर, शुक्र ग्रह किडनी, शनिग्रह पैर, यूरेनस ग्रह द्वारा आसानी से पता न लगने वाली बीमारियां, नेपच्चून ग्रह नर्वस सिस्टम, राहु ग्रह द्वारा सांस, केतु ग्रह द्वारा क्रानिक बीमारियों की जानकारी मिलती है. आरोग्यता के लिए प्राथमिक रूप से जानकारी लग्न, लग्नेश एवं कारक सूर्य के द्वारा मिलती है। लग्नेश एवं सूर्य ग्रह के अधिकाधिक बलशाली होने पर व्यक्ति विशेष के स्वास्थ्य का संकेत मिलता है। किसी भी प्रकार की बीमारी होने पर उसमें संघर्ष करने की क्षमता एवं स्वस्थ्य मानसिकता का प्रतीक माना गया है। यही वजह है कि सूर्य ग्रह जो कि आत्मा से संबंध रखते हैं, बलशाली होने पर मनुष्य में विपरीत परिस्थितियों में भी आत्मविश्वास का संचार करने के फलस्वरूप रोगों के निदान के लिये सर्वोत्तम मानसिकता जातक को प्रदान करते हैं। इसके कारण बीमारी की अवस्था में भी शीघ्रतापूर्वक स्वस्थ करने में सामर्थ प्रदान करते हैं। आमतौर पर मनुष्य में धीरे-धीरे विभिन्न प्रकार के रोग क्रमश: वृद्धावस्था के दौरान बढ़ते जाते हैं। साथ ही कई बीमारियां निरन्तर रूप से शुरू हो जाती हैं, जिनका कारक ग्रह शनि है, जो कि उम्र के साथ-साथ रोगों की भी वृद्धि करने का सूचक है। अत: जब भी शनि ग्रह जन्म कुंडली में बलशून्य हो जाए अथवा क्लेच्छ ग्रह द्वारा आक्रांत हो जाए तब यह विभिन्न प्रकार के रोगों की उत्पत्ति में सहायक सिद्ध होता है। परन्तु यदि मंगल ग्रह बलशाली हो तब कुछ हद तक इसमें कमी आ सकती है एवं जातक के उत्साह में वृद्धि हो सकती है।

सिसाडा

फेंगशुई में सिसाडा को अमर बनाने वाला माना जाता है। इसे बुरे समय या भाग्य को बदलने वाला कीट कहते हैं। फेंगशुई विशेषज्ञों के मुताबिक इसे अपने घर में आगे की दो टांगों के जरिए लाल रिबन के माध्यम से लटकाना शुभ है। सिसाडा को खुशी और युवावस्था का सिंबल माना जाता है। युवाओं को सलाह है कि वह इसे अपने कार्यस्थल के पास जरूर रखें।

पुराने ग्रंथों के अनुसार पूर्वी चीन में स्थित क्यूआई की रानी मृत्यु के बाद सिसाडा में तब्दील हो गईं थी। इसके बाद से ही सिसाडा को 'द गर्ल क्यूआई' के नाम से जाना जाता है। इसको घर में रखने से स्वास्थ्य पर भी सकारात्मक असर पड़ता है। विशेषज्ञों के अनुसार कम से कम 7 सेंटीमीटर के आकार के सिसाडा को ही घर में लटकाना चाहिए।

संतान रेखाएं

सामुद्रिक शास्त्र में हथेली का जितना महत्व होता है, उससे अधिक महत्व संतान रेखाओं का भी होता है। जिन्हें हम हथेली पर इस तरह देख सकते हैं।

- विवाह रेखा पर खड़ी रेखा ही संतान रेखा होती है।
- पतली,लंबी और स्पष्ट रेखा पुत्र की द्योतक होती हैं।
- निर्बल एवं कमजोर रेखा पुत्री की द्योतक होती हैं।
- टूटी हुई एवं अस्पष्ट रेखाएं अशुभता की ओर इशारा करती हैं।
- स्पष्ट खड़ी रेखा का बीच से टूटना अशुभ है।
- पतली खड़ी रेखा का बीच से टूटना शुभ नहीं माना जाता है।

कुछ विद्वान शुक्र पर्वत पर अंगूठे के नीचे की सीधी रेखाओं को भी संतान रेखा मानते हैं, परंतु अधिकांश ज्योतिष विवाह वाली रेखा के ऊपर वाली रेखाओं को ही संतान रेखा मानते हैं। अत: भविष्यवाणी करते समय सभी शास्त्रसम्मत बातों को ध्यान में रखकर ही अनुमान लगाएं।

आर्किटैक्ट बनने के योग

आर्किटैक्ट या प्रोपर्टी डीलर बनने के निम्नलिखित योग हैं-

- कुंडली का चतुर्थ भाव, चतुर्थेश एवं कारक ग्रह मंगल चतुर्थ भाव में हो अथवा लग्नेश चतुर्थ भाव में हो या लग्नेश चतुर्थेश एक-दूसरे की राशि में बैठे हों और शुभ ग्रहों से दृष्ट हों तो व्यक्ति कलात्मक भवन निर्माण कला में निपुण होता है।
- यदि जातक की कुंडली में सूर्य व बुध का संबंध पंचमेश अथवा दशमेश से हो तथा सूर्य-बुध पर मंगल की दृष्टि या युती हो तो जातक आर्किटैक्ट बनता है।
- यदि लग्न में कर्क, सिंह, कन्या और वृश्चिक राशि हो, सूर्य चंद्रमा या अन्य लग्न तीनों में से किसी भी लग्न का संबंध इन राशि से हो या फिर लग्न का संबंध सूर्य, चंद्र, मंगल, बुध और शुक्र होने पर व्यक्ति भवन निर्माण आदि के कार्य से जुड़ सकता है।
- जैमिनी के अनुसार कारकांश लग्न से चतुर्थ स्थान पर शुक्र व चंद्रमा की दृष्टि या युती हो तो जातक अपार्टमैंट व बहुमंजिला भवन के नक्शे बनाने व उन्हें तैयार करने में पारंगत होगा।
- जन्म कुंडली में शनि बली और शुभयुक्त दृष्ट हो तथा मंगल, बुध,शुभ स्थान में शुभ तथा बली हों तो जातक आर्किटैक्ट बन कर आजीविका कमाता है।
- शनि,मंगल, राहु तथा केतु को ज्योतिष में तकनीकी ग्रह माना जाता है। दशम भाव या दशमेश से इनमें से किसी एक या अधिक ग्रह की दृष्टि,युती या भावाधिपत्य संबंध जातक को तकनीकी क्षेत्र से जोड़कर आर्किटैक्ट बनाता है।
- यदि जातक की कुंडली में शुक्र बली हो तो वह कम्प्यूटर के माध्यम से नक्शे तैयार करता है और आर्किटैक्ट होता है।

मेष राशि

ज्योतिष शास्त्र में समस्त सौर मण्डल को एक वृत्त में बांटा गया है। इस वृत्त का मान 360 डिग्री हैं और इसके 12 भाग करने पर एक राशि का मान 30 डिग्री है। राशियां 12 होती हैं। प्रथम राशि मेष का स्वरूप क्या है जानें-

- मेष पुरुष संज्ञक राशि, विचरणशील, अग्नि तत्त्व प्रधान है।
- यह पुष्ट अंगों से युक्त, लाल रंग की आभायुक्त है।
- इसकी पित्त प्रकृति है। यह तीव्र शब्दाकारी और तेज स्वभाव वाली है।
- यह पर्वत पर विचरण करने वाली, क्रूर स्वभाव की, दिन में अधिक बलशाली है।
- यह पूर्व दिशा की स्वामी है।
- इसका शरीर कांतिरहित एवं वर्ण क्षत्रीय है।
- यह स्वल्प सहवासी और कम संतानवाली है।
- इस राशि का स्वामी मंगल है। मंगल की दशा सात वर्ष की होती है। 4, 7, 8 वें भाव पर पूर्ण दृष्टि होती है।
- सूर्य, चंद्रमा, बृहस्पति इसके मित्र है। बुध शत्रु है। इस राशि वाले जातकों के लिए मंगलवार का व्रत करना और मूंगा रत्न धारण करना अनुकूल रहेगा।
- मंगल का बीज मंत्र- 'ऊँ हूं श्रीं भौमाय नम:'।

दशम भाव में सूर्य

दशम भाव का सूर्य ज्ञानी, दूरदर्शी, पराक्रमी बनाता है, किंतु बचपन में जातक को अनेक कष्ट का सामना करना पड़ता है तुला राशि में सूर्य नीच का होता है किंतु प्राय: शमस्थ होकर शुभ फल प्रदाय करता है तथा मान सम्मान, प्रतिष्ठता दिलाकर व्यक्ति को प्रतिष्ठित करता है। वृश्चिक राशि का सूर्य जातक को प्रसिद्ध चिकित्सा अधिवक्ता, गायक कलाकार बनाता है। अशुभ अवस्था में सूर्य राज भंग योग बनाता है।

ग्यारहवें भाव का सूर्य: ग्याहरवें भाव का सूर्य जातक को अथाह धन संपदा का मालिक बनाने के साथ प्रतिष्ठा भी अर्जित करवाता हैं। राज्यपक्ष सत्तासुख से लाभान्वित करवाता है पृथ्वीराशि का सूर्य उच्च राज्यपद दिलवाता है।

बारहवें भाव का सूर्य: बारहवें भाव का सूर्य शुभ नहीं होता है। जातक को प्रतिष्ठा यश की प्राप्ति के स्थान पर अपमान अपयश का सामना करना पड़ता है। यदि सूर्य अन्य पाप ग्रह की दृष्टि में हो तो जातक पर झूठे दोषारोपण लगते हैं तथा धन मान हानि होती है। सूर्य, अग्नि राशि का हो तो जातक क्रूर, क्रोधी होता है। सूर्य शनि भी यूति बारहवें भाव के राजदण्ड के भागी बनाता है।

हस्त रेखा से जानें कैरियर

हाथ की रेखाओं के आधार पर आप अपने कैरियर का चुनाव कर सकते है। हाथ की लकीरों में आपका कैरियर छिपा है। बस आपको अपने हाथ की रेखाओं पर गौर करने की जरूरत है।

वकील एवं न्यायाधीश: यदि आपकी तर्जनी अनामिका से लंबी हो, कनिष्ठिका अनामिका के तीसरे पोर से ऊपर उठी हो, अंगुलियां सुंदर हों, गुरु पर्वत पूर्ण विकसित हो तथा उस पर क्रॉस का चिन्ह हो, यह जातक के वकील बनने का द्योतक है। ऊपर लिखे गुणों के अतिरिक्त यदि व्यक्ति की हथेली में भाग्य रेखा निर्दोष, स्पष्ट हो, सूर्य प्रभावशाली हो और अंगूठा लंबा तथा पीछे की तरह झुका हुआ हो तो व्यक्ति न्यायाधीश होगा।

अभिनेता-अभिनेत्री: यदि हाथ की सभी अंगुलियां कोमल तथा ढलवां हों, सूर्य की अंगुली लंबी तथा ऊपर से नोकदार हो और मस्तिष्क एवं भाग्य रेखा पूरी लंबाई लिए हो, तो जातक के अभिनेता या अभिनेत्री होने के योग होते है।

शिक्षक: जिसके हाथ में जीवन, भाग्य तथा सूर्य रेखाएं विकसित हों, गुरु पर्वत भी विकसित हो और उस पर क्रॉस का चिन्ह हो तथा अनामिका से तर्जनी लंबी हो तो व्यक्ति शिक्षक होता है।

डॉक्टर: जिसकी हथेली में बुध पर्वत पूर्णत: विकसित हो तथा कनिष्ठिका पूरी लंबाई लिए हुए हो और अनामिका के ऊपरी पोर के मध्य तक जाती हो एवं बुध क्षेत्र पर तीन खड़ी रेखाएं हों तो व्यक्ति डॉक्टर होता है।

अधिकारी: कनिष्ठिका लंबी हो और उसका अंतिम सिरा अनामिका के तीसरे पोर से ऊपर हो और सूर्य रेखा अत्यंत उच्च कोटि की हो तो व्यक्ति अधिकारी होता है।

एकाउंटेट: ऐसे व्यक्ति का बुध पर्वत विकसित तथा ऊंचा उठा हुआ होता है। उसका सूर्य पर्वत भी उभरा हुआ होता है। उस पर सूर्य रेखा भी स्पष्ट देखी जा सकती है। भाग्य रेखा बिना कहीं से कटे मध्यमा के मूल में स्थित शनि पर्वत पर जा रही हो तो ऐसा व्यक्ति एकाउंटेंट होता है।

सैनिक: यदि मंगल क्षेत्र विस्तार लिए हुए हो तथा मंगल पर किसी तारे का चिन्ह हो, भाग्य रेखा विकसित तथा स्पष्ट हो, तो व्यक्ति सैनिक बनता है।

व्यवसायी: जो व्यक्ति व्यापार या व्यवसाय करता है उसके हाथ का अंगूठा सीधा तथा पीछे की तरफ किंचित झुका होता है। उसकी मस्तिष्क रेखा सीधी और स्पष्ट होती है एवं बुध पर्वत उभरा हुआ होता है। सफल व्यवसायी के बुध पर्वत पर किसी प्रकार का कोई जाल नहीं होता।

कलाकार: यदि किसी व्यक्ति की हथेली पूरी लंबी, अंगुलियां ढलवां हों और उनके सिरे नुकीले हों, तो वह सफल कलाकार होता है।

देखने में छोटी, पर काम इसके बड़े-बड़े!

अकसर आपने छोटे-छोटे बहुत से बच्चों को शरारत करते हुए देखा होंगा, पर आज हम आपको एक ऐसी बच्ची के बारे में बता रहे हैं जिसके काम को देख कर आप हैरान ही रह जाएगे। 7 साल की यह लड़की ऑड्रे सेलेना गोम्ज और टेलर स्विफ्ट जैसी हस्तियों के साथ काम करती है और गाने भी गाती है। 7 साल की इस बच्ची का नाम ऑड्रे है पर यह लड़की ब्लैकफैन एनीमिया की बीमारी की शिकार है। यह एक ऐसी बीमारी है जिसमें रेड ब्लड सेल्स कम हो जाने से बहुत सी खतरनाक बीमारीयां हो जाती है। ऑड्रे को देख कर यह नहीं लगता कि वह बीमार या दुखी हैं। बल्कि वह अपनी लाइफ से खुश हैं। ऑड्रे की इस बीमारी का इलाज चल रहा हैं। ऑड्रे का फेसबुक पर डीबीए फोटो बूथ के नाम से कम्युनिटी पेज भी बना हुआ है जिसमें आप उसकी बहुत सी वीडियोज भी देख सकते है। ऑड्रे जुम्बा डांस के साथ एंकरिंग से लेकर गाने तक का शौक भी रखती है। इसीलिए उसने जुम्बा क्लब भी ज्वॉइन किया है।

अच्छा सोचें और सिर दर्द घटाएं

सरदर्द, आज की जीवनशैली में होने वाली सबसे आम समस्या है और इसका कारण तनाव से लेकर माइग्रेन तक हो सकता है। तनाव की स्थिति में गर्दन की मांस पेशियों में सिकुड़न हो जाती है। शायद आपको यह आश्चर्यजनक लगे कि, अपनी प्रतिदिन की दिनचर्या में थोड़ा सा बदलाव लाकर आप सरदर्द से बच सकते हैं। अगर आपके सरदर्द का कारण भी तनाव है, तो तनाव का मुकाबला करना सीखें।

इस कारण से बदलता है तिल और मस्से का आकार

ड्राय स्किन हो, ऑयली स्किन, सेंसेटिव स्किन या नार्मल स्किन हो। त्वचा के रंग या त्वचा पर पाए जाने वाले तिल का आकार या रंग बदलने लगे तो यह स्किन कैंसर के लक्षण हैं। अगर आपके शरीर पर मौजूद तिल अथवा मस्सों का आकार बदल रहा है, तो लापरवाही भारी पड़ सकती है। ऐसे में तुरंत डॉक्टर से परामर्श करें, क्योंकि यह मेलानोमा कैंसर भी हो सकता है। मेलानोमा एक किस्म का स्किन कैंसर होता है। त्वचा के रंग का निर्माण करने वाले मेलेनोसाइट्स में यह रोग होता है।

क्या हैं कारण

इस रोग का पहला कारण है सूरज की तेज किरणें। ज्यादा देर तक सूरज की रोशनी में रहने पर त्वचा की कोशिकाओं को नुकसान होता है। इसके अलावा संक्रमण से भी यह रोग फैलता है। अगर घर में किसी एक को हो जाए, तो दूसरे में भी यह रोग होने की संभावना बढ़ जाती है। त्वचा के अन्य कैंसर के मुकाबले यह ज्यादा गंभीर होता है। धीरे-धीरे यह कैंसर शरीर के अन्य अंगो को प्रभावित करने लगता है। यहां तक कि इस रोग के चलते हड्डियों को भी नुकसान पहुंचना शुरू हो जाता है।

लक्षण कहते हैं

तिल और मस्सों से इस रोग की शुरुआत होती है। सबसे पहले इनके आकार में बदलाव होना शुरू हो जाता है। इसके अलावा त्वचा पर अलग-अलग आकार के दाग-धब्बे बनने लगते हैं। जैसे-जैसे ये दाग पुराने होते हैं, उनमें खुजली होने लगती है। अगर तुरंत इसका इलाज नहीं कराया गया, तो दाग के चारों तरफ काले निशान बनने लगते हैं। खुजलाने पर खून निकलने लगता है। धीरे-धीरे दाग पूरी त्वचा पर फैलने लगते हैं। इनका रंग भी त्वचा के रंग से गहरा या काला होता जाता है। कई बार ये दाग-धब्बे सफेद, गुलाबी, लाल और नीले रंग के भी होते हैं।

क्या है उपचार

इस बीमारी से बचना है, तो ज्यादा देर धूप में न रहें। जरूरत पड़ने पर जाना पड़े, तो सनस्क्रीन लोशन लगाकर और शरीर को ठीक से ढंककर ही निकलें। बीमारी होने की आशंका होने पर तुरंत डॉक्टर से परामर्श करें। शुरुआत में ही अगर इलाज कराया जाए, तो छोटी सी सर्जरी करके इन दाग-धब्बों ठीक कर दिया जाता है। मेलानोमा एक तरह का कैंसर ही होता है। जो लोग ज्यादा सन-बाथ लेते हैं या धूप में रहते हैं, उनमें ये बीमारी ज्यादा होती है। गोरे लोग इसकी चपेट में ज्यादा आते हैं। तिल और मस्सों से इसकी शुरुआत होती है। इनका साइज बदलना शुरु हो जाता है। अगर कोई भी कैंसर एक ही जगह है, तो उसे सर्जरी के जरिए निकाल देते हैं, लेकिन अगर वह शरीर में फैल गया है, तो कीमो-थेरेपी या रेडियो-थेरेपी से उपचार करते हैं।

बच्चे को मोटा बना सकती हैं ये आदतें

बच्चों में मोटापा काफी तेजी से बढ़ रही है। पहले भले ही ऐसे बच्चों को गोलू-मोलू कहकर पसंद किया जाता हो, लेकिन अब ऐसा नहीं है। बच्चों में मोटापे की समस्या और उससे सेहत को होने वाले नुकसानों के बारे में व्यापक चर्चा की जाती है। बच्चों में मोटापा कई कारणों से हो सकता है। इनमें अनुवांशिक कारणों को तो हम नियंत्रित नहीं कर सकते हैं, लेकिन कुछ कारण ऐसे हैं, जिन पर यदि नजर रखी जाए, तो हम समय रहते बच्चों को मोटापे से बचा सकते हैं।

शारीरिक गतिविधियों का अभाव

उछलकूद करना बच्चों के लिए बहुत जरूरी है। इससे न केवल उनका मानसिक विकास होता है, बल्कि इससे उनका शरीर भी स्वस्थ रहता है। इसके साथ ही बच्चों को छोटी-मोटी शारीरिक गतिविधियों में शामिल करें। रसोई तक अपने बर्तन खुद रख कर आना। लाइट का स्विच ऑफ करने उठना। पानी पीने जाना, घर की सीढ़ियां चढ़ना, जैसे काम भी आजकल बच्चे नहीं करते। इससे उनमें आलस्य आ जाता है और शरीर पर बेकार की चर्बी जमा होने लगती है। इसके साथ ही आपको चाहिए कि आप अपने बच्चे के साथ घूमने जाएं, उन्हें आउटडोर गेम्स में शामिल करें। वरना आजकल के बच्चों के लिए गेम्स का अर्थ कंप्यूटर अथवा ऑनलाइन गेम्स हो गया है।

लिक्विड कैलोरी का अधिक सेवन

शुगर ड्रिंक और फ्रुट ड्रिंक बच्चों के पसंदीदा पेय पदार्थ हैं, लेकिन इससे बच्चों को और कुछ नहीं बस चीनी और कैलोरी ही मिलती है। आपको चाहिए कि बच्चों को ऐसे पेय पदार्थों के सेवन से रोकें क्योंकि इनसे उन्हें पोषण नहीं मिलता, बल्कि उनकी सेहत को नुकसान ही पहुंचता है।

पर्याप्त नींद न लेना

देर रात तक जागते रहना आजकल की जीवनशैली का हिस्सा बन गया है। लेकिन, आपके बच्चों के लिए यह बिल्कुल ही फायदेमंद नहीं है। मोटापे और नींद के बीच गहरा संबंध है। शोध इस बात को प्रमाणित कर चुके हैं कि जो बच्चे पूरी नींद नहीं लेते, उनके मोटापे से ग्रस्त होने की आशंका बहुत अधिक होती है। इसके साथ ही ज्यादा नींद भी आपके बच्चों के लिए अच्छी नहीं। इससे आपका बच्चा आलसी हो सकता है। ध्यान रहे आपके बच्चे के लिए नौ से दस घंटे की नींद काफी है।

जंक फूड का सेवन

बच्चों में मोटापे का अहम कारण जंक फूड का सेवन है। जरा सी भूख लगने पर ही बच्चे बर्गर, पिज्जा या कोई अन्य जंक फूड खा लेते हैं। ये हाई कैलारी खाद्य पदार्थ बच्चों की सेहत को नुकसान पहुंचाते हैं। ऐसे में अभिभावकों का उत्तरदायित्व बनता है कि वे अपने बच्चों के खानपान का ध्यान रखें। बच्चों की जिद के चक्कर में आप उनकी सेहत के साथ खिलवाड़ न करें। कभी-कभार इस प्रकार का भोजन ठीक है, लेकिन इसका नियमित सेवन सेहत के नुकसानदेह है।

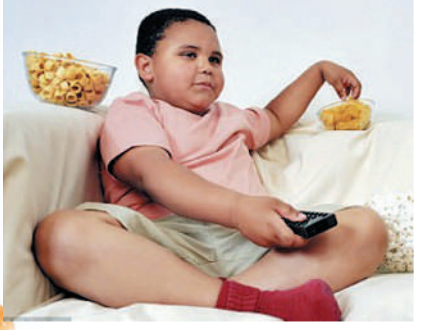

टीवी है बीमारी

एक वैज्ञानिक शोध में यह बात सामने आई थी कि जो बच्चे टीवी के सामने अधिक समय बिताते हैं, वे सामान्य बच्चों से अधिक मोटे होते हैं। टीवी मनोरंजन तक तो ठीक है, लेकिन इसके सामने अधिक समय तक बैठे रहना बच्चों को मोटा और थुलथुला बना सकता है। लास एंजेलिस स्थित पेनिंगटन बायोमेडिकल रिसर्च सेंटर के वैज्ञानिकों ने शयनकक्ष में टीवी देखने एवं बचपन में मोटापे के बीच सम्बधों को सामने रखा।

भोजन अगर न हो सही

बच्चे के आहार में फाइबर युक्त पदार्थों को शामिल करें। इससे उन्हें ऊर्जा भी मिलेगी और साथ ही उनका पेट भी लंबे समय तक भरा रहेगा। राजमा, ब्रोकली, मटर, नाशपति, साबुत अनाज का पास्ता, ओटमील आदि फाइबर के उच्च स्रोत हैं। इसके साथ ही आप उन्हें फल और सब्जियों का सेवन भी करवाएं। इनके अभाव से भी बच्चे में मोटापा बढ़ सकता है।

क्या है हॉट योगा और इसे क्यों करें

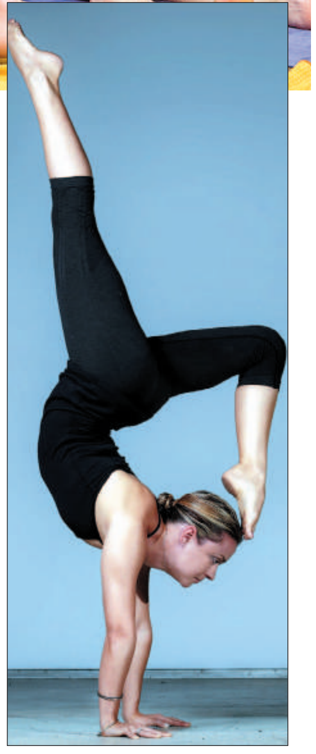

योग के अदभुद लाभों के चलते न सिर्फ भारत में बल्कि पूरे विश्व में योग की ख्याति है। योगासनों के कई अलग अलग प्रकार और तकनीक हैं, और इनमें से एक है हॉट योगा। हॉट योगा प्राचीन योग का ही एक एक्स्ट्रीम फॉर्म है। इसे यदि साधारण योगा का मॉडर्न रूप कहा जाए तो गलत न होगा।

इसे कैसे किया जाता है

हॉट योगा एक ग्लैमरस, लेकिन मुश्किल योग है। 90 मिनट के इसके एक सत्र में 26 जटिल आसन और दो प्राणायाम शामिल होते हैं। और इसकी खास बात है कि यह एक ऐसे कमरे में होता है, जहां का तापमान 40 डिग्री सेंटीग्रेड या उससे ऊपर रखा जाता है और वहां की आर्द्रता 50 प्रतिशत के आसपास होती है। शायद इस आसनों को करते समय या इन्हें करने के पश्चात इस होने वाले गर्म तापमान के कारण ही इसे हॉट योगा कहा जाने लगा होगा। आमतौर पर ऐसा माना जाता है कि जब तक पसीना बाहर न आए, एक्सरसाइझ का फायदा नहीं होता है। हालांकि इस बात के पीछे का तथ्य यह है कि पसीना इस बात का संकेत होता है कि आपने जरूर के हिसाब से शारिरिक गतिविधी की है और कैलोरी बर्न की हैं। शायद यही सब सोचते हुए कुछ योग एक्सपर्ट ने इस पसीना बहाऊ योग का आविष्कार कर लिया वरना तो योग करने से पसीना कम ही छूटता है। ऐसा माना जाता है कि हॉट योगा दांपत्य जीवन के साथ-साथ, मस्तिष्क व शारीरिक स्वास्थ्य के लिए भी बेहद लाभदायक होता है, और इससे व्यक्ति तनाव मुक्त रहकर आत्मविश्वास से भरा रहता है। वैसे तो हॉट योगा के बहुत फायदे हैं लेकिन इसे करने से पहले इसके लिए ठीक ट्रेनिंग लेना बेहद जरूरी होता है।

श्वसन नलिका और स्वर ग्रंथि की परेशानियों से मिलेगी निजात

मत्स्यासन दिलाएगा बीमारियों से छुटकारा

ागा एक ऐसी चीज है जिसे यदि रोज किया जाए तो तमाम ीमारियों से शरीर को मुक्त रखा जा सकता है। आजकल योगा ा क्रेज युवाओं में बढ़ता जा रहा है। मत्स्यासन अकेला ऐसा ासन है, जिसे विधिवत करके अनेक बीमारियों से छुटकारा या जा सकता है। अगर इस आसन का अभ्यास सर्वांगासन के बाद किया जाए तो दोनों आसनों का लाभ दोगुना हो जाता है।

आसन की विधि

इस आसन को करने के लिए सबसे पहले दरी बिछाकर जमीन पर बैठ जाइए। फिर पद्मासन लगाइए। कुहनी का सहारा लेते हुए जमीन पर लेट जाइए। पीछे से सिर के पास हथेली लगाकर सिर को ऊपर उठाकर सिर को इस प्रकार जमीन पर टिकाना चाहिए कि गर्दन, छाती और पीठ अधिक से अधिक ऊपर की तरफ उभरी रहे। शरीर का भार सिर्फ पैरों और सिर पर टिका रहना चाहिए। हाथों से पैरों के अंगूठों को पकड़ लें। दोनों घुटने जमीन से सटे रहेंगे। श्वास-प्रश्वास सामान्य रहेगी। इस क्षमता के अनुसार आसन का अभ्यास 1 से 5 मिनट तक करें। वापस आते समय सबसे पहले हथेली का सहारा लेकर गर्दन को सामान्य अवस्था में लाएं फिर कुहनी का सहारा लेते हुए धीरे-धीरे सामान्य अवस्था में आएं। जल्दबाजी न करें। प्रारंभ में अधिकांश लोगों को मत्स्यासन में कठिनाई होती है, इसलिए पहले बैठकर पद्मासन का अभ्यास करना चाहिए और इसके बाद मत्स्यासन का अभ्यास करना चाहिए।

...तो ये हैं आसन के लाभ

पाचन संस्थान, आमाशय, यकृत, गुर्दे और फेफड़ों पर प्रभाव डालकर इन अंगों से संबंधित रोगों में यह आसन चमत्कारिक लाभ देता है। इस आसन से फेफड़े, श्वसन नलिका और स्वर ग्रंथि के विकार दूर होते हैं। फेफड़े में अतिरिक्त हवा भरने से उनके बंद कोष खुल जाते हैं। यह आसन दमा, क्षय व अन्य श्वसन संस्थान के रोगों में लाभ प्रदान करता है। सर्वांगासन के बाद यह आसन किया जाएं तो सर्वांगासन के दौरान गर्दन और ग्रीवामणि की पेशियों में जो तनाव आता है, वह दूर हो जाता है। यह आसन मेरु दंड और पीठ दर्द के रोगों के लिए भी लाभकारी है। गैस्ट्रिक, गले से संबंधित रोग, उच्च रक्तचाप, हाइपो थॉयरोडिज्म आदि में भी उपयोगी है।

बैकिंग के स्वाद में छिपा बेहतर भविष्य

किंग दुनिया के सबसे राने व्यवसायों में से एक लेकिन समय के साथ सके स्वरूप व तकनीक काफी परिवर्तन आया है। ाजकल पूरी दुनिया में ाग बेक की हुई चीजों का ुत बड़े स्तर पर प्रयोग रते हैं। ऐसे में एक ोफेशनल बेकर की डिमांड काफी बढ़ी है। यदि ापको भी खाना बनाना संद है तो आप एक बेकर रूप में अपना उज्ज्वल विष्य देख सकते हैं।

क्रिएटिव होना भी जरूरी...

एक बेकर के लिए बेहद जरूरी है कि उसे भोजन व उससे संबंधित सामग्री से बेहद प्यार हो। इसके अतिरिक्त वह बेकरी प्रॉडक्ट्स और उसकी सामग्री से परिचित हो। उसे सिर्फ खाना पकाना ही नहीं आता हो बल्कि अपनी क्रिएटिविटी के बलबूते वह उसे एक नया रूप देने में सक्षम हो।

स्किल्स...

वैसे तो इस क्षेत्र में कॅरियर बनाने के लिए किसी विशेष योग्यता की आवश्यकता नहीं है बस आपको बैकिंग, आइसिंग व डैकोरेटिंग की जानकारी होनी चाहिए, लेकिन अगर आप चाहें तो अपने स्किल्स में निखार लाने के लिए बेकिंग व कन्फैक्शनरी में शॉर्ट टर्म या डिप्लोमा कोर्स कर सकते हैं। इस कोर्स की अवधि 4 से 6 महीने हो सकती है तथा आप 10वीं व 12वीं के बाद यह कोर्स आसानी से कर सकते हैं। कोर्स के दौरान छात्रों को न्यूट्रिशन, फूड सर्विस, बैकिंग के सिद्धांतों, सैनिटेशन, बैकिंग के दौरान काम आने वाली मशीनरी को चलाने आदि के बारे में विस्तार से समझाया जाता है। कोर्स में छात्रों को बैकिंग की बेसिक जानकारी के साथ-साथ एडवांस ट्रेनिंग दी जाती है। इसमें उन्हें इंडस्ट्रीयल इक्विपमेंट के जरिए सारी सामग्री को मिक्स करना व बेक करना सिखाया जाता है।

अपॉर्चुनिटी...

आप इस क्षेत्र में किसी होटल, बेकरी शॉप, केटरर आदि के जरिए कदम रख सकते हैं। वैसे आप बेकरी मैन्युफैक्चरिंग कंपनी के साथ भी जुड़ सकते हैं। आप खुद की बेकरी शॉप भी खोल सकते हैं। यदि आपके अंदर बेकिंग का हुनर लाजवाब है तो आप विदेश में भी नौकरी तलाश सकते हैं।

स्टडी सेंटर्स...

- नेशनल काउंसिल फॉर होटल मैनेजमेंट एंड कैटरिंग टैक्नोलॉजी, नोएडा
- एलबीआईआई एचएम, पीतमपुरा, दिल्ली
- दिल्ली पैरामेडिकल एंड मैनेजमेंट इंस्टीट्यूट, दिल्ली

रेसिपी

हरियाली मटकी खिचड़ी

सामग्री

1/2 कप मटकी, रातभर भिगोकर छानी हुई, 1/2 कप चावल, धोकर छाने हुए, 1 टेबल-स्पून घी, 2 इलायची, 4 से 5 काली मिर्च, 2 लौंग, 25 मिलीमीटर दालचीनी का टुकड़ा, 2 तेजपत्ता, पीसकर मुलायम ग्रीन पेस्ट बनाने के लिए (थोड़े पानी के साथ), 1 1/2 कप कटा हुआ हरा धनिया, 1 टेबल-स्पून कटी हुई हरी मिर्च, 1/2 कप कसा हुआ नारियल, 2 टी-स्पून कटा हुआ लहसुन, 1 टी-स्पून जीरा, 2 टी-स्पून नींबू का रस, नमक स्वादअनुसार, परोसने के लिए, ताजा दही

विधि

एक प्रैशर कुकर में घी गरम करें, इलायची, काली मिर्च, लौंग, दालचीनी और तेजपत्ता डालकर, मध्यम आंच पर कुछ सेकन्ड तक भुन लें। तैयार ग्रीन पेस्ट डालकर, मध्यम आंच पर कुछ सेकन्ड तक भुन लें। चावल, मटकी और 3 कप पानी डालकर अच्छी तरह मिला लें और 3 सिटी तक प्रैशर कुक कर लें। ढ़क्कन खोलने से पुर्व सारी भाप निकलने दें। ताजे दही के साथ तुरंत परोसें।

हरा भरा खूंभ

सामग्री

पालक प्युरी के लिए, 4 कप बारीक लंबी कटी पालक, 1/2 टी-स्पून कटा हुआ अदरक, 1 टेबल-स्पून कटी हुई हरी मिर्च, 4 लहसुन की कलियां, अन्य सामग्री, 3 कप खूंभ के टुकड़े, 1 टी-स्पून तेल, 1/2 कप बारीक कटा हुआ प्याज, नमक स्वादअनुसार, 1/2 टी-स्पून शक्कर।

विधि

सभी सामग्री को 1 कप पानी के साथ एक गहरे नॉन-स्टिक पैन में मिलाकर, मध्यम आंच पर 2 मिनट के लिए, बीच-बीच में हिलाते हुए पका लें। पुरी तरह से ठंडा करने के लिए एक तरफ रख दें। मिक्सर में पीसकर मुलायम प्युरी बना लें और एक तरफ रख दें। एक चौड़े नॉन-स्टिक पैन में 1/2 टी-स्पून तेल गरम करें, खूंभ और नमक डालकर अच्छी तरह मिला लें और मध्यम आंच पर 5 से 7 मिनट या सारा पानी सूख जाने तक, बीच-बीच में हिलाते हुए पका लें। एक तरफ रख दें। एक नॉन-स्टिक कढ़ाई में बचे हुए 1/2 टी-स्पून तेल को गरम करें, प्याज डालकर मध्यम आंच पर 1 मिनट के लिए भुन लें। तैयार पालक की प्युरी और थोड़ा नमक डालकर अच्छी तरह मिला लें और बीच-बीच मे हिलाते हुए, मध्यम आंच पर 2 से 3 मिनट के लिए पका लें। खूंभ और शक्कर डालकर अच्छी तरह मिला लें और मध्यम आंच और 1 मिनट के लिए, बीच-बीच में हिलाते हुए पका लें। गरमा गरम परोसें।

संपादकीय

ट्रंप अब युद्ध नहीं चाहते!

युद्धविराम की अवधि समाप्त होने से करीब अढाई घंटे पहले राष्ट्रपति ट्रंप ने 'बेमियादी युद्धविराम' की घोषणा कर दी। जब तक अमरीका और ईरान के बीच बातचीत नहीं होती, तब तक युद्धविराम जारी रहेगा। दूसरी तरफ, ईरान अपनी मांग और शर्त पर अड़ा है कि जब तक होर्मुज और ईरानी बंदरगाहों की नाकेबंदी खत्म नहीं की जाती, तब तक कोई वार्ता नहीं होगी। ईरान ने 'डाकिए' पाकिस्तान की दोगली भूमिका पर भी सवाल उठाए हैं। बल्कि अब ईरान को भरोसा नहीं है कि पाकिस्तान तटस्थ संदेशवाहक की भूमिका भी निभा सकता है। अमरीकी खुफिया एजेंसी ने भी रपट दी है कि पाकिस्तान का फील्ड मार्शल जनरल मुनीर अमरीका के साथ विश्वासघात साबित हो सकता है। वह मार दिए गए ईरानी जनरल सुलेमानी के बहुत करीब था और आज भी आईआरजीसी के कमांडरों से उसके अच्छे संबंध हैं। बहरहाल अब अमरीकी राष्ट्रपति की जुबानी भाषा काफी बदल चुकी है। अब वह ईरान को 'पाषाण-युग' में भेजने और सभ्यता को नष्ट करने सरीखे बयान नहीं दे रहे हैं। अब ट्रंप तबाही, बर्बादी के बहुत कम बयान देने लगे हैं। अब राष्ट्रपति ट्रंप और ईरान युद्ध का फोकस होर्मुज जलडमरूमध्य मार्ग पर आ गया है। अमरीकी नाकेबंदी अभी जारी रहेगी, लेकिन ईरानी सैनिक कंटेनर जहाजों पर हमले कर रहे हैं। ईरान ने तीन जहाजों पर हमले भी किए हैं और दो जहाजों को जब्त कर लिया है। एक जहाज भारत के मुंद्रा, गुजरात बंदरगाह पर आना था। अमरीका की भारी-भरकम नौसेना ईरान का कुछ भी बिगाड़ नहीं पाई अथवा अब नरमी बरती जा रही है। ईरान का परमाणु कार्यक्रम और करीब 440 किग्रा परिष्कृत यूरेनियम का मुद्दा काफी पीछे छूट गया है। भारतीय रक्षा विशेषज्ञों के दावे हैं कि अमरीका, अंततः, ईरान को परमाणु कार्यक्रम जारी रखने की 20 साल की मोहलत देगा। उसके बाद ईरान को उसे समेट कर अमरीका को सौंपना होगा। किसने देखे 20 साल! न तो हम होंगे और ट्रंप भी निश्चित रूप से ऐसी हैसियत में नहीं होंगे। मुद्दे को टालने का फैसला किया जा सकता है। ईरान की मिसाइल रेंज कम करना अथवा उन्हें 'बैलिस्टिक' एक हद तक ही रखना भी अब फोकस में नहीं है। दरअसल अब राष्ट्रपति ट्रंप युद्ध से बाहर निकलना चाहते हैं। उन्हें ऐसी रपटें दी गई हैं कि थाड, पैट्रियट, सटीक, 'एसएम' श्रेणी की, उच्चतम स्तर की, मिसाइलें 50 फीसदी से 20 फीसदी तक युद्ध में खर्च की जा चुकी हैं। यदि ऐसे में चीन जैसे देश के साथ टकराव की नौबत आती है, तो अमरीका कुछ दिन की लड़ाई लड़ने में भी अक्षम, असहाय होगा। इन मिसाइलों के पर्याप्त उत्पादन में 3-5 साल लग सकते हैं। इसके अलावा, राष्ट्रपति ट्रंप की, अमरीका में ही, स्वीकार्यता 30-32 फीसदी ही शेष है। संसद और जनता में उनके खिलाफ भारी रोष, आक्रोश है। मध्यावधि चुनाव 7 नवंबर को होने हैं, जिनके लिए उम्मीदवारों के चयन की प्रक्रिया मई में ही शुरू होनी है। ऐसे में युद्धविराम के मद्देनजर ट्रंप की मजबूरी को समझा जा सकता है, लेकिन राष्ट्रपति ट्रंप के सामने यक्ष-प्रश्न है कि वह अमरीका को क्या बताएंगे- युद्ध जीता अथवा अधूरा छोड़ कर लौटना पड़ा? दोनों ही स्थितियों में उनके सामने सवाल होंगे, फजीहत होगी। बहरहाल युद्ध को समाप्त कराने और होर्मुज के अंतरराष्ट्रीय जलमार्ग को खुलवाने, सुरक्षित आवाजाही, को लेकर कई प्रयास किए जा रहे हैं। भारत के रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने भी महत्वपूर्ण बयान दिया है कि अब भारत मध्यस्थता कर सकता है। प्रधानमंत्री मोदी ने दोनों देशों के नेताओं से बातचीत की है। शेष विश्व भी चाहता है कि भारत यह भूमिका निभाए। किसी भी तरह युद्ध खत्म होना चाहिए। युद्ध के कारण 50 अरब डॉलर से अधिक के तेल का नुकसान हो चुका है। फ्रांस और ब्रिटेन के प्रयास से 30 देश होर्मुज को खुलवाने पर साझा विमर्श कर रहे हैं। लेकिन ईरान अब भी खाड़ी देशों और इजरायल के जल संयंत्रों, बिजली संयंत्रों और तेल-गैस ठिकानों पर हमले करने की धमकियां दे रहा है। अमरीका के करीब 1.5 लाख सैनिक और विशालकाय युद्धपोत भी ईरान को घेरे हुए मौजूद हैं। ऐसी स्थितियों में भी युद्ध समाप्त हो सकता है? प्रायः देखा गया है कि युद्ध से दोनों पक्षों को हानि ही होती है, इसलिए युद्ध में उलझना समझदारी का काम नहीं माना जाता है।

राष्ट्रपति ट्रंप ने 'बेमियादी युद्धविराम' की घोषणा कर दी। जब तक अमरीका और ईरान के बीच बातचीत नहीं होती, तब तक युद्धविराम जारी रहेगा। दूसरी तरफ, ईरान अपनी मांग और शर्त पर अड़ा है कि जब तक होर्मुज और ईरानी बंदरगाहों की नाकेबंदी खत्म नहीं की जाती, तब तक कोई वार्ता नहीं होगी। ईरान ने 'डाकिए' पाकिस्तान की दोगली भूमिका पर भी सवाल उठाए हैं। बल्कि अब ईरान को भरोसा नहीं है कि पाकिस्तान तटस्थ संदेशवाहक की भूमिका भी निभा सकता है। अमरीकी खुफिया एजेंसी ने भी रपट दी है कि पाकिस्तान का फील्ड मार्शल जनरल मुनीर अमरीका के साथ विश्वासघात साबित हो सकता है। वह मार दिए गए ईरानी जनरल सुलेमानी के बहुत करीब था और आज भी आईआरजीसी के कमांडरों से उसके अच्छे संबंध हैं। बहरहाल अब अमरीकी राष्ट्रपति की जुबानी भाषा काफी बदल चुकी है। अब वह ईरान को 'पाषाण-युग' में भेजने और सभ्यता को नष्ट करने सरीखे बयान नहीं दे रहे हैं। अब ट्रंप तबाही, बर्बादी के बहुत कम बयान देने लगे हैं। अब राष्ट्रपति ट्रंप और ईरान युद्ध का फोकस होर्मुज जलडमरूमध्य मार्ग पर आ गया है। अमरीकी नाकेबंदी अभी जारी रहेगी, लेकिन ईरानी सैनिक कंटेनर जहाजों पर हमले कर रहे हैं।

तकनीक अपने आप में न तो नैतिक होती है और न ही अनैतिक, किंतु उसका उपयोग उसे किसी भी दिशा में ले जा सकता है

कृत्रिम बुद्धिमत्ता: सुविधा का वरदान या मूल्यों का संकट

मानव सभ्यता के विकास का इतिहास यदि देखा जाए तो यह स्पष्ट होता है कि हर नई तकनीक अपने साथ संभावनाओं और संकटों का एक द्वंद्व लेकर आती है। आज का समय भी इसी द्वंद्व से गुजर रहा है। कृत्रिम बुद्धिमत्ता के रूप में विकसित हो रही नवीन तकनीक ने जीवन को सरल, तीव्र और सुविधाजनक बनाया है, किंतु इसके साथ ही यह मानवीय मूल्यों, नैतिकता और सामाजिक संतुलन के लिए एक गंभीर चुनौती भी बनकर उभर रही है। समाज के चिंतकों, दार्शनिकों और आध्यात्मिक नेतृत्व ने समय-समय पर इस विषय पर चिंता व्यक्त की है और हाल ही में पोप लियो 14 द्वारा व्यक्त आशंकाओं ने इस चिंता को वैश्विक विमर्श का केंद्र बना दिया है। उन्होंने स्पष्ट रूप से कहा कि यदि इस तकनीक का उपयोग नैतिक मर्यादाओं से परे जाकर किया गया, तो यह विश्व में विभाजन, भय, हिंसा और संघर्ष को बढ़ावा दे सकती है। यह चेतावनी केवल एक धार्मिक नेता की भावनात्मक प्रतिक्रिया नहीं है, बल्कि यह उस गहरी चिंता का संकेत है जो आज पूरी मानवता के भीतर कहीं न कहीं विद्यमान है। तकनीक अपने आप में न तो नैतिक होती है और न ही अनैतिक, किंतु उसका उपयोग उसे किसी भी दिशा में ले जा सकता है।

आज का समय भी इसी द्वंद्व से गुजर रहा है। कृत्रिम बुद्धिमत्ता के रूप में विकसित हो रही नवीन तकनीक ने जीवन को सरल, तीव्र और सुविधाजनक बनाया है, किंतु इसके साथ ही यह मानवीय मूल्यों, नैतिकता और सामाजिक संतुलन के लिए एक गंभीर चुनौती भी बनकर उभर रही है। समाज के चिंतकों, दार्शनिकों और आध्यात्मिक नेतृत्व ने समय-समय पर इस विषय पर चिंता व्यक्त की है और हाल ही में पोप लियो 14 द्वारा व्यक्त आशंकाओं ने इस चिंता को वैश्विक विमर्श का केंद्र बना दिया है। उन्होंने स्पष्ट रूप से कहा कि यदि इस तकनीक का उपयोग नैतिक मर्यादाओं से परे जाकर किया गया, तो यह विश्व में विभाजन, भय, हिंसा और संघर्ष को बढ़ावा दे सकती है।

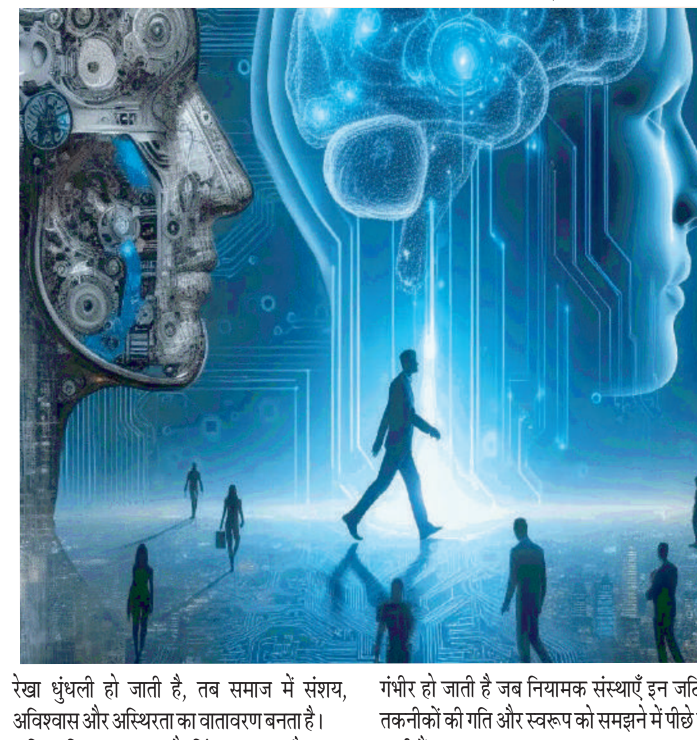

वर्तमान समय में यह देखा जा रहा है कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता का उपयोग केवल रचनात्मक और सकारात्मक कार्यों तक सीमित नहीं रह गया है। इसके माध्यम से झूठी सूचनाओं का निर्माण, नकली चित्रों और ध्वनियों का सृजन तथा जनमत को प्रभावित करने के प्रयास तेजी से बढ़े हैं। चुनावी प्रक्रियाओं में इसका उपयोग लोकतंत्र की जड़ों को कमजोर कर सकता है। जब कोई मतदाता यह समझ ही नहीं पाता कि जो वह देख रहा है या सुन रहा है वह सत्य है या निर्मित भ्रम, तब उसकी निर्णय क्षमता प्रभावित होती है। यह स्थिति लोकतांत्रिक संस्थाओं के प्रति विश्वास को कमजोर करती है। आज सोशल माध्यमों पर ऐसी अनेक घटनाएँ सामने आती हैं, जहाँ किसी व्यक्ति को नरेंद्र मोदी जैसे बड़े नेताओं के साथ दिखाया जाता है, जबकि वास्तविकता में ऐसा कभी हुआ ही नहीं होता। यह केवल व्यक्तिगत भ्रम नहीं, बल्कि सामाजिक स्तर पर विश्वास की संरचना को कमजोर करने वाला प्रवाह है। जब झूठ और सत्य के बीच की रेखा धुंधली हो जाती है, तब समाज में संशय, अविश्वास और अस्थिरता का वातावरण बनता है।

कृत्रिम बुद्धिमत्ता का एक और चिंताजनक पक्ष है साइबर अपराधों में इसका बढ़ता उपयोग। आज अपराधी किसी व्यक्ति की आवाज की नकल करके उसके परिचितों को धोखा देने में सक्षम हो गए हैं। परिवार के सदस्य या अधिकारी बनकर धन की ठगी करना अब अत्यंत सरल हो गया है। इस प्रकार की घटनाओं ने अनेक लोगों की जीवन भर की कमाई को पल भर में समाप्त कर दिया है। यह केवल आर्थिक क्षति नहीं, बल्कि विश्वास और सुरक्षा की भावना पर गहरा आघात है। वित्तीय क्षेत्र में भी इस तकनीक का दुरुपयोग गंभीर संकट उत्पन्न कर सकता है। स्वचालित हमलों के माध्यम से बैंकिंग व्यवस्था की कमजोरियों का लाभ उठाया जा सकता है। यदि इस प्रकार के हमले व्यापक स्तर पर होते हैं, तो यह केवल व्यक्तिगत हानि तक सीमित नहीं रहेंगे, बल्कि राष्ट्रीय और वैश्विक अर्थव्यवस्था को भी अस्थिर कर सकते हैं। यह स्थिति उस समय और भी गंभीर हो जाती है जब नियामक संस्थाएँ इन जटिल तकनीकों की गति और स्वरूप को समझने में पीछे रह जाती हैं।

पर्यावरणीय दृष्टि से भी यह तकनीक पूरी तरह निर्दोष नहीं है। विशाल आंकड़ा केंद्रों की स्थापना, ऊर्जा की अत्यधिक खपत, तथा खनिज संसाधनों का दोहन-ये सभी प्रकृति पर अतिरिक्त दबाव डालते हैं। कोबाल्ट और लिथियम जैसे खनिजों की बढ़ती मांग पर्यावरणीय असंतुलन और मानवीय शोषण दोनों को जन्म देती है। इस प्रकार यह तकनीक केवल सामाजिक या नैतिक ही नहीं, बल्कि पर्यावरणीय चुनौती भी बन रही है। इन सभी चिंताओं के बीच यह समझना आवश्यक है कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता को नकारा नहीं जा सकता। यह आधुनिक जीवन का अभिन्न अंग बन चुकी है और चिकित्सा, शिक्षा, आपदा प्रबंधन तथा उत्पादन के क्षेत्र में इसके योगदान को अनदेखा नहीं किया जा सकता। समस्या तकनीक में नहीं, बल्कि उसके उपयोग के स्वरूप में है। यदि इसे मानवीय मूल्यों, नैतिकता और सामाजिक उत्तरदायित्व के साथ जोड़ा जाए, तो यह एक वरदान सिद्ध हो सकती है।

इसके लिए सबसे पहले आवश्यक है कि इसके विकास और उपयोग के लिए स्पष्ट और सशक्त नियम बनाए जाएं। सरकारों और संस्थाओं को यह सुनिश्चित करना होगा कि इस तकनीक का उपयोग पारदर्शी, सुरक्षित और उत्तरदायी तरीके से हो। कंपनियों को अपने तंत्र में ऐसी व्यवस्थाएँ विकसित करनी चाहिए, जिससे किसी भी प्रकार की भ्रामक सामग्री की पहचान और नियंत्रण संभव हो सके। साथ ही नागरिकों की जागरूकता भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। डिजिटल साक्षरता के बिना कोई भी समाज इस चुनौती का सामना नहीं कर सकता। लोगों को यह समझना होगा कि जो कुछ वे देख या सुन रहे हैं, वह हमेशा सत्य नहीं हो सकता। सत्यापन की प्रवृत्ति को विकसित करना समय की आवश्यकता है। नैतिकता के स्तर पर यह भी आवश्यक है कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता के प्रशिक्षण के लिए उपयोग किए जाने वाले आंकड़े निष्पक्ष और उच्च गुणवत्ता वाले हों। यदि आधार ही पक्षपाती होगा, तो परिणाम भी पक्षपाती होंगे। इससे सामाजिक असमानता और भेदभाव को बढ़ावा मिल सकता है। इसलिए निष्पक्षता, पारदर्शिता, गोपनीयता और उत्तरदायित्व जैसे सिद्धांतों को इसके विकास का आधार बनाना होगा।

सांस्कृतिक दृष्टि से भी यह ध्यान रखना आवश्यक है कि तकनीकी विकास हमारी परंपराओं और मूल्यों के साथ संतुलन बनाए रखे। हमारी सांस्कृतिक धरोहर का डिजिटलीकरण और संरक्षण इस दिशा में एक सकारात्मक कदम हो सकता है, किंतु यह भी सुनिश्चित करना होगा कि इसका उपयोग सम्मानपूर्वक और संवेदनशीलता के साथ किया जाए। साररूप में यह कहा जा सकता है कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता एक शक्तिशाली साधन है, जो मानव जीवन को नई दिशा दे सकता है। किंतु यदि इसे नैतिकता से अलग कर दिया जाए, तो यह उसी गति से विनाश का कारण भी बन सकता है। आज आवश्यकता इस बात की है कि हम तकनीक के विकास के साथ-साथ अपने नैतिक मूल्यों को भी सुदृढ़ करें। विज्ञान और मानवीय संवेदना के बीच संतुलन ही वह मार्ग है, जो हमें सुरक्षित और समृद्ध भविष्य की ओर ले जा सकता है।

देश दुनिया से

कच्ची पर्ची पर रोक से किसानों को राहत की पहल

कृषि लागत और मूल्य आयोग और राष्ट्रीय कृषि एवं ग्रामीण विकास बैंक (नाबार्ड) की विभिन्न रिपोर्ट्स के अनुसार, देश में अधिकांश समय, फसल उपज की कीमतें औसतन अंतर्राष्ट्रीय बाजार के स्तर और समर्थन मूल्य से नीचे बनी रहीं और बिचौलिए आढ़तियों द्वारा शोषण के कारण कृषि उपज वस्तुओं के अंतिम उपभोक्ता मूल्य में किसानों का हिस्सा बेहद कम बना हुआ है। यह हिस्सा फसल और बाजार के आधार पर 28 से 78 प्रतिशत के बीच है। ये चिंताजनक आंकड़े मंडी व्यवस्था में मूलभूत नीतिगत सुधारों की आवश्यकता दर्शाते हैं। हरियाणा की कृषि उपज मंडियों में बिचौलिए आढ़तियों के शोषण से किसानों को मुक्त करने के लिए, लागू किए गए फसल बिक्री पर धनराशि किसान के बैंक खाते में सीधे हस्तांतरित करने जैसे नीतिगत सुधारों के सकारात्मक नतीजे मिले हैं। फसल बिक्री से किसानों को मिलने वाली राशि पर आढ़तियों की पकड़ ढीली हुई है। आढ़तियों की कच्ची पर्ची व्यवस्था से किसानों के लगातार हो रहे शोषण के खिलाफ दायर एक जनहित याचिका पर हाईकोर्ट ने हरियाणा सरकार को अवैध कच्ची पर्ची व्यवस्था पर रोक लगाने के निर्देश जारी किए। जिसके चलते 1 अप्रैल 2026 को प्रदेश की मंडियों के आढ़तियों को अवैध कच्ची पर्ची व्यवस्था तुरंत बन्द करने और उपज बिक्री-तुलाई के तुरंत बाद कानूनी रसीद जे-फार्म अनिवार्य रूप से किसानों को देने के आदेश जारी किए। कृषि विशेषज्ञ के अनुसार, अवैध कच्ची पर्ची व्यवस्था पर रोक लगने से, प्रदेश के किसानों को 30-40 प्रतिशत यानि गेहूं-धान फसल चक्र में 25-30 हजार रुपये प्रति एकड़ ज्यादा सालाना लाभ होगा। इस फैसले को किसान हित में महत्वपूर्ण कृषि विपणन सुधार माना जा रहा है। हरियाणा की मंडियों में लगभग 16 करोड़ क्विंटल खाद्यान्न, 1.5 करोड़ क्विंटल तिलहन, एक करोड़ क्विंटल दलहन और 12-15 लाख बेल कपास आदि फसल उपज का वार्षिक विपणन होता है। इन सबका मौजूदा समर्थन मूल्य लगभग 70,000 करोड़ रुपये वार्षिक है। गौरतलब है कि मार्च-2022 से हरियाणा राज्य कृषि विपणन बोर्ड के अधिकार-क्षेत्र में 114 मुख्य मंडियों और कुल 376 उप-मंडियों/खरीद केन्द्रों का विशाल नेटवर्क है, जिसमें लगभग 40 हजार आढ़ती कार्यरत हैं। इन्हें विभिन्न फसलों की बिक्री पर 2 से 2.5 प्रतिशत कमीशन (आढ़त) मिलता है। जो लगभग 1400 करोड़ रुपये वार्षिक बनता है। ऐसे में प्रत्येक आढ़ती को औसत 3-4 लाख रुपये वार्षिक आढ़त बनती है। जो प्रदेश में कुशल श्रमिक के वार्षिक वेतन से भी कम है। निस्संदेह, प्रदेश की कृषि मंडियों में आढ़तियों की संख्या जरूरत से ज्यादा होने के कारण, वैध आढ़त का धंधा लाभप्रद नहीं रहा। ऐसे में कुछ आढ़तियों ने अपनी आय बढ़ाने के लिए कच्ची पर्ची व्यवस्था, मनी लॉन्ड्रिंग व नकली बीज-खाद-दवाई बेचने जैसे अवैध धन्धे अपना लिये। वहीं तन्त्र के कुछ भ्रष्ट लोगों की मिलीभगत से किसानों का शोषण और सरकारी धन का गबन करते रहे हैं। आढ़तियों ने कृषि उपज विपणन कमेटी एक्ट-1961 रूल्स-1962 का उल्लंघन कर कच्ची पर्ची सिस्टम से वर्ष-2025 में 5,000 करोड़ रुपये से अधिक के धान घोटाले में सरकारी धन के गबन को अंजाम दिया। जिसकी राज्य सरकार विभिन्न स्तर पर जांच कर रही है। जबकि किसान संगठन और राजनीतिक दलों के नेता आढ़तियों द्वारा किये गये कथित घोटाले की विस्तृत जांच सीबीआई और प्रवर्तन निदेशालय से कराने की मांग कर रहे हैं। कथित तौर पर यह सरकारी धन आढ़तियों के जरिये काले धन में प्रवर्तित किया गया। हरियाणा राज्य कृषि उपज विपणन कमेटी अधिनियम के तहत राज्य कृषि उपज विपणन बोर्ड मंडियों में कृषि उपज की खरीद-फरोख्त करने के लिए कमीशन एजेंट को आढ़त का लाइसेंस देता है जो सरकार के दिशानिर्देश अनुसार व्यापार करने को कानूनी तौर पर बाध्य हैं। लेकिन बिचौलिए आढ़ती मिलीभगत से तय नियमों का उल्लंघन करके मनी लॉन्ड्रिंग धंधे (किसानों को अत्यधिक ब्याज पर कर्ज देना आदि) में लगे हुए हैं। बता दें कि मनी लॉन्ड्रिंग रोकथाम अधिनियम (पीएमएलए), 2002 में काले धन को वैध बनाने से रोकने के लिए इन अवैध गतिविधियों से अर्जित संपत्ति जब्त करने और इनमें शामिल लोगों को 10 साल तक की सजा का प्रावधान है। इसके अतिरिक्त, मजबूर कर्जमंद किसानों को आढ़ती बिना लाइसेंस लिए ही कथित नकली बीज-उर्वरक-कृषि रसायन आदि बेचकर, किसान और खेती को गंभीर नुकसान कर रहे हैं। आढ़तियों की अवैध मनी लॉन्ड्रिंग और कृषि निवेश व्यापार पर प्रतिबंध लगाए जाने से हरियाणा की मंडियों में वर्षों से हो रहे करीब दस हजार करोड़ रुपए वार्षिक के किसानों के शोषण और सरकारी धन के गबन पर भी लगाम लग सकेगी और खेती टिकाऊ बनेगी। जिससे कृषि विपणन में क्रान्तिकारी सुधार और लेन-देन में पारदर्शिता सुनिश्चित हो सकेगी। साथ ही आढ़तियों द्वारा सरकारी धन के दुरुपयोग व धोखाधड़ी पर नकेल कसेगी।

कुछ अलग

दूर के ढोल...

वे महान थे। वे किसी से न ईर्ष्या रखते थे न द्वेष। ईश्वर की तरह व्यवहार करते थे। मानवता उनमें कूट-कूट कर भरी हुई थी। किसी भी दुखियारे को देखते और करुणा से उनका मन पसीज उठता। महान्‌ वे इसलिए भी थे, क्योंकि वे स्वयं को साहित्यकार भी मानते थे। करेला ऊपर से नीम चढ़ा, परन्तु वे कभी इस अहंकार को उजागर नहीं होने देते थे। बेशक उन्हें साहित्यकार होने का प्रखर घमंड था। घमण्ड के लिए उनके पास अन्य कुछ था भी नहीं। साहित्यकार होने की मुहर उन पर इसलिए भी अंकित थी कि उन्हें एक संस्थान ने पुरस्कार भी दिया था। उनकी साहित्य सेवा रेखांकन योग्य हो गई थी। रेलों पर सरपट लिखने के कारण एक बार रेल मंत्रालय ने भी उन्हें सांत्वना पुरस्कार दिया था। वे उस समय बहुत नाराज हुए थे। रेल मंत्रालय को उलटा उलाहना दिया कि रेलों पर लिखने वाले अकेले महान्‌ साहित्यकार हैं तो उन्हें सांत्वना देकर क्यों टरका दिया? लेकिन रेल मंत्रालय ने उनको कोई जवाब न देकर अपनी गलती स्वीकार की। चूंकि वे किसी से ईर्ष्या तो रखते ही नहीं थे, इसलिए जिसने रेल मंत्रालय का पहला पुरस्कार जीता था, उसे बधाई का पत्र भी नहीं डाला। उल्टे प्रथम पुरस्कार वाले ने उन्हें बधाई पत्र भेजा तो उन्होंने इसे अन्यथा लिया और बुरी तरह नाराज होकर बधाई पत्र को फाड़ दिया। मानवतावादी साहित्यकार होने से उन्होंने अपने लेखन में इनसानियत का शंखनाद खूब किया है। एक उपन्यास लिखा तो इतना अद्भुत कि प्रतिशोध की ज्वाला उसमें साफ झलकती दिखाई देती है, वे ईर्ष्या करते नहीं, लेकिन ईर्ष्यालु साहित्य विपुलता से रचते हैं। मेरे तो वे इतने अनन्य हैं कि गाहे-बगाहे मुझ पर लिख कर अपने भीतर की ईर्ष्या की आग को शांत करते रहते हैं। मैं उनके लिखे से सबसे ज्यादा डरता हूं।

आप का नज़रिया

शहरों का एकत्रिकृत विकास

शहर की चादर मैली हो गई, तेरी राह तकते-तकते। हर बार चुनाव के कान में शहर क्रंदन करता है, मगर इन आंसुओं की जुबान कोई नहीं पढ़ता, नतीजतन इसकी क्षमता अब विकरालता में बदल गई। कम से कम बीस शहर गिनती में ऐसे हैं, जिन्हें भविष्य की तस्वीर में सहेजना होगा। शहर के अंदर को बाहर तक पहुंचे शहर से मिलाना होगा। इस संदर्भ में अतीत के शहर को अपनी इमारतों का कंसोलिडेशन करना होगा। धूमल सरकार ने प्रशासनिक शहरों में संयुक्त भवन परिसर और कहीं-कहीं मिनी सचिवालयों का शुभ मुहूर्त किया, तो दफ्तर एक छत के नीचे आए। इसी संदर्भ में खाली इमारतों में शिमला के दफ्तर जिला स्तर पर आ रहे हैं, तो यह कदम आगे चलकर याद किया जाएगा। पहले हिल स्टेशन के मार्फत अंग्रेजों ने शहर बसाए थे या आर्मी स्टेशनों के वजूद में आने से शहरी जीवन विकसित हुआ। इसके बाद हिमाचल निर्माण की अवधारणा में प्रशासनिक शहरों का विकास शुरू हुआ, तो भूमि की उपलब्धता पर इमारतें बेडौल होती गईं। आज स्थिति यह है कि शहर के केंद्र बिंदु तो कहीं बाहर सरक गए, लेकिन ऐतिहासिक निशानियां गुम होने लगी हैं। आश्चर्य यह कि सरकारी इमारतें ही बेतरतीब विकास का हिस्सा बन गईं। यहां भूमि की उपलब्धता को विकास की व्यस्तता से तोला गया, तो राजनीति की रणभूमि फरियादी हो गई। ऐसे में अब शहरों का चेहरा बदलने की जरूरत है। नादौन बस स्टैंड की आधुनिक जरूरतों के लिए जब आसपास के सरकारी परिसरों को जोड़ लिया जाता है, तो इससे एकत्रिकृत विकास की मुहिम शुरू होती है। कुछ यही प्रेरणा ज्वालामुखी बस स्टैंड के नवनिर्माण को लेकर भी बन रही है, लेकिन अब हर शहर को अपना परिचय बदलने की जरूरत है। जरूरी यह नहीं कि हर शहर में मुकाम ढूंढा जाए, जरूरी यह है कि शहर में इंतजाम ढूंढा जाए। ऐसे में शहरी विकास योजनाओं के साथ दो या तीन शहरों के लिए एकत्रिकृत विकास के सेतु स्थापित किए जाएं। हमारे विधानसभाओं के क्षेत्रफल छोटे हैं अतः दो तीन मुख्यालयों के बीच विकास के कॉमन पूल बना कर किसी मध्य स्थल पर अदालती परिसर, सब्जी मंडियां, आवासीय बस्तियां, बस स्टैंड और स्थानीय ट्रांसपोर्ट नेटवर्क के नए मानचित्र पर गौर करना होगा। बड़े शहरों के बीच कर्मचारी शहर बसा कर भीड़ कम करनी होगी। मसलन शिमला-सोलन, पालमपुर-धर्मशाला, मंडी-बिलासपुर और ऊना-हमीरपुर के बीच कर्मचारी शहर बसाएं जाएं, तो शहरी आर्थिकी की वृद्धि के साथ-साथ, इन शहरों में कॉमन पूल के दफ्तर भी चल सकते हैं। प्रदेश के जेल एडमिनिस्ट्रेशन को भी अब पूरे राज्य में तीन बड़ी जेलों का विकास करना चाहिए। उदाहरण के लिए हमीरपुर, ऊना व कांगड़ा जिलों के लिए देहरा के आसपास बड़ी जेल विकसित करें, तो कैदियों का प्रबंधन उचित होने के साथ-साथ किफायत भी होगी। इसके अलावा बिलासपुर, मंडी, कुल्लू व लाहौल स्पीति तथा सोलन, शिमला, किन्नौर व सिरमौर के किसी मध्य स्थलों पर दो और बड़ी जेलें विकसित की जा सकती हैं। प्रदेश सरकार को केंद्र के कई विभागों की शहरों में उपस्थिति कम करके नए प्रस्ताव देने होंगे। पालमपुर के बीचोंबीच या धर्मशाला कैंट में अब सैन्य संपत्तियों का जमाव घटा कर इन्हें कहीं अन्यत्र स्थानांतरित करने की आवश्यकता है। इसी तरह धर्मशाला के बीचोंबीच पुलिस की संपत्तियां या बटालियन की मौजूदगी को कहीं अन्यत्र शिफ्ट करना पड़ेगा। ये तमाम कार्य राज्य के अपने एस्टेट विकास प्राधिकरण के मार्फत हो सकते हैं। शिक्षा, स्वास्थ्य व पुलिस को छोड़कर बाकी तमाम विभागों के लिए कार्यालय व आवासीय व्यवस्था अगर एक एस्टेट विकास प्राधिकरण के तहत हो, तो विकास के मायने तथा शहरीकरण के अनुशासन भी बदलेंगे।

शहर के अंदर को बाहर तक पहुंचे शहर से मिलाना होगा। इस संदर्भ में अतीत के शहर को अपनी इमारतों का कंसोलिडेशन करना होगा। धूमल सरकार ने प्रशासनिक शहरों में संयुक्त भवन परिसर और कहीं-कहीं मिनी सचिवालयों का शुभ मुहूर्त किया, तो दफ्तर एक छत के नीचे आए। इसी संदर्भ में खाली इमारतों में शिमला के दफ्तर जिला स्तर पर आ रहे हैं, तो यह कदम आगे चलकर याद किया जाएगा। पहले हिल स्टेशन के मार्फत अंग्रेजों ने शहर बसाए थे या आर्मी स्टेशनों के वजूद में आने से शहरी जीवन विकसित हुआ। इसके बाद हिमाचल निर्माण की अवधारणा में प्रशासनिक शहरों का विकास शुरू हुआ, तो भूमि की उपलब्धता पर इमारतें बेडौल होती गईं। आज स्थिति यह है कि शहर के केंद्र बिंदु तो कहीं बाहर सरक गए, लेकिन ऐतिहासिक निशानियां गुम होने लगी हैं। आश्चर्य यह कि सरकारी इमारतें ही बेतरतीब विकास का हिस्सा बन गईं। यहां भूमि की उपलब्धता को विकास की व्यस्तता से तोला गया, तो राजनीति की रणभूमि फरियादी हो गई। ऐसे में अब शहरों का चेहरा बदलने की जरूरत है। नादौन बस स्टैंड की आधुनिक जरूरतों के लिए जब आसपास के सरकारी परिसरों को जोड़ लिया जाता है, तो इससे एकत्रिकृत विकास की मुहिम शुरू होती है। कुछ यही प्रेरणा ज्वालामुखी बस स्टैंड के नवनिर्माण को लेकर भी बन रही है, लेकिन अब हर शहर को अपना परिचय बदलने की जरूरत है। जरूरी यह नहीं कि हर शहर में मुकाम ढूंढा जाए, जरूरी यह है कि शहर में इंतजाम ढूंढा जाए।

दृष्टि कोण

गुरु रविदास जी के किए गए प्रयोग

मध्यकालीन भक्ति आन्दोलन में कबीर, गुरु रविदास और गुरु नानकदेव जी की वाणी कालजयी मानी जाती है। गुरु रविदास जी की 650वीं जयन्ती के कार्यक्रम साल भर देश भर में किए जाएंगे। काशी में रहकर जिन्होंने जीवन भर श्रम, भक्ति और ज्ञान साधना की, ऐसे गुरु रविदास जी की 650वीं जयन्ती के अवसर पर, आज का भारत जिन समस्याओं से जूझ रहा है, उनको लेकर उनका का संदेश क्या हो सकता है, यह बहुत ही महत्वपूर्ण प्रश्न है। इतिहास भूतकाल को इंगित करता है। इतिहास को भूतकाल और वर्तमान का संवाद भी कहा जाता है। इसी संवाद से वर्तमान की समस्याओं को सुलझाने का रास्ता निकलता है। वर्तमान काल में उसकी प्रासंगिकता तभी होती है, यदि उनका मार्ग वर्तमान की समस्याओं के समाधान में सहायक हो सके। गुरु रविदास जी के योगदान के बारे में सामाजिक-सांस्कृतिक क्षेत्र के चिन्तक दत्तात्रेय होसबोले ने इसका संकेत दिया है। उनका कहना है, 'वर्तमान समय में जब विविध विभाजनकारी शक्तियां जनमानस को वर्ग और जाति के आधार पर बांटने का प्रयास कर रही हैं, तब गुरु रविदास जी के जीवन-संदेश के मर्म को समझकर हम सभी को देश और समाज की एकात्मता के लिए कार्य करने का संकल्प लेने की आवश्यकता है।' होसबोले के अनुसार मोटे तौर पर भारतीय समाज को बांटने वाले दो मुख्य कारक हैं। पहला कारक वर्ग है और दूसरा जाति है। इन दोनों कारकों से देश और समाज की एकात्मता भंग होती रही है। होसबोले ने बीमारी की पहचान तो सही की है। जब तक सही बीमारी पहचान में न आए, तब तक उसका इलाज सम्भव नहीं है। लेकिन भारतीय समाज को घुन की तरह लग गई इस बीमारी का जिम्मेदार कौन है? इसकी खोज भी जम्बू द्वीप में ही करनी होगी। इसका उल्लेख दत्तात्रेय होसबोले ने भी जिक्र किया है। दत्तात्रेय लिखते हैं, 'मुस्लिम आक्रमणकारियों के आतंक के उस कठिन काल में भक्ति की निर्मल धारा को प्रवाहित करते हुए संत श्री रविदास जी ने धर्म की श्रेष्ठता की उद्घोषणा की और लोगों से धर्मपालन का आग्रह किया। सद्गुरु संत श्री रविदास जी को भी इस्लाम में मतान्तरित करने के अनेक प्रयास हुए, किन्तु उनकी भक्ति और आध्यात्मिक साधना से प्रभावित होकर उन्हें मतांतरित करने वाले ही उनके अनुयायी बन गए।' इस्लाम पंथ के अनुयायी मुसलमानों का भारत से क्या संबंध है और उसका भारत में क्या परिणाम हुआ, इसको समझना जरूरी है। छठी शताब्दी में जम्बू द्वीप के अरब क्षेत्र में इस्लाम पंथ का उदय हुआ था। उससे पहले उसी क्षेत्र के आसपास याहोबा मत और ईसाई मत का उदय हुआ था। इस्लाम पंथ का उदय सबसे अन्त में हुआ। यह पंथ ज्ञान और अध्यात्म के क्षेत्र में भी संवाद को आधार न बना कर तलवार को आधार बनाने का पक्षधर था और उसका व्यावहारिक रूप में प्रयोग भी करता था। सातवीं शताब्दी के अन्त में अरबों ने सप्त सिन्धु क्षेत्र से भारत पर आक्रमण किया। सिन्ध को जीतने के बाद अरबों ने वहां अपने इलाके के नए इस्लाम पंथ का सिन्ध में प्रचार करने के लिए तलवार का प्रयोग किया। आधिभौतिक क्षेत्र के प्रश्नों पर विचार करने के लिए भारत में संवाद की प्रचलित सनातन परम्परा थी। इसलिए अरबों की भौतिक चुनौती का मुकाबला तो किया जा सकता था और अरबों के हमलों से पहले भी यूनान और शक-हूणों के हमलों का मुकाबला भारतीयों ने किया ही था। लेकिन अध्यात्म के क्षेत्र में तलवार का प्रयोग भारतीयों ने पहली बार देखा था। भारत के विभिन्न समुदाय अपने अपने खोल में सिमट गए।

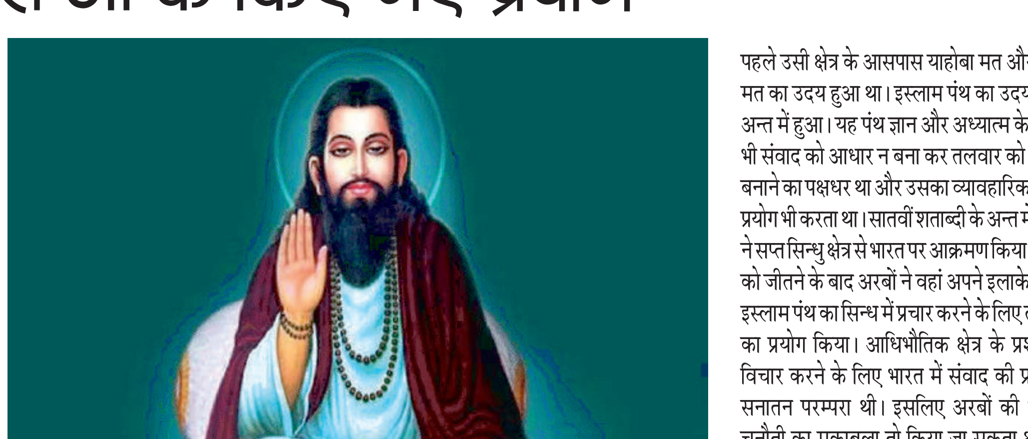

दिल्ली प्रो वालीबाल लीग का लक्ष्य खिलाड़ियों को आर्थिक स्थिरता व पहचान दिलाना :जसोदा गुलिया

नई दिल्ली

खिलाड़ियों को केंद्र में रखकर तैयार की गई दिल्ली प्रो वालीबाल लीग (डीवीपीएल) का उद्देश्य वालीबाल खिलाड़ियों को सिर्फ जुनून के लिए खेलने तक सीमित न रखते हुए उन्हें पेशेवर विकास, आर्थिक स्थिरता और दीर्घकालिक पहचान दिलाना है।

इस साल जनवरी में घोषित की गई दिल्ली प्रो वालीबाल लीग को दिल्ली वालीबाल एसोसिएशन और दिल्ली ओलंपिक एसोसिएशन का समर्थन प्राप्त है। यह लीग एक संरचित, पेशेवर और स्थायी प्लेटफार्म के रूप में तैयार की जा रही है, जो राजधानी में वालीबाल प्रतिभाओं को नया अवसर देगी।

पूर्व वालीबाल खिलाड़ी नीति रावत और जसोदा गुलिया इस लीग की तैयारियों में सक्रिय भूमिका निभा रही हैं। यह भारत की पहली महिला-नेतृत्व वाली प्रोफेशनल वालीबाल लीग होगी, जिसे खिलाड़ियों द्वारा खिलाड़ियों के लिए बनाया जा रहा है।

नीति रावत, जिन्हें खेल प्रसारण और मीडिया में व्यापक अनुभव है, लीग की पहुंच बढ़ाने और दर्शकों से जुड़ाव मजबूत करने में अहम भूमिका निभाएंगी। वहीं, जसोदा गुलिया का वित्त और रणनीतिक योजना में अनुभव इस लीग को एक मजबूत और टिकाऊ खेल व्यवसाय के रूप में विकसित करने में मदद करेगा, जिससे निवेश, प्रायोजन और फ्रेंचाइज़ी भागीदारी को बढ़ावा मिलेगा।

नीति रावत ने कहा, डीवीपीएल भारत में वालीबाल को देखने और अनुभव करने के तरीके को बदलने का एक आंदोलन है। एक खिलाड़ी के रूप में हमने इस खेल की यात्रा को करीब से जिया है और इसकी अपार संभावनाओं को समझते हैं। हम जानते हैं कि यह आज कहां खड़ा है और इसे कहां होना चाहिए, और हम इस अंतर को भरने के लिए प्रतिबद्ध हैं। जसोदा गुलिया ने कहा, यह लीग ऐसे भविष्य के निर्माण के लिए है, जहां खिलाड़ी सिर्फ जुनून के लिए नहीं, बल्कि पेशेवर विकास, आर्थिक स्थिरता और पहचान के साथ खेल सकें। हमारे लिए यह केवल खेल नहीं, बल्कि जीवन का हिस्सा रहा है, इसलिए हम खिलाड़ियों की हर जरूरत और चुनौती को भली-भांति समझते हैं। डीवीपीएल का लक्ष्य एक व्यापक खेल पारिस्थितिकी तंत्र तैयार करना है, जिसमें खिलाड़ी विकास, पेशेवर प्रशिक्षण, प्रतिस्पर्धात्मक अनुभव और मीडिया व प्रसारण के जरिए बेहतर पहचान शामिल हो। साथ ही, यह लीग खेल प्रशासन में महिलाओं की भागीदारी को बढ़ावा देकर एक समावेशी माडल स्थापित करना चाहती है।

न्यूज ब्रीफ

आईपीएल 2026: आरेंज कैप की रेस में तीसरे स्थान पर पहुंचे संजू सैमसन, पर्पल कैप फिर अंशुल कंबोज के पास

नई दिल्ली। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 में चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) ने मुंबई इंडियंस (एमआई) को 103 रन से हराकर बड़ी जीत दर्ज की, जिसके बाद आरेंज कैप और पर्पल कैप की दौड़ में भी अहम बदलाव देखने को मिले। आरेंज कैप की रेस में संजू सैमसन तीसरे स्थान पर पहुंच गए हैं। सैमसन ने अब तक टूर्नामेंट में दो शतक लगाए हैं और उनके कुल रन 293 हो गए हैं। हालांकि, सनराइजर्स हैदराबाद (एसआरएच) के अभिषेक शर्मा (323 रन) और हेनरिक क्लासेन (320 रन) अभी भी पहले और दूसरे स्थान पर बने हुए हैं। आरेंज कैप की सूची में शुभमन गिल 265 रन के साथ चौथे स्थान पर हैं, जबकि विराट कोहली 247 रन के साथ छठे और रजत पाटीदार 230 रन के साथ नौवें स्थान पर मौजूद हैं। आगामी मुकाबलों में इन खिलाड़ियों की रैंकिंग में बदलाव संभव है। वहीं, पर्पल कैप की रेस में चेन्नई सुपर किंग्स के अंशुल कंबोज ने फिर से शीर्ष स्थान हासिल कर लिया है। उन्होंने मुंबई के खिलाफ मैच में 3 ओवर में 10 रन देकर 1 विकेट लिया और कुल 14 विकेट के साथ पहले स्थान पर पहुंच गए। लखनऊ सुपर जायंट्स (एलएसजी) के प्रिंस यादव 13 विकेट के साथ दूसरे स्थान पर हैं, जबकि एसआरएच के ईशान मलिंगा और गुजरात टाइटंस (जीटी) के प्रसिद्ध कृष्णा 12-12 विकेट के साथ क्रमशः तीसरे और चौथे स्थान पर बने हुए हैं।

मैड्रिड ओपन में राफेल नडाल की खास वापसी, बर्नाबिउ स्टेडियम में खेला फ्रेंडली मुकाबला

मैड्रिड। स्पेन के दिग्गज टेनिस खिलाड़ी राफेल नडाल एक बार फिर टेनिस कोर्ट पर नजर आए, जब उन्होंने मैड्रिड ओपन के दौरान सैंटियागो बर्नाबिउ स्टेडियम में बने अस्थायी कोर्ट पर हिस्सा लिया। मैड्रिड ओपन के आयोजकों ने बर्नाबिउ स्टेडियम के मैदान पर अस्थायी टेनिस कोर्ट तैयार किया है, जहां खिलाड़ी 30 अप्रैल तक अभ्यास कर सकेंगे। हाल ही में संन्यास ले चुके नडाल, जो रियल मैड्रिड के बड़े प्रशंसक हैं, इस टूर्नामेंट के सबसे सफल खिलाड़ी रहे हैं और उन्होंने इसे पांच बार जीता है। इस खास मौके पर नडाल ने रियल मैड्रिड के गोलकीपर थिबो कूर्तुआ के साथ मिलकर एक फ्रेंडली सत्र में हिस्सा लिया, जिसमें उनके सामने विश्व नंबर एक यानिक सिनर और रियल मैड्रिड के मिडफील्डर जूड बेलिंघम की जोड़ी थी। बेलिंघम इससे पहले बुधवार को मैड्रिड ओपन में मौजूद थे, जहां उन्होंने युवा स्पेनिश खिलाड़ी राफेल जोदार का मुकाबला देखा, जिन्होंने टूर्नामेंट में अपना डेब्यू किया। हालांकि मुख्य मुकाबले स्पेन की राजधानी स्थित काजा मागिका में खेले जा रहे हैं।

शुरुआती विकेट गंवाना बना हार का कारण : पांड्या

मुम्बई। मुम्बई इंडियंस के कप्तान हार्दिक पांड्या ने चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के खिलाफ मिली हार पर निराशा जतायी है। मुम्बई की ये लगातार पांचवीं हार है। इसके लिए पांड्या ने टीम की खराब बल्लेबाजी पर निराशा जतायी है। उनका कहना है कि पावरप्ले में ही शुरुआती विकेट गिरने से मुम्बई को नुकसान हुआ। सीएसके की जीत में संजू सैमसन के शतक के साथ ही स्पिनर अकील हुसैन की घातक गेंदबाजी की भी अहम भूमिका रही है। सीएसके के हाथों मुम्बई को 103 रनों से बड़ी हार का सामना करना पड़ा है। इस जीत से जहां सीएसके छह अंक लेकर तालिका में पांचवें स्थान पर पहुंच गई है, वहीं मुंबई इंडियंस चार अंकों के साथ आठवें स्थान पर फिसल गई है। इस मैच में पहले बल्लेबाजी करते हुए सीएसके ने सैमसन के नाबाद 101 रनों की पारी से 20 ओवर में 6 विकेट पर 207 रन बना दिये। इसके बाद लक्ष्य का पीछा करते हुए मुंबई इंडियंस केवल 104 रन ही बना पायी। यह मुंबई इंडियंस की आईपीएल इतिहास में रनों के मामले में इतनी बड़ी हार है। पांड्या ने कहा, पावरप्ले में शुरुआती विकेट खोना टीम के लिए नुकसानदेह रहा।

विराट कोहली की धांसू पारी के आगे फीका पड़ा सुदर्शन का शतक सबसे बड़ा स्कोर बनाकर भी बुरी तरह हारी गुजरात

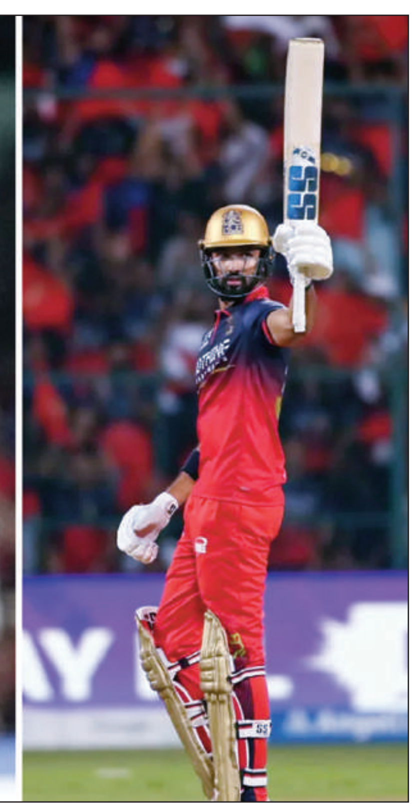

बेंगलुरुः आईपीएल 2026 के हाईवोल्टेज मुकाबले में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु की टीम ने बेहद आसानी से गुजरात टाइटंस को 5 विकेट से हरा दिया। इस मैच में पहले बैटिंग करते हुए साई सुदर्शन के शतक के दम पर गुजरात ने बोर्ड पर 205 रन लगाए थे। लेकिन इस टारगेट को चेज आरसीबी ने 19वें ओवर में ही कर दिया। आरसीबी की जीत के सबसे बड़े हीरो विराट कोहली रहे, जिन्होंने 44 गेंदों पर 81 रनों की बेहतरीन पारी खेली। 7 मैचों में ये आरसीबी की 5वीं जीत है और अब वे टेबल में दूसरे नंबर पर पहुंच चुके हैं।

विराट कोहली की पारी से जीती आरसीबी

आरसीबी ने 206 रन के टारगेट का पीछा बेहद धांसू अंदाज में किया। जेकब बेथल 10 गेंद पर 14 रन बनाकर जरूर आउट हो गए, लेकिन विराट कोहली ने देवदत्त पडिक्कल के साथ मिलकर 59 गेंद पर 115 रन की पार्टनरशिप कर दी और इस मैच में आरसीबी को बहुत आगे कर दिया।

पडिक्कल 27 गेंदों पर 55 रन की बेहतरीन पारी खेलकर आउट हुए। वहीं विराट ने 81 रन की पारी में 8 चौके और 4 छक्के लगाए। इसके अलावा आखिर में क्रुणाल पंड्या ने नाबाद 23 रन की पारी खेलकर अपनी टीम के लिए मैच को खत्म किया। गुजरात के लिए राशिद खान ने सबसे ज्यादा 2 विकेट हासिल किए।

गुजरात ने बनाए 205 रन

इससे पहले बल्लेबाजी करते हुए जीटी ने 20 ओवर में 3 विकेट गंवाकर स्कोरबोर्ड पर 205 रन लगाए। आरसीबी के कप्तान रजत पाटीदार ने टॉस जीतकर गुजरात टाइटंस को पहले बल्लेबाजी करने का न्योता दिया। जीटी की शुरुआत कमाल की रही और शुभमन गिल और साई सुदर्शन ने पहले विकेट के लिए शतकीय साझेदारी निभाई। दोनों सलामी बल्लेबाजों ने मिलकर 12.4 ओवर में 128 रन जोड़े।

गिल और सुदर्शन ने किया कमाल

गिल एंकर की भूमिका निभाते हुए नजर आए, तो साई सुदर्शन ने आक्रामक अंदाज में बल्लेबाजी की। गिल 24 गेंदों में 32 रन बनाने के बाद सुयश शर्मा का शिकार बने। हालांकि, सुदर्शन ने अपनी शानदार बल्लेबाजी जारी रखी और 57 गेंदों में अपना शतक पूरा किया। सुदर्शन ने 172 के स्ट्राइक रेट से खेलते हुए 58 गेंदों में 100 रनों की लाजवाब पारी खेली। अपनी इस पारी में उन्होंने 11 चौके और 5 छक्के लगाए। वहीं, नंबर तीन पर बल्लेबाजी करने उतरे जोस बटलर ने 16 गेंदों का सामना करते हुए 25 रनों का योगदान दिया।

होल्डर ने खत्म किया मैच

वॉशिंगटन सुंदर 12 गेंदों में 19 रन बनाकर नाबाद रहे। वहीं, जेसन होल्डर ने अंतिम ओवरों में तूफानी अंदाज में बल्लेबाजी करते हुए महज 10 गेंदों में 230 के स्ट्राइक रेट से खेलते हुए नाबाद 23 रन बनाए। अपनी इस पारी में उन्होंने एक चौका और 2 छक्के लगाए। गेंदबाजी में आरसीबी की ओर से भुवनेश्वर कुमार, जोश हेजलवुड और सुयश शर्मा ने एक-एक विकेट अपने नाम किया।

दिल्ली कैपिटल्स की ओर से एक मई के मैच में खेल सकते हैं स्टार्क

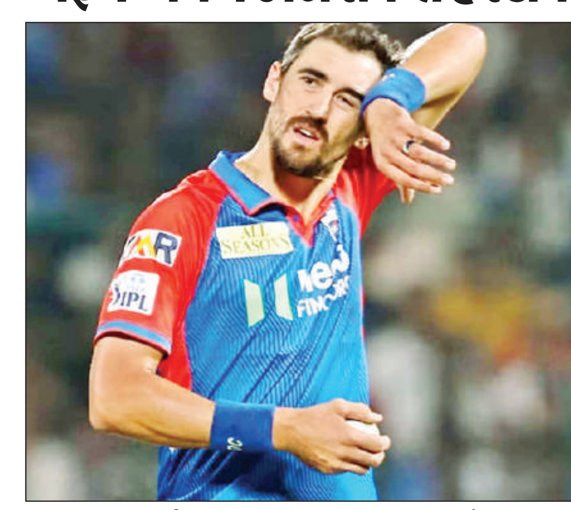

सिडनी

आस्ट्रेलियाई तेज गेंदबाज मिचेल स्टार्क अब अपनी चोट से उबर गये हैं और सब कुछ ठीक रहा तो एक मई को होने वाले मैच में दिल्ली कैपिटल्स की ओर से उतरेंगे। स्टार्क को क्रिकेट आस्ट्रेलिया (सीए) ने आईपीएल में खेलने की अनुमति मिल गयी है। स्टार्क की वापसी से दिल्ली कैपिटल्स की गेंदबाजी बेहतर होगी। टीम का इस सत्र में मिला-जुला प्रदर्शन रहा है। ऐसे में उसके लिए स्टार्क का आना लाभदायक रहेगा। स्टार्क को बिग बैश लीग के दौरान कंधे और कोहनी में चोट लगी थी, जिसने उन्हें लंबे समय तक खेल से दूर रखा। हालांकि, अब वह पूरी तरह से फिट हो चुके हैं और सिडनी में कड़ी ट्रेनिंग के जरिए अपने वर्कलोड को धीरे-धीरे बढ़ा रहे हैं। उनकी फिटनेस पर लगातार नजर रखी जा रही थी और अब मेडिकल टीम ने उन्हें हरी झंडी दे दी है।

रिपोर्ट्स के मुताबिक, मिचेल स्टार्क 25 अप्रैल तक दिल्ली पहुंचें सकते हैं। इसके बाद वह भारतीय हालातों के अनुरूप अपने को ढालने और टीम के साथ तालमेल बिठाने में कुछ समय लेंगे। ऐसे में वह 1 मई को राजस्थान रायल्स के खिलाफ होने वाले महत्वपूर्ण मुकाबले में चयन के लिए उपलब्ध हो सकते हैं। यह मुकाबला टीम के लिए बेहद अहम होगा और स्टार्क की मौजूदगी निश्चित रूप से विरोधियों पर दबाव डालेगी।वह 25 अप्रैल को पंजाब किंग्स और 27 अप्रैल को रायल चैलेंजर्स बेंगलुरु के खिलाफ होने वाले मुकाबलों में नहीं खेल पाएंगे। उनकी वापसी के बाद टीम प्रबंधन को एक विदेशी खिलाड़ी को बाहर करना पड़ेगा। संभावना है कि टीम ओपनर पथुम निसांका को बाहर होना पड़े। जिससे ताकि स्टार्क को अंतिम एकादश में जगह मिल सके। हालांकि, ट्रिस्टन स्टब्स, डेविड मिलर और लुंगी एनगिडी में से किसी को बाहर किये जाने की संभावना नहीं है। पिछले सीज़न में मिचेल स्टार्क ने 11 मैचों में 14 विकेट हासिल किए थे, जिसमें सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ उनका 5 विकेट का शानदार प्रदर्शन भी शामिल था। हालांकि, उस सीज़न में उनका इकानमी रेट 10 से ज़्यादा रहा था, जो कि टी20 प्रारूप में थोड़ा चिंताजनक माना जाता है। इस सीज़न दिल्ली कैपिटल्स का प्रदर्शन अब तक मिला-जुला रहा है।

कंबोज, प्रिंस तैसे गेंदबाज राउंड द विकेट गेंदबाजी कर बल्लेबाजों पर बना रहे दबाव

मुम्बई। इंडियपन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में युवा क्रिकेटरों ने कई प्रचलित धारणाओं को पीछे छोड़ दिया है। अंशुल कंबोज, प्रिंस यादव और विजयकुमार युवा गेंदबाजों ने दिखाया है कि कैसे राउंड द विकेट गेंदबाजी कर बल्लेबाजों पर कैसे दवाब बनाया जा सकता है। वहीं आम तौर पर माना जाता है कि दायें हाथ के बल्लेबाज को ओवर द विकेट गेंदबाजी की जाती है। इस सत्र में डेथ ओवर्स के दौरान राउंड द विकेट आना एक बड़ी रणनीति बनकर उभरा है। राउंड द विकेट के दौरान गेंदबाज एक ऐसा कोण बनता है जिससे कि बल्लेबाज के पास शाट खेलने के लिए पूरी जगह नहीं बचती है। अगर बल्लेबाज आफ-स्टंप की तरफ बढ़ता भी है, तो भी गेंदबाज के पास गेंद को और बाहर की तरफ स्विंग कराने या कटर कराकर उसे आउट करने का अवसर रहता है। इसी कौशल का कंबोज, प्रिंस और विजयकुमार ने काफी अच्छा इस्तेमाल किया है। इन गेंदबाजों ने राउंड द विकेट से फेंकी गई सटीक यार्कर से बल्लेबाज को खेलने का कोई अवसर नहीं दिया है।

आस्ट्रेलिया पहुंचकर इलाज कर रहे कानोली

चंडीगढ

आईपीएल अंक तालिका में नंबर एक पर चल रही पंजाब किंग्स को बड़ा झटका लगा है। उसके बल्लेबाज आस्ट्रेलिया के कूपर कानोली चोटिल हो गये हैं। कूपर कानोली पीठ की चोट के कारण टूर्नामेंट बीच में ही छोड़कर स्वदेश लौट गए हैं। कानोली ने खुद सोशल मीडिया के माध्यम से अपने प्रशंसकों को इस खबर की पुष्टि की। उन्होंने बताया कि वह आस्ट्रेलिया पहुंच चुके हैं और अपनी चोट का प्रबंधन कर रहे हैं पर साथ ही कहा कि जैसे ही वह फिट होने पंजाब की टीम से जुड़ जाएंगे। कानोली ने इस सत्र में जबरदस्त प्रदर्शन किया है। जिससे उनकी कमी टीम को खलेगी।

कानोली ने अपनी आक्रामक शैली और मैच जिताने की क्षमता का प्रदर्शन किया। पंजाब किंग्स के लिए, कानोली इस सीजन के सबसे बड़े मैच विजेताओं में से एक बनकर उभरे थे। उन्होंने कई महत्वपूर्ण पारियां खेलीं, जिसमें गुजरात टाइटन्स के खिलाफ नाबाद 72 रन की पारी रही है, जिसने टीम को एक कठिन लक्ष्य का पीछा करने में मदद की। इसके अतिरिक्त, लखनऊ सुपर जायंट्स (एलएसजी) के खिलाफ उनकी 87 रन की तेज पारी ने भी टीम को दबाव की स्थिति से निकालकर जीत दिलायी। पंजाब किंग्स ने मौजूदा सीजन में अब तक शानदार प्रदर्शन किया है। उन्होंने 6 में से 5 मुकाबले जीते हैं और आत्मविश्वास से लबरेज होकर अंक तालिका में शीर्ष पर काबिज हैं।

कानोली जैसे प्रभावशाली आलराउंडर की अनुपस्थिति निश्चित रूप से टीम के संतुलन और रणनीति पर असर डालेगी। उनकी धमाकेदार बल्लेबाजी की कमी टीम को मध्य क्रम में महसूस हो सकती है, और उनकी जगह भरना कप्तान और टीम प्रबंधन के लिए एक बड़ी चुनौती होगी। टीम को अब ऐसे खिलाड़ी की तलाश होगी जो उनकी आक्रामक बल्लेबाजी और जरूरत पड़ने पर गेंदबाजी की भूमिका को कुछ हद तक पूरा कर सके।

स्पोर्टस सिटी धर्मशाला में 27 अप्रैल से होगा फुटबाल टूर्नामेंट का आगाज़

धर्मशाला

स्पोर्टस सिटी धर्मशाला के पुलिस ग्राउंड में 27 अप्रैल से देश भर के फुटबाल खिलाड़ी जुटेंगे। वीर शहीदों की स्मृति और खेल भावना को समर्पित अखिल भारतीय शहीद मेजर दुर्गा मल्ल एवं कैप्टन दल बहादुर थापा मेमोरियल गोल्ड कप फुटबाल टूर्नामेंट का 38वां संस्करण 27 अप्रैल से 3 मई तक आयोजित किया जा रहा है। वर्ष 1989 से निरंतर आयोजित होने वाला यह प्रतिष्ठित टूर्नामेंट न केवल देश भर की श्रेष्ठ टीमों को एक मंच प्रदान करता है, बल्कि यह आयोजन हमारी आजादी के वीर नायकों को सच्ची श्रद्धांजलि भी है। प्रतियोगिता का शुभारंभ धर्मशाला विधानसभा क्षेत्र के पूर्व कांग्रेस प्रत्याशी व पूर्व मेयर देवेंद्र जग्गी करेंगे। वहीं, 3 मई को समापन समारोह के दौरान सांसद डा. राजीव भारद्वाज और स्थानीय विधायक मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहकर विजेताओं को सम्मानित करेंगे।

सांस्कृतिक धरोहर और शहादत का संगम – एसोसिएशन के अध्यक्ष पालम जंग प्रधान ने बताया कि आजादी के अमृत काल में इस आयोजन का महत्व और बढ़ गया है। उन्होंने कहा कि यह टूर्नामेंट युवाओं को देशभक्ति और अनुशासन से जोड़ने का सशक्त माध्यम है। इस कड़ी में एक मई को धर्मशाला महाविद्यालय के सभागार में एक विशेष सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। इसमें स्थानीय कला को बढ़ावा देते हुए नेपाली-गोरखाली नृत्य और कांगड़ा का प्रसिद्ध झमाकड़ा प्रस्तुत किया जाएगा। साथ ही, वीर शहीदों के जीवन और बलिदान पर आधारित एक प्रेरणादायक डाक्यूमेंट्री भी दिखाई जाएगी।

देश की 14 बेहतरीन टीमें होंगी शुमार – टूर्नामेंट में इस बार देश की 14 प्रमुख टीमें हिस्सा ले रही हैं। इनमें आरबीआई मुंबई, कस्टम दिल्ली, सीआईएसएफ, राजस्थान पुलिस, 16 गढ़वाल राइफल्स, 2 गढ़वाल राइफल्स, 3/5 गोरखा राइफल्स, 5/5 गोरखा राइफल्स, खालसा क्लब अमृतसर, डू-लाइक स्पोर्टस क्लब जालंधर, जेसीटी फगवाड़ा, आरसीएफ कपूरथला और एचपीएफए शामिल हैं। मेजबान टीम के रूप में धर्मशाला की स्थानीय टीम भागसू इलेवन भी मैदान में उतरेगी।

अंडर-19 इंटर स्कूल मुकाबले भी होंगे टूर्नामेंट का हिस्सा – एसोसिएशन के अध्यक्ष ने बताया कि गोल्ड कप फुटबाल टूर्नामेंट के साथ इस वर्ष धर्मशाला व आसपास के क्षेत्रों में स्थित 11 स्कूलों के बीच अंडर-19 प्रतियोगिता भी आकर्षण का केंद्र होगी। इसमें इंटरनेशनल सहज पब्लिक स्कूल (टालनू), सेक्रेड हार्ट स्कूल (सिद्धपुर), अचीवर्स हब (दाड़ी), आधुनिक पब्लिक स्कूल, इंटरनेशनल पब्लिक स्कूल, टीसीवी स्कूल, दयानंद पब्लिक स्कूल, हाइलैंड पब्लिक स्कूल, डीपीएस कांगड़ा और जीएसएसएस खनियारा खास व शाहपुर के युवा खिलाड़ी अपना कौशल दिखाएंगे।

ग्राहक अब आटोमैटिक गियरबाक्स वाली कारों की ओर कर रहे रुख

नई दिल्ली

भारतीय ग्राहक अब आटोमैटिक गियरबाक्स वाली कारों की ओर रुख कर रहे हैं। इसी कडी में अगर ग्राहक असली आटोमैटिक ड्राइविंग अनुभव और बेजोड़ ड्यूरेबिलिटी चाहते हैं, तो टार्क कन्वर्टर गियरबाक्स सबसे बेहतर विकल्प है। रुपए 15 लाख से कम बजट में भी कई दमदार एसयूवी इस तकनीक के साथ उपलब्ध हैं, जो आरामदायक और परेशानी मुक्त ड्राइविंग सुनिश्चित करती हैं।

इस सूची में मारुति सुजुकी फ्रान्क्स अकेली माइक्रो-एसयूवी शामिल है। इस कार की खासियत है इसका 1.0-लीटर बूस्टरजेट टर्बो-पेट्रोल इंजन, जो 6-स्पीड टार्क कन्वर्टर आटोमैटिक ट्रांसमिशन के साथ आता है। यह सेटअप दमदार मिड-रेंज परफार्मेंस और त्वरित प्रतिक्रिया प्रदान करता है, जो मारुति की एएमटी इकाइयों के मुकाबले काफी बेहतर ड्राइविंग अनुभव देता है। काम्पैक्ट आकार, हल्का स्टीयरिंग और बेहतरीन माइलेज फ्रान्क्स को उन सिटी बायर्स के लिए बेस्ट आप्शन बनाते हैं, जो फुली काम्पैक्ट एसयूवी खरीदे बिना परफार्मेंस चाहते हैं।

भारत में स्कोडा कायलाक सबसे अधिक बिकने वाली स्कोडा कार है। इसमें कंपनी टर्बो-पेट्रोल इंजन के साथ 6-स्पीड टार्क कन्वर्टर आटोमैटिक ट्रांसमिशन आफर कर रही है। यह संयोजन प्रदर्शन और विश्वसनीयता का बेहतरीन संतुलन प्रदान करता है, जिससे डीसीटी में अक्सर पाई जाने वाली धीमी गति की हिचकिचाहट से बचा जा सकता है। कायलाक बेहतरीन राइड क्वालिटी और स्टेबल हाईवे परफार्मेंस भी देती है, जिससे यह उन ग्राहकों के लिए कमाल का आप्शन है जो प्रीमियम कीमत चुकाए बिना यूरोपीय ड्राइविंग का एक्सपीरियंस चाहते हैं।

वहीं मारुति सुजुकी ब्रेजा इस सेगमेंट की एकमात्र काम्पैक्ट एसयूवी है जो नेचुरली एस्पिरेटेड पेट्रोल इंजन और टार्क कन्वर्टर आटोमैटिक ट्रांसमिशन का विकल्प देती है। इसका 1.5-लीटर का पेट्रोल इंजन भले ही उतना एक्साइटिंग न हो, लेकिन यह विश्वसनीय और परिष्कृत है।

ब्रेजा की ताकत इसकी सरलता में है; इसमें न टर्बोचार्जर है, न काम्प्लेक्स इलेक्ट्रानिक्स, बस एक स्मूथ एनए इंजन और एक भरोसेमंद आटोमैटिक गियरबाक्स, जो इसे लंबे समय तक स्वामित्व के लिए एक शानदार विकल्प बनाता है। डीजल एटी कारों की बढ़ती लोकप्रियता के बीच, किआ सानेट डीजल एटी सबसे किफायती और भरोसेमंद विकल्पों में से एक है। इसका 1.5-लीटर डीजल इंजन 6-स्पीड टार्क कन्वर्टर के साथ मिलकर दमदार लो-एंड टार्क और हाईवे पर आरामदायक ड्राइव सुनिश्चित करता है। खास बात यह है कि सानेट एफवाय 2026 में एक लाख यूनिट्स का आंकड़ा पार करने वाली किया की अकेली कार थी।

न्यूज ब्रीफ

वनप्लस नार्ड सीई 6 लान्च से पहले गीकबेंच पर दिखाः जानें संभावित फीचर्स

नई दिल्ली। वनप्लस अपनी नार्ड सीरीज में एक नया स्मार्टफोन, वनप्लस नार्ड सीई 6 जल्द ही लान्च कर सकता है। लान्च से पहले यह स्मार्टफोन गीकबेंच बेंचमार्किंग वेबसाइट पर देखा गया है, जिससे इसके कई अहम फीचर्स सामने आए हैं।

लिस्टिंग के अनुसार, यह फोन क्वालकाम स्नैपड्रैगन 7एस जेन 4 प्रोसेसर, 8जीबी रैम और नवीनतम एंड्रायड 16 आपरेटिंग सिस्टम के साथ आ सकता है। यह माडल भारत और कुछ ग्लोबल मार्केट्स में पेश किए जाने की उम्मीद है और इसका माडल नंबर सीपीएच2805 बताया गया है। गीकबेंच लिस्टिंग से पता चलता है कि इसमें आक्टा-कोर प्रोसेसर दिया जाएगा, जिसकी बेस क्लाक स्पीड 1.80जीएचजेड होगी। प्रोसेसर की जानकारी के आधार पर माना जा रहा है कि इसमें क्वालकाम स्नैपड्रैगन 7एस जेन 4 चिपसेट मिलेगा, जो हाल ही में लान्च हुए मोटोरोला एज 70 फ्यूजन और वीवो टी5 प्रो जैसे स्मार्टफोन्स में भी देखने को मिला है। यह चिपसेट अच्छी परफार्मेंस और स्मूथ मल्टीटास्किंग देने में सक्षम हो सकता है। फोन में करीब 7.21जीबी रैम दिखाई गई है, जिसे मार्केट में 8जीबी रैम के रूप में पेश किया जा सकता है। यह स्मार्टफोन एंड्रायड 16 पर काम करता हुआ नजर आया है और उम्मीद है कि इसमें वनप्लस का नया यूजर इंटरफेस आक्सीजनओएस 16 का सपोर्ट भी मिलेगा। गीकबेंच स्कोर की बात करें तो, इस फोन ने सिंगल-कोर टेस्ट में 1,101 अंक और मल्टी-कोर टेस्ट में 3,117 अंक हासिल किए हैं। तुलना के लिए, पिछले साल आए वनप्लस नार्ड सीई 5 ने सिंगल-कोर में 1,317 और मल्टी-कोर में 3,989 अंक हासिल किए थे। इससे अंदाजा लगाया जा रहा है कि वनप्लस नार्ड सीई 6 की परफार्मेंस पिछले माडल के आसपास ही रह सकती है। हालांकि, नया चिपसेट और एंड्रायड 16 इसे बेहतर यूजर एक्सपीरियंस दे सकते हैं। फिलहाल कंपनी ने वनप्लस नार्ड सीई 6 की लान्च डेट की आधिकारिक घोषणा नहीं की है, लेकिन गीकबेंच पर इसकी मौजूदगी से साफ है कि लान्च ज्यादा दूर नहीं है।

एप्पल आईओएस 27 के साथ सिरी को बनाएगा चैटजीपीटी जैसा स्मार्ट

नई दिल्ली। एप्पल अपने आईफोन यूजर्स के लिए आईओएस 27 के साथ सिरी में बड़ा बदलाव लाने की तैयारी कर रहा है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, कंपनी डब्ल्यूडब्ल्यूडीसी 2026 इवेंट में नए सिरी का पहला आधिकारिक प्रीव्यू दिखा सकती है। इस बार सिरी सिर्फ डिजाइन में ही नहीं, बल्कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) फीचर्स के मामले में भी काफी ज्यादा स्मार्ट हो सकता है, जैसा हाल ही में आई एक रिपोर्ट में बताया है। यह नया सिरी इंटरफेस एक ग्लोइंग इफेक्ट के साथ आएगा, खासकर डार्क मोड में यह और भी आकर्षक दिखेगा। सिरी का डायनामिक आइलैंड के साथ सीधा इंटीग्रेशन एक बड़ा बदलाव होगा। यानी जब यूजर सिरी को एक्टिव करेगा, तो डायनामिक आइलैंड का पिल-शेप्ड हिस्सा बड़ा हो जाएगा और वहां सर्च आर आस्क जैसा प्राम्प्ट दिखाई दे सकता है। इसके साथ एक ग्लोइंग कर्सर भी दिखेगा, जिससे सिरी का इस्तेमाल पहले से ज्यादा इंटरैक्टिव लगेगा। रिपोर्ट्स में यह भी कहा गया है कि एप्पल एक नया स्टैंडअलोन सिरी ऐप भी ला सकता है, जहाँ यूजर्स अपनी पुरानी बातचीत देख सकेंगे और सिरी एवं स्पाटलाइट सर्च के बीच बेहतर कनेक्शन मिलेगा।

इंफोसिस का मुनाफा 21 फीसदी बढ़ा, ग्रोथ अनुमान में नरमी, कमजोर आय अनुमान के चलते एडीआर में गिरावट

मुंबई। देश की प्रमुख आईटी कंपनी इन्फोसिस ने वित्त वर्ष 2026 की चौथी तिमाही में 8,501 करोड़ रुपये का मुनाफा दर्ज किया, जो पिछले वर्ष की समान तिमाही से 21 फीसदी अधिक है। कंपनी की आय भी 13.4 फीसदी बढ़कर 46,402 करोड़ रुपये रही, जो अनुमान से बेहतर है।

हालांकि, अगले वित्त वर्ष 27 के लिए आय वृद्धि का कमजोर अनुमान (1.5-3.5 फीसदी) जारी करने के बाद अमेरिका में कंपनी के एडीआर में 5.64 फीसदी की गिरावट देखी गई। लाइफ साइंसेज और कम्युनिकेशंस खंड के बेहतर प्रदर्शन से कंपनी को बढ़त मिली। इस तिमाही में इन्फोसिस की स्थिर मुद्रा आय वृद्धि 4.1 फीसदी रही, जो देश की शीर्ष पांच आईटी सेवा कंपनियों में सबसे बेहतर है। इन्फोसिस के एक अधिकारी ने स्पष्ट किया कि आय वृद्धि का यह सतर्क अनुमान कुछ अधिग्रहीत कंपनियों की आय को शामिल नहीं करता है, जिनकी मंजूरी अभी बाकी है। कंपनी ने वित्त वर्ष 2026 की चौथी तिमाही में 3.2 अरब डालर के बड़े सौदे किए।

एयू बैंक ने जमाकर्ताओं को दी सौगात एफडी और बचत खातों पर बढ़ाया ब्याज

वरिष्ठ नागरिकों को अब मिलेगा 7.75% तक रिटर्न, नई दरें प्रभावी

मुंबई/इंदौर

देश के अग्रणी स्माल फाइनेंस बैंक, एयू स्माल फाइनेंस बैंक ने अपने ग्राहकों के लिए निवेश पर मुनाफे का पिटारा खोल दिया है। बैंक ने सेविंग्स अकाउंट (बचत खाता), फिक्स्ड डिपाजिट (एफडी) और रिकरिंग डिपाजिट (आरडी) की ब्याज दरों में बढ़ोतरी करने का निर्णय लिया है। संशोधित दरें गुरुवार, 23 अप्रैल 2026 से लागू हो गई हैं। बैंक द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार, इस निर्णय का सबसे बड़ा लाभ वरिष्ठ नागरिकों को मिलेगा। अब सीनियर सिटिज़न्स को टर्म डिपाजिट पर सालाना अधिकतम 7.75 प्रतिशत तक ब्याज प्राप्त होगा। वहीं, बैंक ने बचत खातों (सेविंग्स अकाउंट) पर भी दरों को बढ़ाकर अधिकतम 6.75 प्रतिशत प्रति वर्ष कर दिया है। सामान्य ग्राहकों की बात करें तो उन्हें एफडी और आरडी पर अब अधिकतम 7.25 प्रतिशत तक का वार्षिक रिटर्न मिल सकेगा।

मध्यम अवधि के निवेश पर फोकस

यह संशोधन विशेष रूप से 12 से 36 महीनों की मध्यम अवधि की फिक्स्ड डिपाजिट और 36 महीनों तक की रिकरिंग डिपाजिट पर लागू किया गया है। बैंक का मानना है कि यह कदम उन निवेशकों के लिए बेहद फायदेमंद होगा जो सुरक्षित निवेश के साथ बेहतर लिक्विडिटी (तरलता) और सुनिश्चित रिटर्न की तलाश में हैं।

डिजिटल माध्यमों पर भी सुविधा

ये नई दरें बैंक के देशभर में फैले 2,726 बैंकिंग टचपाइंट्स के साथ-साथ डिजिटल प्लेटफार्म पर भी उपलब्ध होंगी। बैंक के नए और मौजूदा ग्राहक एयू 0101 ऐप, व्हाट्सऐप बैंकिंग और वीडियो बैंकिंग के जरिए घर बैठे इन बढ़ी हुई दरों का लाभ उठा सकेंगे। वर्तमान में बैंक का नेटवर्क 21 राज्यों और 4 केंद्र शासित प्रदेशों में मजबूती से फैला हुआ है।

शिशुओं की सेहत के लिए हिमालया बेबीकेयर ने जारी किया नया डीवीसी

इंदौर। शिशुओं की देखभाल के क्षेत्र में देश के विश्वसनीय ब्रांड हिमालया बेबीकेयर ने अपने मसाज आयल के लिए एक नया डिजिटल वीडियो विज्ञापन (डीवीसी) जारी किया है। यह फिल्म बचपन के शुरुआती दौर को एक ताजे और रोचक नज़रिए से पेश करती है। विज्ञापन के माध्यम से माता-पिता को संदेश दिया गया है कि शिशुओं के लिए बड़ा होना, वजन बढ़ाना और नए कौशल सीखना किसी चुनौतीपूर्ण कार्य से कम नहीं है। कहानी हास्यपूर्ण ढंग से उन प्रयासों को उजागर करती है, जो बच्चे अपनी व्यस्त दिनचर्या के दौरान करते हैं। हिमालया वेलनेस कंपनी के बेबीकेयर निदेशक एनवी चक्रवर्ती के अनुसार, शिशु की मालिश समय की कसौटी पर खरी उतरी एक परंपरा है। यह न केवल शारीरिक मजबूती प्रदान करती है, बल्कि माता-पिता और शिशु के बीच भावनात्मक संबंधों को भी गहरा करती है। अश्वगंधा और बला जैसी प्राकृतिक जड़ी-बूटियों के गुणों से समृद्ध यह तेल शिशुओं की ताकत और समग्र स्वास्थ्य को बढ़ावा देने के लिए तैयार किया गया है। डिजिटल प्लेटफार्म पर लान्च किए गए इस विज्ञापन को हिंदी सहित छह क्षेत्रीय भाषाओं में प्रदर्शित किया गया है, ताकि जड़ी-बूटियों से समृद्ध पोषण का यह संदेश देशभर के अभिभावकों तक पहुँच सके। अपनी सहज प्रस्तुति के माध्यम से कंपनी ने स्वस्थ बचपन की शुरुआत के अपने संकल्प को पुनः दोहराया है।

जल्द ही दो नई इलेक्ट्रिक एसयूवी लांच करेगी टाटा मोटर्स

नई दिल्ली

कार निर्माता स्वदेशी कंपनी टाटा मोटर्स अपने ईवी पोर्टफोलियो को और मजबूत करने के लिए तैयार है। जल्द ही टाटा मोटर्स बाजार में दो नई इलेक्ट्रिक एसयूवी, सिएरा ईवी और सफारी ईवी, लान्च करेगी। एक रिपोर्ट के अनुसार, सिएरा ईवी कुछ महीनों में लान्च हो सकती है, जबकि सफारी ईवी इस वित्तीय वर्ष के अंत तक आ सकती है। टाटा सिएरा ईवी मिडसाइज इलेक्ट्रिक एसयूवी महिंद्रा बीई 6, हुंडई क्रेटा इलेक्ट्रिक और अन्य प्रतिद्वंद्वियों को टक्कर देगी। कर्व ईवी और हैरियर ईवी के बीच के सेगमेंट में लान्च की जाने वाली यह एसयूवी एक्टि.ईवी माड्यूलर प्लेटफार्म पर आधारित होगी। इसमें 55 केडब्ल्यूएच और 65 केडब्ल्यूएच की दो बैटरी विकल्प आफर किए जा सकते हैं, जो एक बार चार्ज करने पर लगभग 450-500 किलोमीटर की रेंज प्रदान कर सकते हैं। यह फ्रंट-व्हील ड्राइव इलेक्ट्रिक एसयवी होगी. हालांकि. 65 केडब्ल्यूएच बैटरी वाली सिएरा ईवी में ड्यूल-मोटर एडब्ल्यूडी सेटअप मिलेगा, जो हाई ग्राउंड क्लीयरेंस और कई टेरेन मोड्स के साथ हल्की आफ-रोडिंग क्षमताएं भी देगी। टाटा सफारी ईवीः नई थ्री-रो सफारी इलेक्ट्रिक एसयूवी कंपनी का नया फ्लैगशिप माडल होगी।

यह टाटा हैरियर ईवी वाले प्लेटफार्म, बैटरी पैक और इलेक्ट्रानिक आर्किटेक्चर के साथ आएगी, जिसे एक्टि.ईवीप्लस आर्किटेक्चर कहा जाता है। 6 या 7-सीटर कान्फ़िगरेशन में उपलब्ध होने की उम्मीद है, सफारी ईवी को 65केडब्ल्यूएच और 75केडब्ल्यूएच बैटरी पैक के साथ लान्च किया जा सकता है। कंपनी सफारी ईवी के लिए एक बार चार्ज करने पर 450 किमी से अधिक की वास्तविक दुनिया की रेंज का लक्ष्य लेकर चल रही है। हैरियर ईवी की तरह, टाटा सफारी ईवी 75केडब्ल्यूएच माडल में भी ड्यूल-मोटर एडब्ल्यूडी सेटअप मिलेगा।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

बसें शुरू...

अधिकारियों ने कहा कि मृतक ड्राइवर, जिन्होंने 25 वर्षों तक सेवा की थी, परिवार के एकमात्र कमाने वाले सदस्य थे। उनके पास एक स्थायी घर नहीं था, जिससे उनकी पत्नी हेमलता, बेटी शमिली और बेटे हेमंत की स्थिति काफी दयनीय हो गई।

प्रदर्शनकारियों, जिनमें परिवार के सदस्य और आरटीसी यूनियन नेता शामिल थे, ने शुरू में शंकर गौड़ के अंतिम संस्कार की अनुमति देने से इनकार कर दिया था। जिला प्रशासन के माध्यम से दी गई अनुग्रह राशि, नौकरी और आवास के आश्वासन ने तनाव कम करने और शाम को अंतिम संस्कार की अनुमति देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

आत्मदाह करने ...

शरीर को उनके पैतृक गांव, खानपुर मंडल के मुथोजिपेट ले गए। उनके परिवार में उनकी पत्नी लता, बेटे हेमंत और बेटी शामिली हैं। परिवहन मंत्री पोन्नम प्रभाकर ने उनकी मृत्यु पर गहरा दुख व्यक्त किया। उन्होंने आश्वासन दिया कि सरकार शंकर गौड़ के परिवार के साथ खड़ी रहेगी और उनकी आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की। उन्होंने आरटीसी कर्मचारियों से अपील की कि वे चिंता न करें और न ही जल्दबाजी में कोई भी अतिवादी कदम उठाएं। मंत्री ने कहा कि सरकार आरटीसी कर्मचारियों के मुद्दों को हल करने के लिए बातचीत करेगी। उनकी मृत्यु के बाद आरटीसी की संयुक्त कार्य समिति (जेएसी) ने पूर्व वरंगल जिले में बंद का आह्वान किया है।

रेवंत रेड्डी ने जताया शोक, परिवार को आश्वासन

तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने शुक्रवार को सड़क परिवहन निगम (आरटीसी) के चालक शंकर गौड़ की मौत शोक व्यक्त किया।

श्री रेड्डी ने अपने शोक संदेश में शोक संतप्त परिवार को आश्वासन दिया कि वे उनके साथ खड़े हैं और सरकार उन्हें हर संभव सहायता प्रदान करेगी। उन्होंने शंकर गौड़ की आत्मा की शांति के लिए और उनके परिवार के सदस्यों को इस क्षति का सामना करने के लिए शक्ति और साहस मिलने की प्रार्थना की।

मुख्यमंत्री कहा कि आवेश में लिया गया एक क्षणिक निर्णय परिवार को गहरे दुख में डुबो गया। उन्होंने दोहराया कि सरकार आरटीसी कर्मचारियों के साथ बातचीत कर रही है और उनकी समस्याओं को हल करने के लिए पूरी ईमानदारी से प्रयास कर रही है।

बातचीत...

नबावियन ने बताया कि अमेरिका ने मांग की थी कि ईरान के 60% तक समृद्ध किए गए परमाणु सामग्री (एनरिच्ड यूरेनियम) को हटा दिया जाए और 20 साल तक ब्लॉक रखा जाए। उन्होंने कहा कि तेहरान ने इन मांगों को स्वीकार नहीं किया। अचानक पाक जाने की तैयारी मे अराघची!

अमेरिका और ईरान के बीच क्या वास्तव में फिर से एक बार शांति वार्ता पर बात होने जा रही है, इसको लेकर फिर से सवाल खड़े होने लगे हैं। पहले ही अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अनिश्चितकाल के लिए सीजफायर बढ़ा दिया है। इस बीच एक बड़ी खबर सामने आई है। ईरानी सरकारी न्यूज एजेंसी आईआरएनए ने पुष्टि करते हुए बताया कि विदेश मंत्री अब्बास अराघची पाकिस्तान, ओमान और रूस के दौरे पर जा रहे हैं। इससे पहले ईरान ने कहा था कि पाकिस्तान में होने वाली शांतिवार्ता में तेहरान शामिल नहीं होगा। ईरान के सरकारी मीडिया के मुताबिक, ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची आज इस्लामाबाद, मस्कट और मॉस्को की यात्रा शुरू करेंगे।

ध्यान देने वाली बात है कि अराघची की पाकिस्तान यात्रा ऐसे समय में हो रही है, जब अमेरिका और ईरान के बीच दूसरे दौर की शांतिवार्ता करने की कोशिश की जा रही है। बताया जा रहा है कि अराघची के साथ एक प्रतिनिधिमंडल भी जाएगा। बता दें कि इससे पहले 11 और 12 अप्रैल को पाकिस्तान के इस्लामाबाद में ईरान और अमेरिका के बीच पहले दौर की शांतिवार्ता हुई, लेकिन इसमें कोई हल नहीं निकला। करीब 21 घंटे तक चली वार्ता के बाद भी दोनों पक्षों के बीच कोई बात नहीं बन पाई और दोनों ने एक-दूसरे को दोषी ठहराया था।

होर्मुज के बाद मलक्का स्ट्रेट पर भी टोल वसूली की प्लानिंग

गौरतलब है कि इसी हफ्ते की शुरुआत में दूसरे दौर की शांतिवार्ता को लेकर कयास लगाए जा रहे थे, लेकिन तेहरान की ओर से अमेरिकी नौसैनिक नाकाबंदी का हवाला देते हुए इसमें शामिल नहीं हुआ था। इसके साथ ही ईरान ने कमर्शियल जहाजों के लिए होर्मुज को फिर खोल दिया, लेकिन नाकाबंदी जारी रहने के कारण 24 घंटे से भी कम समय में इसे फिर से बंद कर दिया। ईरान होर्मुज स्ट्रेट पर अपना पूर्ण नियंत्रण बनाए हुए है।

ईरान और अमेरिका के बीच जारी तनाव का सीधा असर होर्मुज स्ट्रेट पर देखने को मिल रहा है। ईरान यहां से टोल वसूल रहा है। अब होर्मुज स्ट्रेट के बाद मलक्का स्ट्रेट से भी ऐसी खबर सामने आई है, जिससे चिंता बढ़ सकती है। इंडोनेशिया के वित्त मंत्री पुरबाया युधी सदेवा के उस बयान ने तहलका मचा दिया है, जिसमें उन्होंने होर्मुज स्ट्रेट के तर्ज पर मलक्का स्ट्रेट से गुजरने वाले जहाजों पर टोल लगाने की प्लानिंग कर रहा है। वास्तव में ऐसा हुआ तो दुनिया के लिए काफी मुश्किलें खड़ी हो सकती हैं।

मई में ...

विश्व मौसम विज्ञान संगठन ने कहा है कि अल नीनो मौसम की स्थितियां मई 2026 से ही विकसित होने की संभावना है, जिससे वैश्विक तापमान और बारिश के पैटर्न प्रभावित हो सकते हैं। मई-जून-जुलाई में तापमान सामान्य से ज्यादा रहेगा। संगठन ने कहा कि यह संकेत खासतौर से दक्षिणी उत्तरी अमेरिका, मध्य अमेरिका और कैरिबियन के साथ-साथ यूरोप और उत्तरी अफ्रीका में बहुत मजबूत है।

इससे पहले भारत के मौसम विभाग ने भी इस साल मॉनसून सामान्य से कम रहने का अनुमान जताया था। आईएमडी ने कहा था कि इस साल देश में दक्षिण-पश्चिम मॉनसून के दौरान जून से सितंबर के बीच में बारिश सामान्य से कम होने के आसार हैं। इस साल सामान्य से 8 फीसदी तक कम बारिश होगी। मौसम विभाग ने कहा था कि ला नीना की स्थितियां कमजोर हो रही हैं और अल नीनो का प्रभाव बढ़ता दिख रहा है।

क्या है अल नीनो?

अल नीनो एक प्राकृतिक जलवायु घटना है। यह ला नीना का विपरीत है और पृथ्वी पर सबसे शक्तिशाली जलवायु पैटर्नों में से एक है।

ये घटनाएं वैश्विक मौसम को नया रूप देती हैं और विभिन्न क्षेत्रों में वर्षा, सूखे और चरम मौसमी घटनाओं को प्रभावित करती हैं। अल नीनो की पहचान मध्य और पूर्वी भूमध्यरेखीय प्रशांत क्षेत्र में समुद्र की सतह के तापमान में होने वाली वृद्धि से होती है।

यह आमतौर पर हर दो से सात साल में होता है और लगभग नौ से बारह महीनों तक रहता है।

सब तेरो...

यह एक महीने (29 दिन) में मिली अब तक की सबसे ज्यादा राशि है। इससे पहले, साल 2025 में अप्रैल में अमावस्या पर खोले गए भंडार से करीब 25 करोड़ रुपए चढ़ावे में मिले थे, जो एक महीने में सबसे ज्यादा थे।

आखिरी राउंड की गिनती के दौरान शुक्रवार को कुल 660 ग्राम 500 मिलीग्राम सोना और 84 किलो 620 ग्राम चांदी का तौल हुआ। राजस्थान सर्राफा संघ के महामंत्री किशन पिछोलिया के अनुसार, इस सोने की कीमत करीब 1 करोड़ और चांदी की लगभग 2 करोड़ रुपए है। इसके अलावा काफी मात्रा में विदेशी मुद्रा और चेक भी प्राप्त हुए हैं, जिनकी प्रक्रिया अलग से अपनाई जा रही है।

जानिए पहले से आखिरी राउंड तक कितना मिला चढ़ावा

* 16 अप्रैलः भंडार खोला गया। पहले दिन 11 करोड़ 11 लाख रुपए गिने गए।
* 17 अप्रैलः अमावस्या होने से दानराशि की गणना नहीं की गई।
* 18 अप्रैलः दूसरे राउंड में 6 करोड़ 51 लाख 24 हजार 500 रुपए की दानराशि सामने आई।
* 19 अप्रैलः रविवार होने से गिनती नहीं की गई।
* 20 अप्रैलः तीसरे चरण में 9 करोड़ 60 लाख 61 हजार 500 रुपए की राशि प्राप्त हुई।
* 21 अप्रैलः चौथे राउंड में 3 करोड़ 78 लाख 77 हजार रुपए की गिनती की गई।
* 22 अप्रैलः पांचवें चरण में 1 करोड़ 31 लाख 42 हजार रुपए गिने गए।
* 23 अप्रैलः छठे राउंड में 54 लाख 6 हजार 600 रुपए की गिनती हुई।
* 24 अप्रैलः सातवें राउंड में 34 लाख 51 हजार 939 रुपए की गिनती हुई। कुल 660 ग्राम 500 मिलीग्राम सोना और 84 किलो 620 ग्राम चांदी मिली। भेंटकक्ष और ऑनलाइन माध्यम से 8 करोड़ 45 लाख 75 हजार 30 रुपए मिले।

पिछले साल बना था दो महीने की सर्वाधिक दान राशि का रिकॉर्ड

मंदिर प्रशासन का कहना है कि नवंबर 2025 में दिवाली के बाद खोले गए भंडार के दौरान 51 करोड़ 27 लाख 30 हजार 112 रुपए चढ़ावा आया था। यह अब तक की सर्वाधिक दान राशि है। हालांकि, यह दो महीने (21 सितंबर से 18 नवंबर तक) की दान राशि का रिकॉर्ड है।

BOOK YOUR DISPLAY CLASSIFIED ADVERTISEMENTS AT
Timings : 9 am to 7 pm
Head office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
Plot No. A-23/5 & 6 2nd Floor,
APIE, Balanagar, Hyderabad - 500 037
City office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
4th Floor, 19 Towers (T19),
Near Bus Stand, Ranigunj,
Secunderabad - 500 003
8688868345

शुभ लाभ
म्हारो भाग्यनगर
दैनिक हिन्दी शुभ लाभ, हैदराबाद, शनिवार, 25 अप्रैल, 2026

शुभ लाभ
आपकी सेवा में
शुभ लाभ से जुड़ी किसी भी समस्या या सुझाव के लिए मो. 86888 68345 पर संपर्क करें।

ईसीआईएल ने की अखिल भारतीय डीएई सतर्कता कॉन्क्लेव-2026 की मेजबानी

हैदराबाद, 24 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो): परमाणु ऊर्जा विभाग (डीएई) के तत्वावधान में भारत सरकार के उद्यम, इलेक्ट्रॉनिक्स कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड (ईसीआईएल) ने 23 और 24 अप्रैल 2026 को दो दिवसीय अखिल भारतीय डीएई सतर्कता कॉन्क्लेव का सफल आयोजन किया। यह कार्यक्रम हैदराबाद स्थित परमाणु खनिज अन्वेषण एवं अनुसंधान निदेशालय (एएमडी) के होमी जहांगीर भाभा ऑडिटोरियम में संपन्न हुआ। इस महत्वपूर्ण सम्मेलन में देश के कोने-कोने में फैली डीएई की 40 से अधिक इकाइयों के लगभग 200 अधिकारियों ने भाग लिया। इसमें प्रमुख रूप से बीएअ-ारसी, एनपीसीआईएल, आईजीसीएआर, एनएफसी, यूसीआईएल, टीआईएफआर, एईआरबी और टीएमसी जैसी प्रतिष्ठित इकाइयों के कार्यकारी अधिकारी शामिल हुए। कार्यक्रम को परमाणु ऊर्जा विभाग के सचिव और परमाणु ऊर्जा आयोग (एईसी) के अध्यक्ष डॉ. अजीत कुमार मोहंती ने संबोधित किया। उनके साथ सीवीसी के संयुक्त सचिव नितिन कुमार, डीएई के संयुक्त सचिव कार्तिकेयन और मुथुकृष्णन एस., ईसीआईएल के सीएमडी डॉ. अनीश कुमार शर्मा, एनएफसी के मुख्य कार्यकारी डॉ. कोमल कपूर, एएमडी के निदेशक धीरज पांडे और ईसीआईएल के वित्त निदेशक प्रोतीक कुमार चक्रवर्ती ने भी अपने विचार साझा किए।

सतर्कता प्रशासन और पारदर्शिता पर विशेष सत्र

दो दिवसीय कार्यक्रम के दौरान सतर्कता प्रशासन से संबंधित विभिन्न विषयों पर गहन चर्चा की गई। सीवीसी, सीबीआई, जीईएम (जीईएम) और बीएसएनएल के प्रतिष्ठित वक्ताओं ने निम्नलिखित प्रमुख बिंदुओं पर व्याख्यान दिए:

पारदर्शिता के लिए डिजिटल पहल: प्रशासन में जवाबदेही और पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए तकनीकी उपकरणों का उपयोग।

जीईएम के माध्यम से खरीद: गवर्नमेंट ई-मार्केटप्लेस के जरिए खरीद प्रक्रिया को सरल और भ्रष्टाचार मुक्त बनाना।

भर्ती और गहन परीक्षण: जीएफआर के परिप्रेक्ष्य में खरीद, भर्ती प्रक्रिया में पारदर्शिता और सीटीई द्वारा गहन परीक्षण के महत्व पर जोर।

ईसीआईएल के सीवीओ पी. कृष्ण कुमार और एनपीसीआईएल के सीवीओ अजीत कुमार वी.एस. ने भी सतर्कता के विभिन्न पहलुओं और सतर्कता प्रशासन के महत्व पर विस्तृत जानकारी दी। इस कॉन्क्लेव का उद्देश्य डीएई की सभी इकाइयों में नैतिक कार्य संस्कृति और कुशल प्रशासन को और अधिक मजबूत करना था।

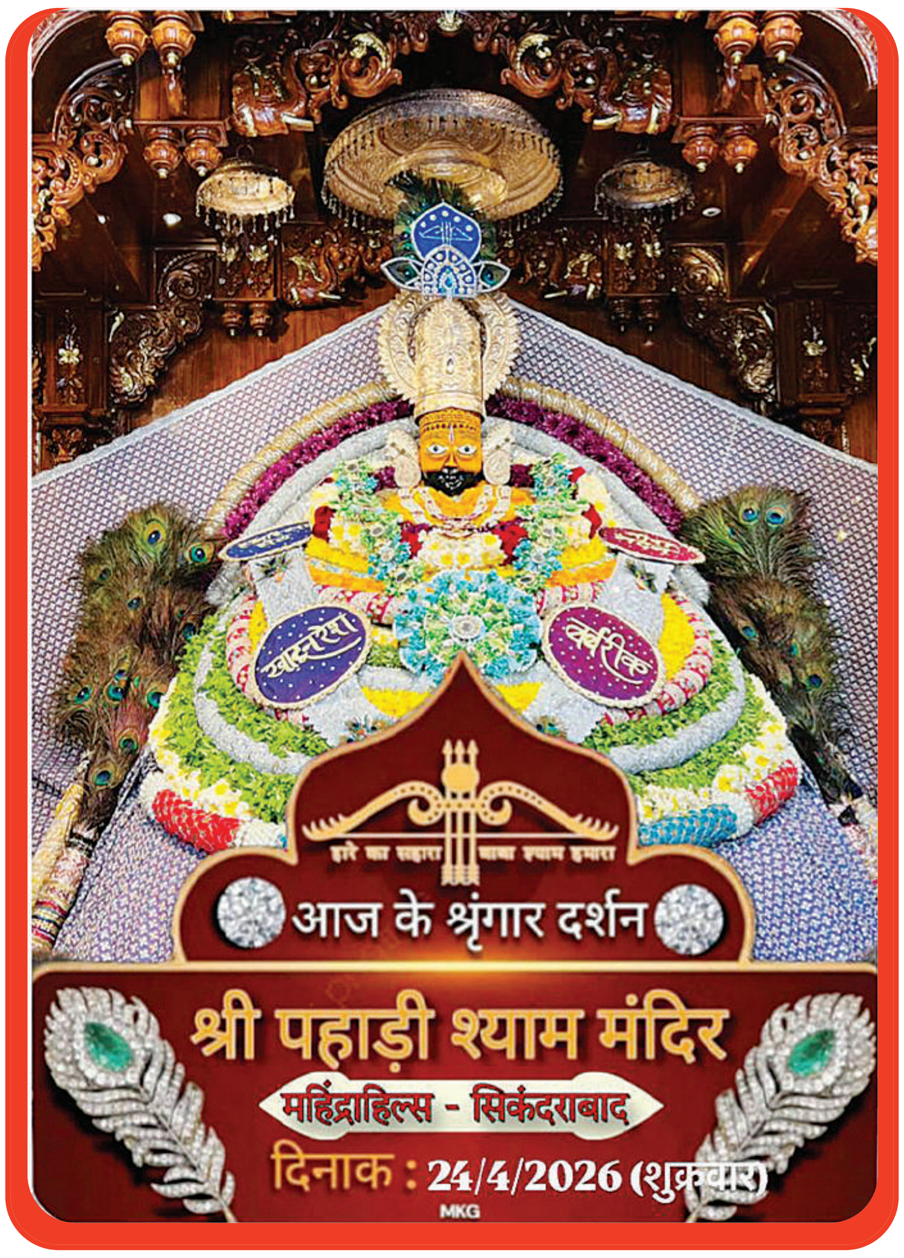

साथी हाथ बढ़ाना संस्था ने जरूरतमंदों को वितरित किए इंडक्शन, गर्मी में बांटी छाछ और शरबत

हैदराबाद, 24 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)। सामाजिक सेवा के क्षेत्र में सक्रिय साथी हाथ बढ़ाना संस्था द्वारा रामगोपाल गुप्ता के नेतृत्व में एक सराहनीय सेवा कार्य का आयोजन किया गया। कार्यक्रम श्री किशनलाल संघी के निवास स्थान, लकड़ी का पुल स्थित महालक्ष्मी मीडोज परिसर में आयोजित हुआ।

इस अवसर पर जरूरतमंद अग्रवाल समाज के भाई-बहनों को दैनिक उपयोग में आने वाले महत्वपूर्ण उपकरण इलेक्ट्रिकल इंडक्शन वितरित किए गए। साथ ही भीषण गर्मी को देखते हुए छाछ और रूहअफजा का भी वितरण किया गया, जिससे उपस्थित लोगों को राहत मिली।

इस सेवा कार्य के सफल आयोजन में संजय संघी और रघु गुप्ता का विशेष सहयोग रहा। आर्थिक सहयोग देने वालों में आशा संघी, सरला अग्रवाल, गोविंद अग्रवाल, गणेश अग्रवाल, रामगोपाल गुप्ता, स्नेहल गुप्ता (यूएसए), सुमन अग्रवाल (यूएसए), दिलीप रेड्डी (यूएसए) और महेश सांवरिया का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

कार्यक्रम में आरती अग्रवाल, अजय संघी, नीतू संघी, मालविका संघी, शारदा गुप्ता और ओमप्रकाश गुप्ता सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे, जिन्होंने संस्था के इस प्रयास की सराहना करते हुए सदस्यों का उत्साहवर्धन किया।

संस्था के सदस्यों ने बताया कि भविष्य में भी इसी प्रकार समाजहित में और अधिक सेवा कार्य किए जाएंगे, ताकि जरूरतमंद लोगों की सहायता की जा सके।

स्वदेशी टॉरपीडो उत्पादन में बीडीएल की बड़ी उपलब्धि देश का पहला वायर गाइडेड हैवी वेट टॉरपीडो तैयार

हैदराबाद, 24 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो): रक्षा मंत्रालय के अधीन सार्वजनिक क्षेत्र के प्रमुख उपक्रम, भारत डायनेमिक्स लिमिटेड (बीडीएल) ने स्वदेशी रक्षा निर्माण के क्षेत्र में एक ऐतिहासिक मील का पत्थर स्थापित किया है। बीडीएल ने गुरुवार, 23 अप्रैल 2026 को अपनी विशाखापत्तनम इकाई में एनएसटीएल को प्रोडक्शन-ग्रेड वायर गाइडेड हैवी वेट टॉरपीडो की पहली खेप सफलतापूर्वक सौंप दी।

इस गौरवपूर्ण अवसर पर विशिष्ट वैज्ञानिक और महानिदेशक (एनएस एंड एम) डॉ. आर. वी. हर प्रसाद, बीडीएल के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक कमोडोर ए. माधवराव (सेवानिवृत्त), एनएसटीएल के निदेशक डॉ. अब्राहम वर्गीज सहित बीडीएल, एनएसटीएल और भारतीय नौसेना की टीमों ने हिस्सा लिया।

आत्मनिर्भर भारत की दिशा में एक सशक्त कदम

बीडीएल ने डेवलपमेंट-कम-प्रोडक्शन पार्टनर के रूप में एनएसटीएल के साथ मिलकर भारत के पहले स्वदेशी उत्पादन श्रेणी के वायर गाइडेड हैवी वेट टॉरपीडो को साकार करने में सफलता पाई है। इस टॉरपीडो को प्रैक्टिस और कॉम्बैट दोनों स्वरूपों में तैयार किया गया है। एनएसटीएल को इसकी सुपुर्दगी भारत सरकार की आत्मनिर्भर भारत पहल के तहत उन्नत नौसैनिक हथियार प्रणालियों में आत्मनिर्भरता की दिशा में एक बड़ी उपलब्धि है।

अत्याधुनिक तकनीक और घातक प्रहार क्षमता

यह उन्नत टॉरपीडो अत्याधुनिक होमिंग और प्रो-पल्शन (प्रणोदन) प्रणालियों से लैस है। इसमें खोज करने, हमला करने और पुनः हमला करने की परिष्कृत क्षमताएं शामिल हैं, जो भारतीय नौसेना की परिचालन क्षमताओं को महत्वपूर्ण रूप से बढ़ाएंगी। यह परिसर पानी के नीचे मार करने वाला एक घातक हथियार है, जो नौसेना की रक्षा पंक्ति को और अधिक अभेद्य बनाएगा।

यह उपलब्धि रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन और बीडीएल के बीच सहयोगात्मक प्रयासों की सफलता को रेखांकित करती है। इस परियोजना में एमएसएमई सहित कई औद्योगिक भागीदारों को शामिल कर एक मजबूत स्वदेशी रक्षा पारिस्थितिकी तंत्र का निर्माण किया गया है। इतनी जटिल अंडरवाटर हथियार प्रणाली का सफल उत्पादन नौसैनिक प्रौद्योगिकियों में भारत की बढ़ती विशेषज्ञता को दर्शाता है। इस अवसर पर गणमान्य व्यक्तियों ने परियोजना में शामिल वैज्ञानिकों, इंजीनियरों और उत्पादन टीमों के समर्पित प्रयासों की सराहना की।

अवैध गोवंश वध पर हाईकोर्ट सख्त, जीएचएमसी से मांगी विस्तृत कार्रवाई रिपोर्ट

हैदराबाद, 24 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना हाईकोर्ट ने शहर में अवैध रूप से गोवंश के परिवहन और वध के मामलों पर कड़ा रुख अपनाते हुए ग्रेटर हैदराबाद म्यूनिसिपल कॉर्पोरेशन (जीएचएमसी) के आयुक्त तथा चारमीनार जोन के डिप्टी कमिश्नर को कार्रवाई रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिए हैं।

यह आदेश न्यायमूर्ति एन. वी. श्रवण कुमार ने तेलंगाना गोशाला फेडरेशन के अध्यक्ष महेश अग्रवाल द्वारा दायर रिट याचिका पर सुनवाई के दौरान दिया। याचिकाकर्ता की ओर से अदालत को बताया गया कि जीएचएमसी अधिनियम के तहत ऐसे पशुओं को रखने पर रोक है, जिनसे सार्वजनिक असुविधा होती है, तथा आयुक्त की लिखित अनुमति के बिना शहर में मानव उपभोग के लिए गोवंश का प्रवेश प्रतिबंधित है।

याचिका में आरोप लगाया गया कि इसके बावजूद बड़ी संख्या में गोवंश शहर में लाया जा रहा है और अवैध रूप से वध किया जा रहा है। याचिकाकर्ता के अधिवक्ता ने अदालत को यह भी बताया कि कई बार शिकायतें और प्रतिवेदन देने के बावजूद प्रशासन ने कोई ठोस कार्रवाई नहीं की, विशेष रूप से बकरीद के अवसर पर।

सुनवाई के दौरान न्यायालय ने यह सवाल भी उठाया कि यदि गोवंश का परिवहन अवैध है, तो क्या गौशालाओं को ऐसे पशुओं को रखने के लिए अनुमति आवश्यक नहीं होगी। इस पर याचिकाकर्ता की ओर से स्पष्ट किया गया कि गौशालाओं को अनुमति लेनी होती है, लेकिन वहां मुख्य रूप से पुलिस द्वारा बचाए गए गोवंश को रखा जाता है।

मामले की गंभीरता को देखते हुए हाईकोर्ट ने राज्य सरकार को अब तक की गई कार्रवाई का संक्षिप्त विवरण अदालत में पेश करने का निर्देश दिया है। इस मामले में याचिकाकर्ता की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता जी. एल. नरसिम्हा राव उपस्थित रहे।

सेवा का सच्चा अर्थ राधे-राधे ग्रुप में दिखता है : अनिल अग्रवाल

हैदराबाद, 24 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)। राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में शुक्रवार को बेगम बाजार स्थित भू देवी माता मंदिर के पास गौशाला के सामने नियमित अन्नदान एवं सेवा कार्यक्रम का आयोजन श्रद्धा और समर्पण के साथ किया गया। इस सेवा कार्य में ग्रुप के सदस्यों ने बढ़-चढ़कर भाग लेते हुए जरूरतमंदों को भोजन वितरण किया और गौसेवा का पुण्य कार्य भी किया।

इस अवसर पर अपने विचार व्यक्त करते हुए अनिल अग्रवाल धरसुवाले ने कहा कि राधे-राधे ग्रुप केवल एक संगठन नहीं, बल्कि सेवा और संस्कारों का एक जीवंत उदाहरण है। इस ग्रुप से जुड़कर न केवल निराश्रित और जरूरतमंद लोगों की सेवा करने का अवसर मिलता है, बल्कि गौसेवा और राधे रानी के नाम का स्मरण करने का भी सौभाग्य प्राप्त होता है। सेवा के इस मार्ग पर चलकर आत्मिक शांति और सच्चे संतोष की अनुभूति होती है। उन्होंने आगे कहा कि आज के समय में जब समाज में संवेदनाएं कम होती जा रही हैं, ऐसे में राधे-राधे ग्रुप जैसे संगठन मानवता की मिसाल पेश कर रहे हैं। यह ग्रुप निस्वार्थ भाव से समाज के हर वर्ग के लोगों तक सहायता पहुंचाने का कार्य कर रहा है, जो वास्तव में अनुकरणीय है।

कार्यक्रम के दौरान सेवा भाव और भक्ति का अद्भुत संगम देखने को मिला। सभी सदस्यों ने एकजुट होकर सेवा कार्य को सफल बनाया और समाज में सकारात्मक संदेश दिया कि सेवा ही सबसे बड़ा धर्म है।

इस अवसर पर जगत नारायण अग्रवाल, महेश अग्रवाल, पन्नालाल अग्रवाल, अनिल अग्रवाल धरसुवाले, अरुण विजयवर्गीय, महेश गोयल, नीलम विजयवर्गीय, शर्मिला अग्रवाल सहित राधे-राधे ग्रुप के अनेक सदस्य उपस्थित रहे।

अग्रवाल समाज अग्रकुल महिला शाखा रामनगर ईस्ट द्वारा महिला शाखा का गठन

हैदराबाद, 24 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)। अग्रवाल समाज अग्रकुल महिला शाखा रामनगर ईस्ट द्वारा महिला शाखा का गठन किया जा रहा है। यह कार्यक्रम दिनांक: 28.04.2026 को राघव रत्न टावर में शाम 5:01 बजे से आयोजित होगा। सेंट्रल कमेटी के सदस्यों को निमंत्रण देने का अनुरोध किया जाएगा। इसी संदर्भ में आज केंद्रीय समिति सदस्य श्रीमती किरण अग्रवाल के घर पर कमेटी की बैठक आयोजित की गई, जिसमें अध्यक्ष श्रीमती सविता अग्रवाल, उपाध्यक्ष श्रीमती शशि टिबरेवाल, मादन मंत्री श्रीमति सीमा अग्रवाल, सहमंत्री श्रीमती संतोष अग्रवाल, कोषाध्यक्ष श्रीमती शिल्पा अग्रवाल, घड मेंबर किरण अग्रवाल, परामर्शदाता मोनिका अग्रवाल, और कार्यकारणी सदस्य श्रीमती शीतल अग्रवाल तथा श्रीमती अनिता अग्रवाल ने भाग लिया।

वंदना एवं विजय गादिया के सुपुत्र यश गादिया का शुभविवाह पूनम एवं अयोध्यापती झा की सुपुत्री नूपुर के साथ नागडा, एम. पी. मे सम्पन्न हुआ अवसर पर उपस्थित सुशीलादेवी संपतराज गादिया एवं परिवारजन ।

नालपुर में भक्त पूरणमल का पांच दिवसीय लक्खी मेला शुरू, हजारों श्रद्धालु उमड़े

नालपुर (राजस्थान), 24 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)।

राजस्थान में खेतड़ी विधानसभा क्षेत्र के ग्राम नालपुर बिस्सा गांव में नाथ संप्रदाय के संस्थापक गुरु गोरखनाथ के परम शिष्य भक्त पूरणमल बाबा चौरंगी नाथ का विशाल लक्खी मेला 24 अप्रैल से शुरू हो गया है, जो 28 अप्रैल तक आयोजित होगा।

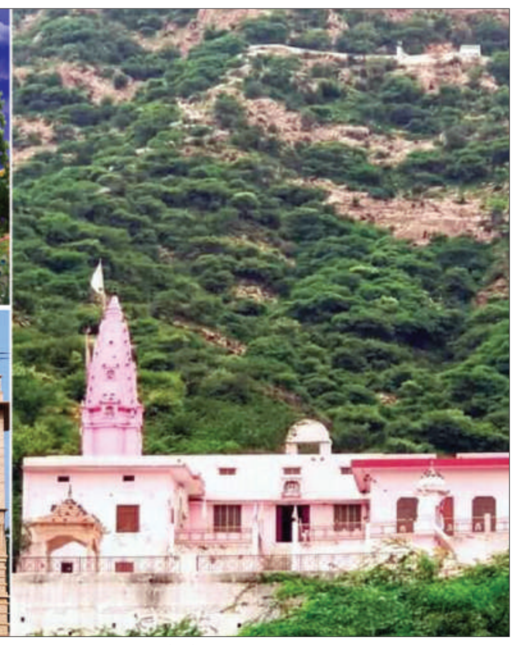

मेले में हैदराबाद, दिल्ली, जयपुर और हरियाणा सहित देशभर से हजारों श्रद्धालु भाग ले रहे हैं। मेला प्रबंध कमेटी एवं भक्त पूरणमल सेवा समिति बिस्सा नालपुर के सहसंयोजक सूबेदार प्रभु दयाल ने बताया कि 24 अप्रैल को धाम के पुजारियों एवं भक्तों द्वारा जात की स्थापना कर दी गई है।

पांच दिनों तक चलेंगे धार्मिक अनुष्ठान और परंपराएं

25 अप्रैल को धाम में देश के विभिन्न हिस्सों से आए हजारों श्रद्धालुओं में नवजात शिशुओं की माताएं बच्चों की जात तथा नवविवाहित दंपति गठजोड़े की जात के लिए मंदिर परिसर स्थित तालाबों में पुजारियों के सानिध्य में मिट्टी छटाई का पुण्य अर्जित करेंगे। सभी श्रद्धालु पांचों दिन मंदिर प्रांगण में ही ठहरकर पूजा-अर्चना करेंगे।

26 अप्रैल को दसवीं के अवसर पर श्रद्धालु बाबा को चूरमा पिंडी का भोग अर्पित करेंगे और चमत्कारी ज्योत के दर्शन करेंगे। 27 अप्रैल की रात्रि में मंदिर प्रांगण में भव्य जागरण का आयोजन होगा, जिसमें हरियाणा के आकाशवाणी लोक कलाकार जयवीर भाटी एंड पार्टी के साथ दीपा चौधरी, कंचन यादव, संजय पटेल और भारती चौधरी सहित कई कलाकार भक्ति संगीत प्रस्तुत करेंगे।

28 अप्रैल को प्रातः मंदिर के कपाट श्रद्धालुओं के दर्शनार्थ खोले जाएंगे, जो परंपरा अनुसार मेले के दौरान बंद रहते हैं। इसके बाद नवजात शिशुओं का मुंडन (जडूला) संस्कार, नवविवाहित जोड़ों की जात तथा रोजगार की कामना करने वाले युवक-युवतियों द्वारा मनौती मांगी जाएगी। श्रद्धालुओं का विश्वास है कि यहां सच्चे मन से मांगी गई मनोकामनाएं पूर्ण होती हैं।

आस्था, चमत्कार और सामाजिक एकता का केंद्र

यह धाम अपनी आस्था और चमत्कारों के लिए प्रसिद्ध है। मान्यता है कि यहां बेरोजगार को रोजगार, नि:संतान को संतान, निर्धन को समृद्धि और अविवाहितों को विवाह का आशीर्वाद प्राप्त होता है। कई श्रद्धालु अपनी मनोकामना पूर्ण होने पर यहां आकर दान और सेवा करते हैं।

ग्रामीणों के अनुसार, नालपुर गांव के सैकड़ों सैनिकों ने भी बाबा के आशीर्वाद को अपना संबल बताया है। उनका कहना है कि युद्ध जैसी कठिन परिस्थितियों में भी बाबा की कृपा से वे सुरक्षित लौटे हैं। उल्लेखनीय है कि लगभग 1500 परिवारों वाले इस गांव से स्वतंत्रता के बाद से अब तक कोई सैनिक शहीद नहीं हुआ है।

मेले में सेवा और व्यवस्थाओं का विशेष प्रबंध

धार्मिक प्रचार भारती के प्रधान संयोजक एवं मेला प्रबंध कमेटी के पूर्व सचिव पवन भारती के अनुसार, मेले में आने वाले लाखों श्रद्धालुओं के लिए भोजन, आवास और अन्य व्यवस्थाएं नि:शुल्क की जाती हैं। गांव के सभी वर्गों के लोग श्रद्धालुओं की सेवा में बढ़-चढ़कर हिस्सा लेते हैं।

इस दौरान गांव की बेटियां ससुराल से, सैनिक अपनी छुट्टियां लेकर, तथा अधिकारी-कर्मचारी भी मेले में शामिल होकर सेवा कार्यों में योगदान देते हैं। यहां तक कि विभिन्न राजनीतिक विचारधाराओं के लोग भी आपसी मतभेद भुलाकर एकजुट होकर सेवा करते नजर आते हैं।

हैदराबाद में रहने वाले नालपुर प्रवासियों द्वारा भी मेले में आने वाले श्रद्धालुओं के लिए तीन दिवसीय भंडारे का आयोजन किया जा रहा है। इस बार बाबा पूरणमल सेवा समिति हैदराबाद तथा स्वर्गीय मनोहर लाल विद्याधर नालपुरिया एवं स्वर्गीय मामचंद नालपुरिया परिवार द्वारा साउथ इंडियन भंडारा आयोजित किया जाएगा। यह जानकारी समिति के नरेश बंसल एवं राकेश नालपुरिया ने दी।

26 अप्रैल को निकलेगी भव्य कलश एवं निशान यात्रा

ग्राम नालपुर के नवयुवक मंडल द्वारा 26 अप्रैल को प्रातः 7:00 बजे गांव की चौपाल से भव्य कलश एवं निशान यात्रा निकाली जाएगी।

महिलाओं द्वारा गाजे-बाजे के साथ कलश यात्रा निकाली जाएगी, जबकि निशान पदयात्रा में बाबा का सुसज्जित दरबार रथ के साथ चलेगा।

नवयुवक मंडल के सज्जन सिंह हवालदार ने बताया कि यात्रा की तैयारियां जोरों पर हैं और इसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के शामिल होने की संभावना है।

श्री सत्यनारायण मंदिर का भव्य जीर्णोद्धार, प्राण प्रतिष्ठा संपन्न

हैदराबाद, 24 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)।

चप्पल बाजार स्थित श्री सत्यनारायण मंदिर का भव्य जीर्णोद्धार कार्य पूर्ण होने के बाद शिव परिवार एवं हनुमान जी की प्राण प्रतिष्ठा विधि-विधान से संपन्न की गई। यह मंदिर नगर के सुप्रसिद्ध समाजसेवी स्व. केदारनाथ अग्रवाल एवं उनकी धर्मपत्नी बसंती बाई द्वारा लगभग 50 वर्ष पूर्व स्थापित किया गया था।

मंदिर के जीर्णोद्धार के पश्चात आयोजित प्राण प्रतिष्ठा समारोह में खाकी अखाड़ा मठ, बेगम बाजार के पीठाधीश्वर महंत 1008 अमृत दास खाकी जी महाराज द्वारा शिखर ध्वज पूजन किया गया। वहीं पंडित पुरुषोत्तम शर्मा (लाला महाराज) के आचार्यत्व में वेद मूर्ति आचार्य पंडित विशेष शर्मा जी ने संपूर्ण प्राण प्रतिष्ठा विधि संपन्न कराई।

इस अवसर पर विंध्याचल ब्राह्मण सेवा संघ के अध्यक्ष सुनील कुमार पांडेय, विजय कुमार तोतला सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे। अग्रवाल परिवार की ओर से भव्य भंडारे का आयोजन किया गया, जिसमें सैकड़ों भक्तों ने प्रसाद ग्रहण किया।

मंदिर के जीर्णोद्धार और प्राण प्रतिष्ठा के इस पावन कार्य को अग्रवाल परिवार के सदस्यों ने श्रद्धा और समर्पण के साथ पूर्ण किया। इस आयोजन से क्षेत्र में धार्मिक उत्साह का माहौल देखा गया और श्रद्धालुओं ने इसे आस्था का महत्वपूर्ण केंद्र बताया।

हैदराबाद इंटरनेशनल ज्वेलरी शो का आयोजन 1 मई से

शमशाबाद में सजेगा दक्षिण भारत का सबसे बड़ा आभूषण बाजार

हैदराबाद, 24 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो): आभूषण जगत के शौकीनों और व्यापारियों के लिए हैदराबाद एक बार फिर वैश्विक आकर्षण का केंद्र बनने जा रहा है। आगामी 1, 2 और 3 मई, 2026 को शमशाबाद स्थित एस.एस. कन्वेंशन में दक्षिण भारत की सबसे बड़ी बी2बी आभूषण प्रदर्शनी, हैदराबाद इंटरनेशनल ज्वेलरी शो का आयोजन किया जाएगा।

शुक्रवार को हैदराबाद के अमीरपेट स्थित होटल मैरीगोल्ड में आयोजित एक भव्य प्रेस मीट के दौरान इस प्रदर्शनी की तारीखों की आधिकारिक घोषणा की गई। इस अवसर पर आभूषण संघों के प्रतिनिधियों के साथ शो के प्रोजेक्ट डायरेक्टर वी.के. मनोज, अभिनेत्री स्रवंती चोकारपु और अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

अपने 5वें संस्करण में प्रवेश कर रहा यह शो इस बार भव्यता के नए कीर्तिमान स्थापित करने के लिए तैयार है। प्रदर्शनी में देश भर से 250 से अधिक प्रसिद्ध ब्रांड्स और 700 से ज्यादा स्टॉल्स लगाए जाएंगे। आयोजकों को उम्मीद है कि तीन दिनों के इस भव्य आयोजन में भारत के कोने-कोने से 15,000 से अधिक लोग शिरकत करेंगे। आभूषण संघों के शीर्ष प्रतिनिधियों ने इस प्रेस मीट की शोभा बढ़ाई और उद्योग की प्रगति पर चर्चा की।

तारीखों की घोषणा के इस कार्यक्रम में ग्लैमर का भी तड़का लगा। लोकप्रिय अभिनेत्री चोकारपु, अभिनेत्री प्रीति सुंदर और कई मशहूर मॉडल्स ने रैंप पर नवीनतम और कलात्मक आभूषण डिजाइनों को प्रदर्शित किया। आभूषण प्रेमियों और विशेषज्ञों ने इन डिजाइनों की जमकर सराहना की।

प्रोजेक्ट डायरेक्टर वी.के. मनोज ने बताया कि यह प्रदर्शनी न केवल व्यापारिक दृष्टि से महत्वपूर्ण है, बल्कि यह आभूषण निर्माण की आधुनिक कला और पारंपरिक कारीगरी का एक अनूठा संगम पेश करेगी। प्रदर्शनी के लिए पंजीकरण और अन्य तैयारियां जोरों पर हैं, जिससे हैदराबाद के व्यापारिक परिदृश्य में भारी उत्साह देखा जा रहा है।

समाज सेवा में राधे-राधे ग्रुप बना प्रेरणा स्रोत : गोपाल गोयल

हैदराबाद, 24 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)।

राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में शुक्रवार को नामपल्ली स्थित पब्लिक गार्डन पिलर नंबर 1265 ए के पास नियमित अन्नदान एवं सेवा कार्यक्रम का आयोजन श्रद्धा, सेवा भावना और समर्पण के साथ किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में सेवाभावी कार्यकर्ताओं ने भाग लेकर जरूरतमंदों के बीच अन्न वितरण किया।

इस अवसर पर अपने विचार व्यक्त करते हुए गोपाल गोयल ने कहा कि राधे-राधे ग्रुप द्वारा किया जा रहा सेवा कार्य समाज के लिए एक प्रेरणादायक और अनुकरणीय उदाहरण बन चुका है। उन्होंने कहा कि निस्वार्थ भाव से की जा रही यह सेवा न केवल जरूरतमंदों को सहारा दे रही है, बल्कि समाज में मानवता और सहयोग की भावना को भी सशक्त कर रही है।

उन्होंने आगे कहा कि आज के समय में सेवा ही सबसे बड़ा धर्म है और राधे-राधे ग्रुप इस विचार को निरंतर आगे बढ़ा रहा है। जरूरतमंदों के चेहरे पर मुस्कान लाना ही सबसे बड़ा पुण्य है, और यही इस ग्रुप की पहचान बन चुकी है।

कार्यक्रम में प्रमुख रूप से राम प्रकाश अग्रवाल, सुनीता अग्रवाल, जय प्रकाश सारडा, मनीष चिंडालिया, जगन एलाकुर्थी, महेश अग्रवाल, प्रीतिका अग्रवाल, गोपाल गोयल, राजेश नथानी, अनिता नथानी, कैलाश केडिया एवं निर्मला केडिया सहित कई गणमान्य सदस्य उपस्थित रहे। सभी ने सेवा कार्य में सक्रिय सहभागिता निभाते हुए समाजहित में निरंतर ऐसे कार्यक्रम करते रहने का संकल्प लिया।

गौ हत्या बंद कराने को लेकर 27 अप्रैल को ज्ञापन देने का आह्वान

हैदराबाद, 24 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)

। शहर में गौ हत्या पूर्णतः बंद कराने की मांग को लेकर 27 अप्रैल को सभी तहसीलदार कार्यालयों और कलेक्टर कार्यालय पर ज्ञापन सौंपने का आह्वान किया गया है। यह ज्ञापन महामहिम राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री, राज्यपाल और राज्य के मुख्यमंत्री के नाम दिया जाएगा।

1008 निश्चयानंदजी महाराज के शिष्य संत शिखर दुबे द्वारा गौ सम्मान अभियान के अंतर्गत पत्रों का वितरण किया गया। इस अभियान के जरिए लोगों को जागरूक करते हुए अधिक से अधिक भागीदारी सुनिश्चित करने का प्रयास किया जा रहा है।

आयोजकों ने सभी सनातन धर्म प्रेमियों और विभिन्न सामाजिक संस्थाओं से जनजागृति के लिए हस्ताक्षर अभियान चलाने का भी आह्वान किया है। साथ ही, सभी से अपील की गई है कि वे अपनी ओर से भी ज्ञापन सौंपकर इस अभियान को मजबूती दें।

इस अवसर पर गौ भक्त पुरुषोत्तम गुप्ता, मयंक गुप्ता एवं विवेक नारायण संघी सहित अन्य लोग उपस्थित रहे, जिन्होंने अभियान को सफल बनाने का संकल्प लिया।

सेवा से मिलती है आत्मिक शांति : उमाकांत गुप्ता

हैदराबाद, 24 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)।

राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में शुक्रवार को केबीआर पार्क, इंडो अमेरिकन कैंसर हॉस्पिटल के पास नियमित अन्नदान एवं सेवा कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस सेवा कार्य में जरूरतमंदों को भोजन वितरित कर मानवता का संदेश दिया गया। इस अवसर पर उमाकांत गुप्ता ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि सेवा ही वह माध्यम है, जिससे मनुष्य को सच्ची आत्मिक शांति प्राप्त होती है। उन्होंने कहा कि निराश्रित एवं जरूरतमंद लोगों की सेवा करने से न केवल उनके जीवन में सहारा मिलता है, बल्कि सेवा करने वाले के मन को भी गहरा संतोष और सुकून मिलता है। उन्होंने सभी से आग्रह किया कि समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारी समझते हुए ऐसे कार्यों में बढ़-चढ़कर भाग लेना चाहिए।

कार्यक्रम के दौरान उपस्थित सदस्यों ने भी सेवा के महत्व को समझते हुए नियमित रूप से इस कार्य को जारी रखने का संकल्प लिया। राधे-राधे ग्रुप द्वारा लगातार किए जा रहे ऐसे प्रयास समाज में सकारात्मक बदलाव लाने का कार्य कर रहे हैं। इस अवसर पर सुभाष अग्रवाल, जयप्रकाश सारडा, मनोज डालमिया, उमाकांत गुप्ता सहित बड़ी संख्या में ग्रुप के सदस्य उपस्थित रहे और सभी ने मिलकर सेवा कार्य को सफल बनाया।

फ़ोटो : नवरतन इंदोरिया

दुर्गा नगर स्थित जय महाकाली मंदिर कमेटी की ओर से पिछले 12 वर्षों से गर्मियों में राहगीरों को राहत देने हेतु शीतल जल प्याऊ स्थापित किया जा रहा है। इस वर्ष में प्याऊ स्थापित किया गया। इस अवसर पर सुरेंदर सिंह, विजय सारथी, पवन इंदौरिया,राजेश, रवि यादव, मनीष सिंह, अक्षय सिंह, महेश यादव, कविता अक्का, संगीता एवं अन्य उपस्थित थे।

मंगलगिरी में दो दिवसीय फैन पार्क का आयोजन 5 जून से शुरू होगा आंध्र प्रीमियर लीग

मंगलगिरी, 24 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)।

क्रिकेट प्रेमियों के लिए एक बड़ी खुशखबरी साझा करते हुए राज्यसभा सांसद सना सतीश बाबू ने बताया कि मंगलगिरी में विशेष रूप से दो दिवसीय 'फैन पार्क' का आयोजन किया जा रहा है। उन्होंने जानकारी दी कि बीसीसीआई के तत्वावधान में गुंटूर जिले के मंगलगिरी स्थित एपीआईआईसी भवन के पास इस फैन पार्क को स्थापित किया गया है।

चार प्रमुख मैचों का मुफ्त प्रसारण और स्टेडियम जैसा अनुभव

सांसद सना सतीश बाबू ने बताया कि इस फैन पार्क में प्रशंसकों को कुल चार आईपीएल मैचों का मुफ्त में आनंद लेने का अवसर दिया जा रहा है।

कल के मुकाबले: दिल्ली बनाम पंजाब और राजस्थान बनाम हैदराबाद के बीच होने वाले मैचों का प्रदर्शन किया जाएगा।

परसों के मुकाबले: गुजरात बनाम चेन्नई और लखनऊ बनाम कोलकाता की टीमों के बीच होने वाले मैचों का सीधा प्रसारण होगा।

उन्होंने स्पष्ट किया कि इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य दर्शकों को स्टेडियम में बैठकर लाइव मैच देखने जैसा रोमांचक अनुभव प्रदान करना है। उन्होंने यह भी बताया कि फैन पार्क की गतिविधियों का स्टार स्पोर्ट्स पर सीधा प्रसारण किया जाएगा।

मंत्री नारा लोकेश की पहल और खेल भावना को बढ़ावा

सांसद ने विशेष रूप से उल्लेख किया कि मंत्री नारा लोकेश की विशेष पहल और सक्रियता के कारण ही इस कार्यक्रम का सफल आयोजन संभव हो सका है। इसके अलावा, उन्होंने बताया कि मंगलगिरी प्रीमियर लीग में 120 टीमों का भाग लेना एक बड़ी उपलब्धि है। इन आयोजनों का प्राथमिक लक्ष्य युवाओं के बीच खेल भावना को विकसित करना और उन्हें एक मंच प्रदान करना है।

मंगलगिरी के खेल परिदृश्य पर चर्चा करते हुए सांसद ने एक और महत्वपूर्ण घोषणा की। उन्होंने बताया कि आगामी 5 जून से मंगलगिरी स्टेडियम में आंध्र प्रीमियर लीग (एपीएल) का भव्य आयोजन किया जाएगा। सना सतीश बाबू ने प्रतिबद्धता जताई कि मंगलगिरी को भविष्य में सभी प्रकार के खेलों के लिए एक अभिनव और आधुनिक केंद्र के रूप में विकसित करने के लिए हर संभव कदम उठाए जाएंगे।

भगवान राम के आदर्शों को जीवन में अपनाएं : अविनाश गहलोत

राम चौराहा, चावंडिया कलां में भगवान श्रीराम की मूर्ति का अनावरण

ब्यावर/जैतारण।

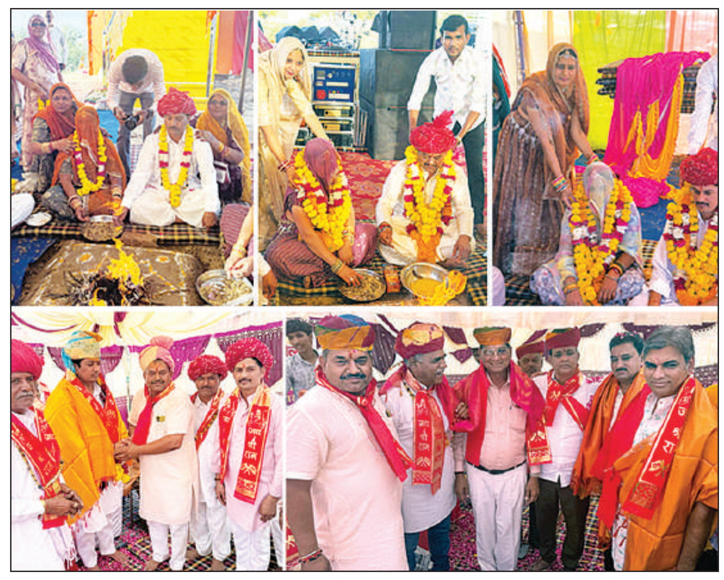

चावंडिया कलां स्थित राम चौराहा पर प्रभु श्रीराम की मूर्ति का भव्य अनावरण समारोह सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग के कैबिनेट मंत्री अविनाश गहलोत एवं जोगेश्वर आश्रम के संत अष्ट कौशल महंत राहुल गिरी महाराज के सानिध्य में विधि-विधान से संपन्न हुआ।

महोत्सव के दौरान अखंड रामधुन के साथ संगीतमय सुंदरकांड पाठ का आयोजन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए। कार्यक्रम के समापन पर महाप्रसादी का आयोजन किया गया, जिसमें उपस्थित जनों ने प्रसाद ग्रहण किया।समारोह को संबोधित करते हुए कैबिनेट मंत्री अविनाश गहलोत ने कहा कि भगवान राम हमारे देश की आत्मा और संस्कृति के प्रतीक हैं। उन्होंने कहा कि श्रीराम का जीवन हमें सत्य, न्याय और धर्म के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देता है।

उन्होंने कहा कि भगवान राम की कथा यह सिखाती है कि कर्तव्यों का पालन करते हुए व्यक्ति महान बन सकता है और परिवार व समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारियों को निभाना ही सच्चा धर्म है।

यह मूर्ति अनावरण क्षेत्र के लिए एक नई शुरुआत है और लोगों को राम के आदर्शों को अपनाने के लिए प्रेरित करेगा।

जोगेश्वर आश्रम के संत अष्ट कौशल महंत राहुल गिरी महाराज ने कहा कि मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान राम के जीवन से सभी को प्रेरणा लेने की आवश्यकता है। उनका जीवन आदर्शों और मूल्यों का मार्गदर्शक है।

इस अवसर पर भामाशाह मालाराम पंवार, भोलाराम पंवार, आसाराम गेहलोत (पिपलिया कलां), हरजीराम काग, भुराराम परिहार, राजुराम परिहार, लिकमाराम, भैणाराम गहलोत, धर्माराम ढाका, देवाराम कटारिया, दातार सिंह, सुनील प्रजापति, प्रशासक कमला जवरीलाल प्रजापत, भागीरथ सोनी, विष्णु कुमार सोनी, किशन मालवीय, निजी सचिव रामराज गहलोत, दुर्गाराम पंवार, रमेश सीरवी सहित अनेक गणमान्य नागरिक एवं समाज बंधु उपस्थित रहे।

एससी-एसटी टीचर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष गायकवाड़ ने स्टेट प्रेस क्लब अध्यक्ष से की शिष्टाचार मुलाकात

बांसवाड़ा, 24 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)।

पत्रकारों को हेल्थ कार्ड वितरण कार्यक्रम के सिलसिले में निज़ामाबाद पहुंचे एससी, एसटी टीचर्स एसोसिएशन के जिला अध्यक्ष, सामाजिक कार्यकर्ता एवं दलित नेता रामचंद्र गायकवाड़ ने तेलंगाना स्टेट प्रेस एकेडमी के चेयरमैन श्रीनिवास रेड्डी से रोड्स एंड बिल्डिंग्स विभाग के गेस्ट हाउस में शिष्टाचार मुलाकात की।

इस अवसर पर पत्रकारों के स्वास्थ्य और कल्याण से जुड़े मुद्दों पर चर्चा की गई। गायकवाड़ ने पत्रकारों के लिए चलाई जा रही विभिन्न योजनाओं और सुविधाओं पर भी विचार-विमर्श किया।मुलाकात के दौरान जिले के कई पत्रकार भी मौजूद रहे। सभी ने पत्रकारों के हित में ऐसे कार्यक्रमों की सराहना की और भविष्य में भी इस तरह की पहल जारी रखने पर जोर दिया।

गायकवाड़ ने कहा कि समाज के विभिन्न वर्गों के साथ-साथ पत्रकारों के स्वास्थ्य और सुरक्षा को प्राथमिकता देना जरूरी है। उन्होंने आगे भी जनहित से जुड़े कार्यों को जारी रखने की बात कही।

बेताला स्वामी जतरा में कुश्ती मुकाबलों का आयोजन, विजेताओं को मिला नकद पुरस्कार

बांसवाड़ा, 24 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)।

बांसवाड़ा टाउन सेंटर में बेताला स्वामी जतरा के अंतर्गत पारंपरिक कुश्ती मुकाबलों का आयोजन किया गया। इस अवसर पर तेलंगाना राज्य सरकार के कृषि सलाहकार एवं बांसवाड़ा विधानसभा क्षेत्र के विधायक पोचाराम श्रीनिवास रेड्डी तथा स्टेट एग्रोस के चेयरमैन कसुला बलाराजू मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। कार्यक्रम बेताला स्वामी मंदिर समिति और बांसवाड़ा नगर पालिका की देखरेख में संपन्न हुआ।

कुश्ती मुकाबलों के दौरान पोचाराम श्रीनिवास रेड्डी ने विजेताओं को प्रोत्साहित करते हुए प्रथम पुरस्कार के रूप में 15,000 रुपये नकद और द्वितीय पुरस्कार के रूप में 2 तुला कड़ियाम प्रदान किया। इस आयोजन में बांसवाड़ा टाउन और मंडल के नेताओं, जनप्रतिनिधियों, सामाजिक कार्यकर्ताओं और कुश्ती प्रतियोगियों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। प्रतिभागियों ने अपने दमखम और कौशल का प्रदर्शन कर दर्शकों का उत्साह बढ़ाया। आयोजन के दौरान वक्ताओं ने कहा कि इस तरह के पारंपरिक खेल आयोजन न केवल सांस्कृतिक विरासत को जीवित रखते हैं, बल्कि युवाओं को खेलों की ओर प्रेरित करने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। आयोजकों ने भविष्य में भी ऐसे आयोजनों को जारी रखने की बात कही।

डॉ. अशोक व्यास ने अशोक गहलोत को भेंट की अपनी पुस्तक

बीकानेर, 24 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)।

संभाग मुख्यालय के शैक्षिक व्यक्तित्व डॉ. अशोक व्यास ने राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत और पूर्व शिक्षा मंत्री डॉ. बीडी. कल्ला से शिष्टाचार भेंट की। इस विशेष अवसर पर डॉ. व्यास ने अपनी स्वलिखित पुस्तक श्री कृष्ण दर्शन की प्रथमपुष्प प्रति दोनों वरिष्ठ नेताओं को भेंट कर उनका आशीर्वाद प्राप्त किया।

इसी क्रम में उन्होंने वैभव गहलोत से भी मुलाकात की और उन्हें पुस्तक की प्रति भेंट की। इस अवसर पर श्री गहलोत ने डॉ. व्यास के साहित्यिक प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि श्री कृष्ण दर्शन जैसी पुस्तकें समाज में आध्यात्मिक चेतना और सांस्कृतिक मूल्यों को बढ़ावा देने में सहायक सिद्ध होती हैं। डॉ. व्यास ने दोनों नेताओं का आभार व्यक्त किया, जबकि वरिष्ठ नेताओं ने उन्हें इस महत्वपूर्ण लेखन कार्य के लिए बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल एवं सफल भविष्य की मंगलकामना की। यह मिलन न केवल शिष्टाचार का प्रतीक रहा, बल्कि प्रदेश की साहित्यिक और राजनीतिक सक्रियता के सामंजस्य को भी दर्शाता है।

विज्ञान ज्योति कॉलेज में बौद्धिक संपदा अधिकार पर जागरूकता कार्यक्रम संपन्न

बाचुपल्ली, 24 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो):

बाचुपल्ली स्थित विग्नान ज्योति कला एवं विज्ञान महाविद्यालय में युवा सशक्तिकरण के लिए उद्यमिता विकास पहल के तहत बौद्धिक संपदा अधिकार (आईपीआर) पर एक सफल जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। यह कार्यक्रम एसोसिएशन ऑफ बिजनेस लीडर्स (एबीएल) के सहयोग से संपन्न हुआ।

कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में डॉ. अमिता रानी (अध्यक्ष, अइङ) ने एक अत्यंत ज्ञानवर्धक व्याख्यान दिया। उन्होंने उभरते हुए उद्यमियों के लिए बौद्धिक संपदा अधिकारों के महत्व पर विस्तार से चर्चा की। उल्लंघन पर चिंता: डॉ. अमिता ने आईपीआर के विभिन्न रूपों में होने वाले उल्लंघन और उससे पैदा होने वाली चुनौतियों पर प्रकाश डाला। सुरक्षा की आवश्यकता: उन्होंने जोर देकर कहा कि आज के प्रतिस्पर्धी दौर में नए विचारों और नवाचारों का उचित कानूनी संरक्षण होना अनिवार्य है। इस अवसर पर श्रीमती देवकी तारा (निदेशक, एबीएल), प्रोफेसर लक्ष्मी, और विभिन्न विभागों के संकाय सदस्य उपस्थित रहे। कार्यक्रम में डिग्री के छात्रों ने बड़े उत्साह के साथ भाग लिया और नवाचारों को सुरक्षित रखने की बारीकियों को समझा। यह सत्र छात्रों के लिए अत्यधिक सूचनात्मक और प्रेरणादायक साबित हुआ। इस कार्यक्रम के माध्यम से छात्रों को निम्नलिखित लाभ मिले:बौद्धिक संपदा का ज्ञान: अपनी बौद्धिक संपत्तियों की रक्षा कैसे की जाए, इसकी बुनियादी समझ विकसित हुई। उद्यमिता को बढ़ावा: सत्र ने छात्रों को आत्मविश्वास के साथ अपने स्टार्टअप और व्यावसायिक विचारों को आगे बढ़ाने के लिए प्रोत्साहित किया।अंत में, विशेषज्ञों ने छात्रों के सवालों के जवाब दिए और उन्हें भविष्य के सफल उद्यमी बनने के लिए शुभकामनाएं दीं।

कम्युनिस्टों पर चंद्रबाबू नायडू की टिप्पणी , भाकपा नेता नारायण ने की आलोचना

तिरुपति, 24 अप्रैल (एजेंसियां)।

भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (भाकपा) के नेता के नारायण ने तमिलनाडु में चुनाव प्रचार के दौरान कम्युनिस्टों के खिलाफ आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू की टिप्पणियों को 'अप्रासंगिक और व्यंग्यात्मक' करार दिया है।

श्री नारायणन ने शुक्रवार को मीडिया के लिए जारी बयान में कहा कि तमिलनाडु में राजनीतिक मुकाबला मुख्य रूप से द्रमुक और अन्नाद्रमुक गठबंधनों के बीच है। उन्होंने ऐसे में साम्यवाद पर टिप्पणी करने की आवश्यकता पर सवाल उठाया।

श्री नायडू की उस टिप्पणी का जिक्र करते हुए, जिसमें उन्होंने कहा था कि 'अब कोई साम्यवाद, समाजवाद या पूंजीवाद नहीं है, केवल पर्यटन है', श्री नारायण ने कहा कि ऐसे बयानों में इस बात की स्पष्टता की कमी है कि विकल्प के रूप में कौन-सी व्यवस्था प्रस्तावित की जा रही है।श्री नारायण ने हालांकि श्री नायडू के राजनीतिक अनुभव और शैक्षणिक पृष्ठभूमि को स्वीकार करते हुए कहा कि वह रणनीतिक दूरदर्शिता वाले मंझे हुए नेता हैं। उन्होंने कहा कि हालांकि कई विचारकों ने साम्यवाद की आलोचना की है, लेकिन समाजवाद का कोई स्पष्ट विकल्प स्थापित नहीं किया जा सका है। उन्होंने यह भी सवाल किया कि क्या श्री नायडू मौजूदा पूंजीवादी ढांचे को पूरी तरह से पहचानते हैं?

उन्होंने कहा कि क्षेत्रीय दल अक्सर परिवार, राज्य और राष्ट्र के हितों को इसी क्रम में प्राथमिकता देते हैं। उन्होंने टिप्पणी की कि पार्टियों के भीतर नेतृत्व परिवर्तन उनके आंतरिक निर्णय होते हैं।

उन्होंने अंत में कहा कि हालांकि वह श्री नायडू की टिप्पणियों से असहमत हैं, फिर भी वह राष्ट्रीय राजनीति में उनके उत्थान का स्वागत करेंगे। उन्होंने छात्र आंदोलन के दिनों से ही श्री नायडू के साथ अपनी पुरानी जान-पहचान का भी उल्लेख किया।

चारमिनार स्थित मां भाग्यलक्ष्मी मंदिर में दर्शन करते हुए जगन्नाथ द्वारा खाकी अखाड़ा मठ पीठाधीश्वर मंहत अमृत दास खाकी, विंध्याचल ब्राह्मण सेवा संघ अध्यक्ष सुनील कुमार पाण्डेय, विजय कुमार तोतला, मंदिर प्रमुख ट्रस्टी शशिकला जी आदि भक्तगण।

अभय जैन ग्रन्थालय में आरएसएस प्रचारकों का प्रेरणादायी भ्रमण, पांडुलिपि संरक्षण कार्य की सराहना

बीकानेर, 24 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)।

अभय जैन ग्रन्थालय में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के प्रचारकों का एक महत्वपूर्ण एवं प्रेरणादायी भ्रमण कार्यक्रम रहा। इस अवसर पर जोधपुर प्रांत के प्रचारक श्याम मनोहर मुख्य रूप से उपस्थित रहे। उनके साथ विभाग अध्यक्ष टेक चंद बरडिया एवं सेवा विभाग से सवार लाल मोदी भी शामिल हुए। ग्रन्थालय के निदेशक ऋषभ नाहटा ने सभी अतिथियों का आत्मीय स्वागत किया तथा उन्हें ग्रन्थालय का विस्तृत भ्रमण करवाया। इस दौरान प्रचारकों ने यहां संरक्षित दुर्लभ पांडुलिपियों एवं उनके संरक्षण-संवर्धन के कार्य को निकट से देखा और सराहा। उल्लेखनीय है कि प्रचारकगण यहाँ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के 'मन की बात' कार्यक्रम में अभय जैन ग्रन्थालय के उल्लेख को सुनकर विशेष रूप से इस कार्य को देखने के लिए पधारे थे। उन्होंने इस पहल को भारतीय संस्कृति के संरक्षण की दिशा में एक अत्यंत महत्वपूर्ण कदम बताया। इस अवसर पर ज्ञान भारतम् मिशन (संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार) के अंतर्गत चल रहे पांडुलिपि संरक्षण कार्य की भी जानकारी दी गई। बताया गया कि अब तक लगभग 2,25,000 पृष्ठों का सफलतापूर्वक स्कैनिंग कार्य पूर्ण किया जा चुका है, जो भारतीय ज्ञान परंपरा के संरक्षण की दिशा में एक बड़ी उपलब्धि है। कार्यक्रम में डॉ. संदीप व्यास, नवरत्न चोपड़ा, लव कुमार देराश्री, मोहित बिस्सा, लक्ष्मीकांत उपाध्याय एवं गौरव आचार्य सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे। यह भ्रमण न केवल प्रेरणादायी रहा, बल्कि भारतीय सांस्कृतिक धरोहर के संरक्षण हेतु समाज में जागरूकता बढ़ाने की दिशा में भी एक महत्वपूर्ण पहल सिद्ध हुआ।

तेज रफ्तार डीसीएम की टक्कर से किसान की मौत, लापरवाही बनी हादसे की वजह

बांसवाड़ा, 24 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)।

शहर के तदुकुल चौरास्ता पर शुक्रवार दोपहर एक दर्दनाक सड़क हादसे में 58 वर्षीय किसान की मौके पर ही मौत हो गई। मृतक की पहचान कुरुमा हनुमानलू (पिता: लक्ष्मा गोंडा) के रूप में हुई है, जो अपने दोस्तों के साथ कुश्ती मैच देखने बांसवाड़ा आया था।

जानकारी के अनुसार, दोपहर करीब 1:30 बजे हनुमानलू तदुकुल चौरास्ता पर टिफिन करने के बाद अपनी मोटरसाइकिल से बस स्टैंड की ओर जा रहा था। इसी दौरान कोय्यागुट्टा की ओर से आ रही एक डीसीएम गाड़ी (टीएस 18 टी 7137) ने लापरवाही से वाहन चलाते हुए उसकी बाइक को जोरदार टक्कर मार दी।

हादसे में हनुमानलू बाइक से गिर पड़ा। मृतक की पत्नी बीरव्वा के अनुसार, टक्कर के बाद डीसीएम का टायर उसके ऊपर से गुजर गया, जिससे उसके पेट और कमर में गंभीर चोटें आईं और उसने मौके पर ही दम तोड़ दिया। बांसवाड़ा थाना प्रभारी (एसएचओ) ने बताया कि बीरव्वा की शिकायत के आधार पर मामला दर्ज कर लिया गया है और दुर्घटना के कारणों की जांच शुरू कर दी गई है। पुलिस ने संबंधित वाहन और चालक की तलाश भी शुरू कर दी है।

रामकोट स्थित श्री जैन सेवा संघ में आयोजित श्रीमती अश्विनी अमरनाथ देशपांडे के सुपुत्र रियांश के झूला व नामकरण समारोह में उपस्थित श्री जैन सेवा संघ के अध्यक्ष उमेश बागरेचा, चेयरमैन योगेश सिंघवी, निर्मल सिंघवी, रमन धोका, रिद्धि श जागीरदार, प्रवीण पांड्या, धन राज सुरणा, अशोक कुलकर्णी एवं अन्य।

शुभ लाभ DAILY

सीवी आनंद होंगे तेलंगाना के अगले डीजीपी

मई के पहले सप्ताह में संभाल सकते हैं कार्यभार

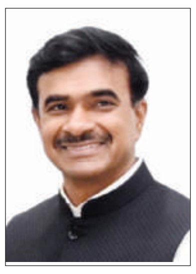

हैदराबाद, 24 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो): तेलंगाना के पुलिस प्रशासन में एक बड़े फेरबदल के संकेत मिल रहे हैं। वरिष्ठ आईपीएस अधिकारी सी.वी. आनंद का तेलंगाना के नए पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) के रूप में नियुक्त होना लगभग तय माना जा रहा है।

शिवधर रेड्डी की सेवानिवृत्ति और नया नेतृत्व

यह प्रशासनिक बदलाव वर्तमान डीजीपी शिवधर रेड्डी के कार्यकाल की समाप्ति के कारण हो रहा है, जो 30 अप्रैल को सेवानिवृत्त हो रहे हैं। आधिकारिक सूत्रों के अनुसार, सी.वी. आनंद मई के पहले सप्ताह में अपनी नई जिम्मेदारियां संभाल सकते हैं।

.शिखा गोयल को मिली गृह विभाग की कमान

सी.वी. आनंद वर्तमान में गृह विभाग के विशेष मुख्य सचिव के रूप में कार्यरत हैं। उनकी पदोन्नति के मार्ग को प्रशस्त करते हुए राज्य सरकार ने पहले ही प्रशासनिक आदेश जारी कर दिए हैं। वरिष्ठ आईपीएस अधिकारी शिखा गोयल को गृह विभाग में आनंद के उत्तराधिकारी के रूप में नियुक्त किया गया है।

अनुभवी अधिकारी पर सरकार का भरोसा

सी.वी. आनंद की इस शीर्ष पद पर नियुक्ति राज्य के पुलिस तंत्र को और मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम मानी जा रही है। शिखा गोयल की गृह विभाग में नियुक्ति ने आनंद के राज्य के सर्वोच्च पुलिस पद पर आसीन होने की संभावनाओं को और पुख्ता कर दिया है। सरकार के इस फैसले से पुलिस विभाग में नई ऊर्जा और बेहतर समन्वय की उम्मीद जताई जा रही है।

तेलंगाना में बड़ा आईपीएस फेरबदल

तरुण जोशी होंगे फ्यूचर सिटी के सीपी बी. सुमति को मलकाजगिरी की कमान

हैदराबाद, 24 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो): तेलंगाना सरकार ने शुक्रवार को प्रशासनिक स्तर पर बड़ा फेरबदल करते हुए कई वरिष्ठ आईपीएस अधिकारियों के तबादले और नई नियुक्तियों के आदेश जारी किए हैं। मुख्य सचिव के. रामकृष्ण राव द्वारा जारी जी.ओ. आरटी.नं. 535 के अनुसार, ये नियुक्तियां 1 मई 2026 से प्रभावी होंगी।

प्रमुख नियुक्तियां और विभाग परिवर्तन

शिखा गोयल (1994 बैच): वर्तमान महानिदेशक (सतर्कता और प्रवर्तन) को गृह विभाग का प्रधान सचिव नियुक्त किया गया है। वे इसके साथ ही तेलंगाना साइबर सुरक्षा ब्यूरो और फोरेंसिक विज्ञान प्रयोगशाला का अतिरिक्त प्रभार (एफ ए सी) भी संभालती रहेंगी।

डॉ. तरुण जोशी (2004 बैच): भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) के वर्तमान निदेशक को अब 'फ्यूचर सिटी' के पुलिस आयुक्त (सीपी) जैसी महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी गई है। वे जी. सुधीर बाबू का स्थान लेंगे, जो 30 अप्रैल को सेवानिवृत्त हो रहे हैं।

देवेंद्र सिंह चौहान (1997 बैच): अतिरिक्त डीजीपी (कार्मिक) से स्थानांतरित होकर अब महानिदेशक (सतर्कता और प्रवर्तन) तथा सामान्य प्रशासन विभाग के पदेन प्रधान सचिव का पदभार संभालेंगे।

बी. सुमति (2006 बैच): विशेष खुफिया ब्यूरो (एसआईबी) की आईजीपी अब मलकाजगिरी पुलिस आयुक्तालय की नई प्रमुख होंगी।

खुफिया विभाग और अन्य महत्वपूर्ण बदलाव

सरकार ने राज्य की खुफिया इकाई और अन्य विभागों में भी रणनीतिक बदलाव किए हैं:

अविनाश मोहंती (2005 बैच): मलकाजगिरी के निवर्तमान सीपी को अब महानिदेशक (औषधि नियंत्रण प्रशासन) और निदेशक (निषेध एवं आबकारी) के पद पर तैनात किया गया है। उनके पास एसीबी के निदेशक का अतिरिक्त प्रभार भी रहेगा।

श्री कार्तिकेय (2006 बैच): आईजीपी (इंटेलिजेंस) को बी. सुमति के स्थानांतरण के बाद एसआईबी (खुफिया) का अतिरिक्त प्रभार सौंपा गया है।

शाहनवाज कासिम (2003 बैच): इन्हें आईजीपी (मल्टी ज़ोन-2) नियुक्त किया गया है, साथ ही वे आईजीपी (कार्मिक) की अतिरिक्त जिम्मेदारी भी निभाएंगे।मई महीने की शुरुआत से पहले किया गया यह फेरबदल गृह, सतर्कता और शहरी पुलिसिंग जैसे प्रमुख विभागों में शीर्ष नेतृत्व को मजबूती देने के लिए किया गया है। फ्यूचर सिटी जैसे नए और महत्वपूर्ण आयुक्तालय में डॉ. तरुण जोशी की नियुक्ति सरकार के दूरगामी विजन को दर्शाती है।

तेलंगाना में नई राजनीतिक पारी की शुरुआत आज पार्टी का झंडा फहराएंगी कविता

हैदराबाद, 24 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो): तेलंगाना की राजनीति में एक बड़े बदलाव के संकेत देते हुए, के. कविता शनिवार को मेडचल-मल्कजगिरी जिले के मुनिराबाद में अपनी नई राजनीतिक पार्टी की घोषणा करने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। इस महत्वपूर्ण कार्यक्रम के लिए सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं।

पार्टी के लॉन्च के लिए अद्वय कन्वेंशन सेंटर के पास स्थित प्रोफेसर जयशंकर सर सम्मेलन मैदान को विशेष रूप से तैयार किया गया है। 20 एकड़ में फैले इस विशाल स्थल को भव्य रूप से सजाया गया है। कार्यक्रम स्थल के प्रवेश द्वारों का नाम तेलंगाना की महान विभूतियों जैसे प्रजाकवि कालोजी नारायण राव, रानी रुद्रमादेवी, मारोजू वीरन्ना और चाकली ऐलम्मा के नाम पर रखा गया है, जो राज्य की समृद्ध विरासत को दर्शाता है।

बंजारा हिल्स से रैली और पार्टी ध्वज का अनावरण

निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार, कविता सुबह 07:30 बजे बंजारा हिल्स स्थित अपने निवास से एक रैली के रूप में निकलेंगी। वह सबसे पहले अमरवीरुल स्तूपम (शहीद स्मारक) पर श्रद्धांजलि अर्पित करेंगी और फिर कार्यक्रम स्थल के लिए रवाना होंगी। सुबह 10:00 बजे उनके द्वारा पार्टी के झंडे का अनावरण किए जाने की उम्मीद है, जिसके बाद वह एक विस्तृत संबोधन में पार्टी के विजन और एजेंडे को जनता के सामने रखेंगी।

समाज के विभिन्न वर्गों का मिल रहा समर्थन

दो दशकों तक तेलंगाना जागृति का नेतृत्व करने और राज्य आंदोलन में सक्रिय भूमिका निभाने वाली कविता अब राज्य के हितों की रक्षा के लिए एक स्वतंत्र मंच तैयार कर रही हैं। इस अभियान को समाज के विभिन्न क्षेत्रों से समर्थन मिलना शुरू हो गया है।

प्रसिद्ध खेल प्रमोटर और स्नैप्स इंडिया के संपादक मोहम्मद शमसुद्दीन इस आंदोलन में शामिल हो गए हैं, उनके साथ आर.वी.आर. प्रसाद, ताहा बेगम (सीईओ, सिल्वर स्टोन एकेडेमिया) और सेलिब्रिटी मेडिकल ऑफिसर डॉ. वेदांतम डी. चक्रवर्ती जैसे गणमान्य लोग भी शामिल हुए जिनका कविता ने पार्टी स्कार्फ पहनाकर स्वागत किया।

जनम बाटा: बीआरएस से अलग एक स्वतंत्र मार्ग

कविता ने स्पष्ट किया है कि उनकी यह राजनीतिक यात्रा भारत राष्ट्र समिति से पूरी तरह अलग और स्वतंत्र है। उन्होंने कहा कि पिछली सरकारें समावेशी विकास और समान अवसर प्रदान करने में विफल रही हैं। अपनी नई पार्टी के माध्यम से वह किसानों, युवाओं, उद्योगपतियों, खिलाड़ियों, महिलाओं और मीडिया जगत की अधूरी आकांक्षाओं को पूरा करना चाहती हैं। अपने जनम बाटा जनसंपर्क कार्यक्रम के जरिए वह सीधे तेलंगाना की जनता से जुड़ेंगी।

कार्यक्रम के अंत में कार्यकर्ताओं और मेहमानों के लिए तेलंगाना के पारंपरिक व्यंजनों के साथ एक भव्य भोज का भी आयोजन किया गया है। इस लॉन्च इवेंट में पूरे राज्य से भारी संख्या में समर्थकों के जुटने की संभावना है।

ईमानदारी की मिसाल:

ऑटो ड्राइवर ने लौटाया सोने और नकदी से भरा बैग

हैराबाद, 24 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो): शहर के एक ऑटो रिक्शा चालक ने अपनी ईमानदारी से न केवल एक महिला का कीमती सामान सुरक्षित लौटाया, बल्कि पुलिस विभाग की प्रशंसा और सम्मान भी हासिल किया। यह घटना सैफाबाद थाना क्षेत्र की है, जहाँ ईमानदारी की इस मिसाल ने सबका दिल जीत लिया।

कर्नाटक के गुलबर्गा की रहने वाली 43 वर्षीय सुजाता आर. हीरेमठ गुरुवार शाम करीब 6:45 बजे सैफाबाद पुलिस स्टेशन पहुंचीं। उन्होंने बताया कि वह नरसिंगी से बिड़ला मंदिर तक ऑटो से यात्रा कर रही थीं, लेकिन उतरते समय गलती से अपना बैग ऑटो में ही भूल गईं। उस बैग में 6.5 तुला सोने के गहने और 3,500 रुपये नकद थे।

शकायत मिलते ही सैफाबाद इंस्पेक्टर ए. सीतैया ने मामले को गंभीरता से लिया और दो कांस्टेबलों, के. विनय कुमार और मदन मोहन को ऑटो की तलाश में लगाया। पुलिस टीम ने तत्परता दिखाते हुए: इलाके के सीसीटीवी फुटेज खंगाले।

मात्र एक घंटे के भीतर ऑटो की पहचान कर चालक के. नागेश का पता लगा लिया।जब पुलिस ने ड्राइवर नागेश से संपर्क किया, तो उसने तुरंत पुष्टि की कि बैग पिछली सीट पर सुरक्षित रखा है। वह बिना देरी किए पुलिस स्टेशन पहुंचा और सारा सामान (सोना और नकदी) सही-सलामत पुलिस के हवाले कर दिया। इंस्पेक्टर सीतैया ने ऑटो ड्राइवर की इस ईमानदारी की जमकर सराहना की। उन्होंने पीड़िता को उसका सामान वापस सौंपा और ड्राइवर नागेश को उसकी सत्यनिष्ठा के लिए नकद पुरस्कार देकर सम्मानित किया। यह घटना याद दिलाती है कि ईमानदारी आज भी समाज में जीवित है।

हैदराबाद में ऑटो बंद को झटका: ड्राइवरों ने 25 अप्रैल की हड़ताल से किया किनारा

हैदराबाद, 24 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)। शहर के ऑटो ड्राइवरों ने आईएलडब्ल्यूएफ ऑटो यूनियन द्वारा 25 अप्रैल को बुलाए गए प्रस्तावित ऑटो बंद का समर्थन करने से साफ इनकार कर दिया है। उनका कहना है कि मौजूदा आर्थिक हालात में वे हड़ताल में शामिल होकर अपनी आजीविका को और संकट में नहीं डाल सकते। ऑटो चालकों के अनुसार, वे पहले से ही कई तरह की समस्याओं से जूझ रहे हैं। गैस की कमी और लगातार बढ़ते ऑपरेशनल खर्च ने उनकी रोज़ की कमाई पर बुरा असर डाला है। ऐसे में एक दिन का काम बंद करना उनके लिए अतिरिक्त आर्थिक बोझ साबित होगा। ड्राइवरों ने स्पष्ट किया कि वे एक दिन की कमाई का नुकसान भी नहीं उठा सकते, क्योंकि अधिकांश चालक अपने परिवार के भरण-पोषण के लिए दैनिक आय पर ही निर्भर हैं। हड़ताल में शामिल होना उनके लिए व्यावहारिक नहीं है। ऑटो ड्राइवरों ने कड़ी चेतावनी देते हुए कहा है कि यदि कोई उनकी गाड़ियों को जबरन रोकने या बंद थोपने की कोशिश करता है, तो वे पुलिस में शिकायत करने से पीछे नहीं हटेंगे।

मालेगांव विस्फोट केस:

आरोपियों के बरी होने पर ओवैसी का हमला जांच एजेंसियों को लिया आड़े हाथों

हैदराबाद, 24 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो):

एआईएमआईएम अध्यक्ष और हैदराबाद के सांसद असदुद्दीन ओवैसी ने शुक्रवार को बॉम्बे हाई कोर्ट द्वारा 2006 के मालेगांव विस्फोट मामले में चार आरोपियों को दोषमुक्त किए जाने के बाद जांच एजेंसियों की कार्यप्रणाली पर तीखे सवाल उठाए हैं। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में ओवैसी ने कहा कि 2006 के इन धमाकों में 31 लोगों की जान गई थी और 300 से अधिक घायल हुए थे। उन्होंने आरोप लगाया कि जांच का तरीका हमेशा से संदिग्ध रहा है। ओवैसी ने याद दिलाया कि शुरुआती जांच में 9 मुस्लिम युवकों को गिरफ्तार किया गया था, जिन्हें लंबी कानूनी लड़ाई के बाद 2016 में अदालत ने बरी कर दिया था। उन्होंने कहा कि यह मामला अन्य विस्फोटों की जांच के समान ही एक पैटर्न को दर्शाता है, जहाँ असली गुनहगारों तक पहुँचने के बजाय निर्दोषों को निशाना बनाया गया और अंततः पीड़ितों को न्याय नहीं मिला।

ओवैसी ने बॉम्बे हाई कोर्ट की उन टिप्पणियों का भी हवाला दिया जिसमें राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) द्वारा की गई जांच की आल-ोचना की गई थी। उन्होंने संदेह व्यक्त किया कि क्या एनआईए इस आदेश के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में अपील करेगी।

किशन रेड्डी ने किया बोरवेलों का उद्घाटन, हैदराबाद में जल आपूर्ति की समस्याओं पर उठाए सवाल

हैदराबाद, 24 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो): केंद्रीय कोयला एवं खान मंत्री जी. किशन रेड्डी ने शुक्रवार को जुबली हिल्स निर्वाचन क्षेत्र के रहमत नगर और कार्मिक नगर डिवीजनों का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने गर्मियों में पीने के पानी की जरूरतों को पूरा करने के लिए विभिन्न बस्तियों में नए बोरवेलों का उद्घाटन किया।

यह पहल विशेष रूप से उन तंग गलियों में पानी की कमी को दूर करने के लिए की गई है जहाँ बड़े पानी के टैंकर नहीं पहुँच पाते हैं। दौरे के दौरान, केंद्रीय मंत्री ने स्थानीय निवासियों से बातचीत की और उनकी समस्याओं के बारे में जानकारी ली। उन्होंने आश्वासन दिया कि स्थानीय स्तर पर बुनियादी सुविधाओं को सुदृढ़ करना उनकी प्राथमिकता है।

मीडिया से बात करते हुए किशन रेड्डी ने कहा कि हैदराबाद देश के सबसे तेजी से बढ़ते महानगरों में से एक है। उन्होंने शहर की बढ़ती जरूरतों को देखते हुए सरकार की समर एक्शन प्लान (ग्रीष्मकालीन कार्य योजना) को प्रभावी ढंग से लागू करने की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने जलभराव को रोकने और सुचारू प्रवाह सुनिश्चित करने के लिए तूफानी जल नालों और पाइपलाइनों की तत्काल सफाई करने का आह्वान किया।

केंद्रीय मंत्री ने राज्य सरकार का ध्यान निम्नलिखित गंभीर मुद्दों की ओर आकर्षित किया: अनियमित आपूर्ति: उन्होंने चिंता जताई कि नए बोरवेल लगने के बावजूद कई इलाकों में जलापूर्ति अनियमित है। निवासियों को दो दिनों में एक बार भी एक घंटे का उचित पानी नहीं मिल पा रहा है। मल्लाना सागर परियोजना: उन्होंने मांग की कि मल्लाना सागर से गोदावरी जल के डायवर्जन और पाइपलाइन कार्यों में तेजी लाई जाए ताकि शहर की पानी की समस्या का स्थायी समाधान निकाला जा सके।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्ट्रीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com.